उत्तराखण्ड शासन

ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग उत्तराखण्ड, पौड़ी

जनपद चमोली के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन को कम करने हेतु सिफारिशें

ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, उत्तराखण्ड़, पौड़ी।

जनपद चमोली के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन को कम करने हेतु सिफारिशें

अगस्त 2020

प्रस्तावना

चमोली जनपद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 8030 वर्गकिलोमीटर है। जनपद के उत्तर–प"चम में जनपद उत्तरका"ी, दक्षिण–प"चम में जनपद पिथौरागढ़, दक्षिण–पूर्व में जनपद अल्मोड़ा, दक्षिण–प"चम में जनपद रूद्रप्रयाग, प"चम में जनपद टिहरी गढ़वाल तथा उत्तर में तिब्बत की सीमा लगती है। जनपद की वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या 3,91,605 है। जनपद में 9 विकास खण्ड, 12 तहसील तथा 1244 राजस्व ग्राम हैं। यहाँ का अधिकां"ा भाग पर्वतीय होने के कारण यहाँ की मिट्टी पथरीली तथा उबड़–खाबड़ है। अधिकां"ा जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। इनका मुख्य व्यवसाय खेती तथा प"ुपालन है। कुल जनसंख्या का 81.78 प्रति"ात आबादी गाँवों में तथा 18.22 प्रति"ात आबादी नगर क्षेत्र में निवास करती है।

पिछले 10 वर्षो में 556 ग्राम पंचायतों से कुल 32020 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर अपने घरों में आना–जाना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा स्थायी रूप से पलायन नहीं किया गया है।

पिछले 10 वर्षों में 373 ग्राम पंचायतों से 14289 व्यक्तियों द्वारा पूर्णरूप से स्थायी पलायन किया गया है, जो कि गम्भीर चिन्ता का विषय है। आकड़ें द"ाते हैं कि जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन अधिक हुआ है।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन की समस्या आर्थिक विषमताओं; कृषि के उत्पादन में कमी; कम ग्रामीण आय और एक तनावग्रस्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था के कारण अनेक समस्याओं को जन्म दे रही हैं। इसी संदर्भ में आयोग ने चमोली जिले के प्रत्येक विकास खण्ड का एक विस्तृत सामाजिक–आर्थिक विश्लेषण किया है। यह रिपोर्ट जिले के सामाजिक–आर्थिक मापदंडों की विस्तार से जाँच– पड़ताल करती है। जिले की ग्रामीण सामाजिक–अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सिफारिशें प्रस्तुत की गई हैं, जो इन क्षेत्रों से लोगों के पलायन को कम करेगी। सिफारिश करने से पहले राज्य और जिला स्तरीय अधिकारियों और स्थानीय लोगों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श भी किया गया था।

आयोग अपने अध्यक्ष श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखंड द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और प्रोत्साहन; श्रीमती मनीषा पवार, अपर मुख्य सचिव, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन को उनके सुझाव और समर्थन के लिए; जिलाधिकारी, चमोली एवं उनके अधिकारियों की टीम; विभिन्न लाइन विभागों के अधिकारी और कर्मचारी; जिले के सभी जनप्रतिनिधि; जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी; एन.जी.ओ. और ग्रामीणों, श्री रो"ान लाल, सदस्य सचिव, ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, श्री गजपाल चन्दानी, शोध अधिकारी, ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग तथा श्री भूपाल सिंह रावत, वैयक्तिक सहायक द्वारा इस रिपोर्ट को तैयार करने के अथक प्रयासों को विनम्रता के साथ स्वीकार करता है।

अगस्त, 2020

डॉ0 शरद सिंह नेगी
उपाध्यक्ष

अन्तर्वस्तु

अध्याय 1 :	परिचय	1
अध्याय 2 :	विकासखण्डवार सामाजिक–आर्थिक आंकड़ों का वि"लेषण एवं रूझान	6
अध्याय 3 :	पलायन की स्थिति	34
अध्याय 4 :	वर्तमान ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक विकास कार्यक्रम	46
अध्याय 4 :	वि"लेषण एवं सिफारि"ें	77

अध्याय–1

परिचय

भौगोलिक स्थिति

जनपद चमोली को दिनांक 14 फरवरी, 1960 को तत्कालीन जनपद पौड़ी की तहसील चमोली को उच्चीकृत कर जनपद का दर्जा प्रदान किया गया था। जनपद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 8030 वर्ग किलोमीटर है। जनपद के उत्तर–प"चिम में जनपद उत्तरका"ाी, दक्षिण–प"चिम में जनपद पिथौरागढ़, दक्षिण–पूर्व में जनपद अल्मोड़ा, दक्षिण–प"चिम में जनपद रूद्रप्रयाग, प"चिम में जनपद टिहरी गढ़वाल तथा उत्तर में तिब्बत की सीमा लगती है। जनपद की वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या 3,91,605 है। जनपद में 9 विकास खण्ड, 12 तहसील तथा 1244 राजस्व ग्राम हैं। यहाँ का अधिका"ा भाग पर्वतीय होने के कारण यहाँ की मिट्टी पथरीली तथा उबड़–खाबड़ है। अधिका"ा जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। इनका मुख्य व्यवसाय खेती तथा प"ाुपालन है। कुल जनसंख्या का 81.78 प्रति"ात आबादी गाँवों में तथा 18.22 प्रति"ात आबादी नगर क्षेत्र में निवास करती है।

भूमि संरचना

भौतिक संरचना की दृष्टि से जनपद चमोली का सम्पूर्ण क्षेत्र पर्वतीय है। इसमें हिम"ाखरों, हिमानियों, तप्तकुण्ड़ों, सरोवरों, नदियों, जंगल एवं झाड़ियों की भरमार है। जनपद का समस्त उत्तरी भाग हिमाच्छादित है। पूरे जनपद में 24 से 26 तक ऐसी हिमाच्छादित चोटियाँ हैं जो 20 हजार फीट से अधिक ऊंची है। प्रमुख पर्वत ि"ाखरों में नन्दादेवी, नन्दा घूंघटी, स्वर्गारोहण, नीलकण्ठ एवं हाथी/घोड़ा पर्वत श्रेणियाँ हैं। नन्दा देवी चोटी की ऊंचाई 7818 मीटर है। उत्तरी श्रेणी के दक्षिण में उसी के समान्तर लघु हिमालय की श्रेणी हैं, जिसकी औसत ऊंचाई 1800 से 3000 मीटर है। यहाँ शीतऋतु में 3–4 माह हिमपात होता है। इस क्षेत्र की चट्टानें बहुत पुरानी हैं जिसमें स्लेट चूना पत्थर तथा क्वाटर्स की अधिकता पाई जाती है। इस भाग में कोणधारी वन मिलते हैं तथा ढ़ालों पर छोटे–छोटे घास के मैदान पाये जाते हैं जिन्हें बुग्याल कहा जाता है।

प्रवाह प्रणाली

जनपद की सबसे बड़ी नदी अलकनन्दा है जो बद्रीनाथ के समीप तिब्बत की सीमा के निकट 7800 मीटर की ऊंचाई से निकलती है तथा नीती दर्रे के निकट जास्कर श्रेणी से धौली गंगा निकलती है जो विष्णु प्रयाग में अलकनन्दा से मिलकर एक हो जाती है तथा नन्दाकिनी, नन्द प्रयाग नामक स्थान पर अलकनन्दा में मिल जाती हैं इसकी एक अन्य सहायक नदी पिण्डर, पिण्डारी हिमनद से निकल कर कर्ण प्रयाग में अलकनन्दा में मिल जाती है। उक्त नदियों के अतिरिक्त यहाँ अनेक ताल एवं कुण्ड भी हैं।

Description	2011	2001
Population	3.92 lakhs	3.70 lakhs
Actual Population	391605	370359
Male	193991	183745
Female	194617	186614
Population Growth	5.74%	13.87%
Area Sq. Km.	8030	8030
Density/km2	49	48
Proportion to Uttarakhand Population	3.88%	4.36%
Sex Ratio (Per 1000)	1019	1016
Child Sex Ratio (0-6 Age)	889	935
Average literacy	82.65	75.43
Male Literacy	93.40	89.66
Female Literacy	72.32	61.63

Description	Rural	Urban
Population	84.83%	15.17%
Total Population	332209	59396
Male Population	160369	33622
Female Population	171840	25774
Sex Ratio	1072	767
Child Sex Ratio (0-6)	899	829

	Population in lakhs (2011 census)	Districts share in states population (%)	Percentage of urban population(2011 census) *	Area in sqkms.	Percentage of state's geographical area
Chamoli	3.91	3.87	15.17	7692	14.38

**State Urban population % is 30.55(2011 census)*

Demographic Data

Census wise data

Year	Pop.	±%p.a.
1901	102,602	--
1911	114,599	+ 1.11%
1921	115,924	+0.12%

1931	127,559	+ 0.96%
1941	143,861	+ 1.21%
1951	152,823	+ 0.61%
1961	182,606	+ 1.80%
1971	213,629	+ 1.58%
1981	265,216	+ 2.19%
1991	325,247	+ 2.06%
2001	370,359	+ 1.31%
2011	391,605	+ 0.56%

Block's whose population has declined between 2001 and 2011

Chamoli	31.10 %(Rural poverty)	Dasholi-2.88% Pokhari-13.39% Karanparyag-8.45% Tharali-12.43% Gairsain-6.96%

जिला घरेलू उत्पाद

सकल राज्य/जनपद सकल घरेलू उत्पाद (प्रचलित भाव पर) Gross State/District Domestic Product (At current prices) :–सकल राज्य एवं घरेलू उत्पाद जिसे सामान्यतः राज्य आय (StateIncome) के नाम से भी जाना जाता है किसी भी राज्य के आर्थिक विकास का सर्वोत्तम मापदण्ड है। यह अनुमान राज्य की अर्थव्यवस्था के आकार को भी प्रदर्''ित करता है। वर्ष 2017–18 के प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार प्रचलित भाव पर राज्य का सकल घरेलू उत्पाद पिछले वर्ष 2016–17 (त्वरित) के रू0 195606/–करोड की तुलना में रू0 217609 करोड़ अनुमानित है, जोकि 11.25 प्रति''ात की वृद्धि द''ार्ता है। राज्य की अर्थव्यवस्था में मुख्य रूप से योगदान विनिर्माण (37.57 प्रति''ात), निर्माण (8.70 प्रति''ात), व्यापार होटल एवं जलपान गृह (12.72 प्रति''ात), तथा परिवहन भण्डारण संचार एवं प्रसारण (8.07 प्रति''ात) से सम्बन्धित सेवा आदि आर्थिक गतिविधियों को जाता है। राज्य आय के अनुमान विभिन्न वित्तीय संस्थाओं, गैर वित्तीय संस्थाओं, सरकारी, निजी, गैर सरकारी उपक्रमों, स्थानीय निकायों, पारिवारिक उद्यमों आदि की आर्थिक गतिविधियों का आंकलन कर राज्य उत्पादन के आंकड़े तैयार किये जाते हैं। जनपद में वर्ष 2016–17 (अनन्तिम) में चमोली का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) राज्य में रू0 573115.00 लाख है।

सकल राज्य/जनपद सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव पर) (Gross District Domestic Product at Constant Prices):–स्थिर भावों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद राज्य की अर्थव्यवस्था के वास्तविक आकार एवं राज्य की विकास दर को प्रदर्शित करता है। प्रथम अग्रिम अनुमानों के अनुसार वर्ष 2017–18 के स्थिर भाव पर प्रदे''ा का सकल घरेलू उत्पाद रू0 173444 करोड़ अनुमानित है, जबकि वर्ष 2016–17 (त्वरित) में यह रू0 162451 करोड़ अनुमानित है जो कि प्रदे''ा की आर्थिक विकास की दर वर्ष 2017–18 मे स्थिर भावों (आधार वर्ष 2011–12) पर 6.77 प्रति''ात द''ार्ता है। वर्ष 2016–17 (अनन्तिम) अनुमान के अनुसार चमोली का सकल घरेलू उत्पाद राज्य में रू0 467071 लाख है।

आर्थिक विकास दर (स्थिर भाव पर) :– स्थिर भाव (वर्ष 2011–12) के अनुसार जनपद चमोली की आर्थिक विकास दर 6.23 प्रति"ात है।

प्रतिव्यक्ति आय (Per Capita Income) :– राज्य निवल घरेलू उत्पाद (Net State DomesticProduct) के आधार पर वर्ष 2016–17 (अनन्तिम) अनुमानों में जनपद चमोली की प्रतिव्यक्ति आय रू0 118448 अनुमानित है।

District wise percentage contribution to domestic product (at current prices) of various sectors (DES 2015 and 2018)

Name of district	Primary sector 2004-05	Secondary sector 2004-05	Tertiary sector 2004-05	Primary sector 2013-14	Secondary sector 2013-14	Tertiary sector 2013-14
Chamoli	37.16	24.50	38.34	25.87	31.43	42.70
Uttarakhand	23.48	27.02	49.50	15.61	35.06	49.34

State/ District wise Domestic Product (in Rs lakhs at current prices) (DES 2015 and 2018)

Name of district	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2016-17 PE
Chamoli	252969	297199	335188	381241	439764	573115
Uttarakhand	6668324	8396895	9785772	10786835	12243330	21760900

District wise rate of annual growth of gross domestic product (in % at constant prices) (DES 2015 and 2018)

Name of district	2009-10	2010-11	2012-12	2012-13	2013-14	2016-17(as 2011-12 prices)
Chamoli	10.08	-0.49	6.11	4.48	7.20	6.23
Uttarakhand	11.61	16.44	9.37	5.61	5.65	6.95

District wise per capita income (in Rs) (DES 2015 and 2018)

Name of district	2010-11	2012-12	2012-13	2013-14	2016-17
Chamoli	62,269	69543	78371	90,173	1,18,448
Uttarakhand	73,819	85,372	92,191	1,03,349	1,61,102

Uttarakhand Human Development report 2019 salient data on Chamoli district

1- District growth rate 2016-17….6.2%, state average 7.0%
2- District poverty rate 2017….27.7%, state average 15.6 %
3- District average per capita income (2016-17) Rs 1,18,000/ State Per capita income Rs 1,61,000
4- District % of rural households receiving remittances from migrants 61.8%

प्रक्रिया और पद्धति

यह रिपोर्ट जिले के सामाजिक–आर्थिक मानकों का विस्तार से जांच करती है, वि"ोषतः उन कारणों के संदर्भ में जो पलायन पर असर डालती है। माध्यमिक जानकारी, जिले के रेखीय विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारियों की प्रका"ित और अप्रका"ित सूचनाओं से ली गई है। प्राथमिक जानकारी, आयोग की टीम, खण्ड विकास अधिकारियों और ग्राम विकास अधिकारियों के द्वारा क्षेत्र भ्रमण से संग्रहीत की गयी सूचनाओं पर आधारित है। प्रत्येक विकासखण्ड से आंकडे एकत्र कर वि"ोलेषण किया गया है।

इस रिपोर्ट में जिले की ग्रामीण सामाजिक–अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सिफारि"ों प्रस्तुत की गई हैं, जिससे पलायन को कम किया जा सके। इससे स्थानीय सामाजिक–अर्थव्यवस्था को भी बढावा मिल सकता है, एवं पलायन पर अकु"ा लगेगा।

अध्याय–1

विकासखण्डवार सामाजिक-आर्थिक आंकडों का विश्लेषण एवं रूझान

जनपद के मुख्य आंकड़े

जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल, जनसंख्या, प्र"ाासनिक ढांचा तथा वर्ष 2011 की जनगणना के अनसुार आबाद/गैर आबाद ग्रामों की संख्या निम्नलिखित तालिका में द"ार्ायी गयी ह।

तालिका– 1

मद	इकाई	अवधि	विवरण
भौगोलिक क्षेत्रफल	वर्ग किमी0	2018	8030
जनसंख्या			
पुरूष	संख्या ह0 में	2011	193.99
स्त्री	संख्या ह0 में	2011	197.61
योग	संख्या ह0 में	2011	391.61
ग्रामीण	संख्या ह0 में	2011	310.47
नगरीय	संख्या ह0 में	2011	81.13
अनुसूचित जाति	संख्या ह0 में	2011	79.32
अनुसूचित जनजाति	संख्या ह0 में	2011	12.26
साक्षर व्यक्तियों की संख्या			
कुल	संख्या ह0 में	2011	280.56
पुरूष	संख्या ह0 में	2011	155.4
स्त्री	संख्या ह0 में	2011	125.16
तहसीलों की संख्या	संख्या	2017-18	12
सामुदायिक विकासखण्ड	संख्या	2017-18	9
न्याय पंचायत	संख्या	2017-18	39
ग्राम पंचायत	संख्या	2017-18	606
ग्रामों की संख्या			
आबाद ग्रामों की संख्या	संख्या	2017-18	1118
गैर आबाद ग्रामों की संख्या	संख्या	2017-18	64
वन ग्राम	संख्या	2017-18	24
कुल ग्राम	संख्या	2017-18	1206

महत्वपूर्ण मदों के जिला विकास संकेतांक

जनपद की 80% जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती हैं वर्ष 2001 एवं वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धि का प्रतिशत 5.74 प्रतिशत था जो कि राज्य औसत से कम है। ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि की दर और भी कम है तथा कुछ विकास खण्डों में यह घटी है, जैसे कि दशोली (–2.88%), पोखरी (–13.39%), कर्णप्रयाग (–8. 45%), थराली (–12.43%) तथा गैरसैंण (–6.96%)। ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में परिवार का औसत आकार 4 है। जनसंख्या घनत्व सबसे अधिक नारायणबगड़ विकास खण्ड में 138.65 व्यक्ति/वर्गकि0मी0 है तथा सबसे कम जोशीमठ विकास खण्ड में 7.48 व्यक्ति/वर्गकि0मी0 है। अनुसचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत सबसे अधिक जोशीमठ विकास खण्ड में है। कुल मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या का प्रतिशत सबसे अधिक जोशीमठ विकास खण्ड में है तथा कृषि में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत सबसे अधिक गैरसैंण विकास खण्ड में है। विस्तृत आंकड़े तालिका–2 एवं 3 में दर्शाये गए हैं।

तालिका–2

मद	अवधि	संकेतांक
कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	2011	20.72
जनसंख्या का घनत्व (प्रति वर्ग कि0मी0)	2011	49
2001–11 दशक में जनसंख्या वृद्धि प्रतिशत	2001–11	5.74
कुल जनसंख्या में अनु0जाति/जनजाति का प्रतिशत	2011	23.39
राज्य की कुल अनु0जाति की जनसंख्या में जनपद में अनु0जाति के व्यक्तियों का प्रतिशत	2011	4
लिंगानुपात (प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या)	2011	1019
साक्षरता प्रतिशत		
कुल	2011	82.65
पुरूष	2011	93.4
स्त्री	2011	72.32
परिवार का औसत आकार		
ग्रामीण	2011	4
नगरीय	2011	4
योग	2011	4
कुल जनसंख्या में विकलांग व्यक्तियों का प्रतिशत	2011	2.71
कुल मुख्य कर्मकरों का जनसंख्या से प्रतिशत		
ग्रामीण	2011	22.52
नगरीय	2011	6.88
योग	2011	29.4
कृषि कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत (कृषक तथा कृषि श्रमिक)	2011	18.04
कृषि श्रमिकों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	2011	0.27
कुल मुख्य कर्मकरों का प्रतिशत		
कृषक	2011	60.47
कृषि श्रमिक	2011	0.93
पारिवारिक उद्योग	2011	2.71

अन्य	2011	35.89
समस्त जोतों में लघु एवं सीमान्त जोतों का प्रतिशत	2010–11	91.31
समस्त जोतों के अन्तर्गत क्षेत्रफल में लघु एवं सीमान्त जोतों के अन्तर्गत क्षेत्रफल का प्रतिशत	2010–11	64.07
सीमान्त जोतों का औसत आकार (हैक्टेयर)	2010–11	0.35

तालिका–3

विकास खण्ड का नाम	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किमी0 2011	अनु0जाति/जनजाति का कुल जनंसख्या से प्रतिशत 2011	कुल मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2011	कृषि में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत 2011	पारिवारिक उद्योग में कर्मकरों का मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत 2011	साक्षर व्यक्तियों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2011
जोशीमठ	7.48	34.46	37.36	55.57	1.81	83.95
कर्णप्रयाग	103.79	21.2	20.94	69.13	1.01	82.77
दशोली	46.39	30.48	27.23	66.24	2.47	82.13
घाट	123.87	23.27	24.59	74.83	2.39	76.61
नारायणबगड	138.65	21.72	26.59	76.08	0.94	81.23
गैरसैंण	128.33	14.21	32.57	86.05	1.02	77.5
समस्त विकास खण्ड	43.1	23.16	28.3	72.58	2.12	80.72

ग्रामों की संख्या

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जनपद में कुल 1227 ग्राम हैं, जिनमें से 1170 ग्राम आबाद हैं तथा 76 ग्राम गैर आबाद है। गैर आबाद ग्रामों/तोकों की संख्या ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग के वर्ष 2018 के सर्वेक्षण के बाद बढ़ी है, जिसका विवरण विस्तार से अध्याय–3 में दिया गया है। आंकड़े निम्नलिखित तालिकाओं में दर्शाये गये हैं:–

तालिका–4

विकासखण्ड	जनसंख्या 2011 के अनुसार ग्रामों की संख्या			31–3–2018 की स्थिति के अनुसार ग्रामों की संख्या			2011 की जनगणना के बाद नगर क्षेत्र में स्थानान्तरित ग्रामों की संख्या एवं उनके नाम
	आबाद	गैर आबाद	कुल	आबाद	गैर आबाद	कुल	
1	2	3	4	5	6	7	8
जोशीमठ	90	5	95	90	5	95	0

कर्णप्रयाग	206	13	219	200	13	213	6
दशोली	112	10	107	107	10	117	5
घाट	89	8	97	89	8	97	0
नारायणबगड	146	7	153	146	7	153	0
गैरसैण	219	11	230	203	11	214	16
थराली	92	0	88	88	0	88	4
देवाल	71	3	74	71	3	74	0
पोखरी	133	7	140	124	7	131	9
योग ग्रामीण	1158	64	1203	1118	64	1182	40
वन	12	12	24	12	12	24	0
योग जनपद	1170	76	1227	1130	76	1206	40

जनपद की ग्रामीण जनसंख्या की प्रति 10 वर्ष की जनसंख्या वृद्धि (जनगणना–2011)

विकासखण्ड वार वर्ष 2001 एवं वर्ष 2011 के मध्य ग्रामीण जनसंख्या में बदलाव निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है। कुल ग्रामीण जनसंख्या –2.82 प्रतिशत घटी है। जबकि जनपद की औसत जनसंख्या इन 10 वर्षों में 5.74 प्रतिशत बढ़ी है। आंकड़े निम्नलिखित तालिकाओं में दर्शाये गये हैं:–

तालिका–5

वर्ष / विकास खण्ड	ग्रामीण जनसंख्या			गत दशक में प्रतिशत वृद्धि
	व्यक्ति	पुरूष	स्त्री	
1	**2**	**3**	**4**	**5**
1991	286550	140475	146075	-14.5
2001	319656	154197	165459	11.55
2011	310473	149139	161334	-2.87
विकासखण्डवार 2011				
जोशीमठ	29053	15784	13269	16.82
कर्णप्रयाग	38020	17669	20351	-8.45
दशोली	35766	17850	17916	-2.88
घाट	37408	18346	19062	11.41
नारायणबगड	30919	14414	16505	-0.68
गैरसैण	54858	24984	29874	-6.96

थराली	29642	14146	15496	-12.43
देवाल	23925	11508	12417	3.53
पोखरी	30673	14304	16369	-13.39
योग विकासखण्ड	310264	149005	161259	-2.82
वन	209	134	75	-45.85
योग ग्रामीण	310473	149139	161334	-2.82

जनपद में विकासखण्डवार जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण

तालिका–6

वर्ष / विकासखण्ड	मुख्य कर्मकर					सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर
	कृषक	कृषि श्रमिक	पारिवारिक उद्योग	अन्य	कुल		
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**
1991	94777	1191	2048	36201	134217	17383	151600
2001	58773	492	2434	35201	96900	67829	164729
2011	69612	1072	3115	41316	115115	65825	180940
विकासखण्डवार 2011							
जोशीमठ	5948	84	196	4626	10854	5633	16487
कर्णप्रयाग	5678	32	81	2235	8026	9016	17042
दशोली	6446	82	236	2840	9604	6834	16438
घाट	6602	282	220	2095	9199	9094	18293
नारायणबगड	6189	41	77	1882	8189	5867	14056
गैरसैण	15375	99	183	2210	17867	7579	25446
थराली	4604	65	63	1935	6667	7798	14465
देवाल	6649	83	108	1396	8236	3130	11366
पोखरी	6783	57	685	1921	9446	5653	15099
समस्त विकासखण्ड	64274	825	1849	21140	88088	60604	148692
वन	41	12	0	47	100	19	119
ग्रामीण क्षेत्र	64315	837	1849	21187	88188	60623	148811
नगरीय	5297	235	1266	20129	26927	5202	32129
योग जनपद	69612	1072	3115	41316	115115	65825	180940

जनपद में जनगणना के अनुसार प्रतिदशक आबाद ग्रामों की संख्या, जनसंख्या तथा प्रतिदशक प्रतिशत अन्तर (1901–2011)

तालिका–7

जनगणना वर्ष	आबाद ग्रामों की संख्या	जनसंख्या			प्रतिदशक प्रतिशत अन्तर		
		कुल	ग्रामीण	नगरीय	कुल	ग्रामीण	नगरीय
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**
1901	0	145670	145670	--	--	--	--
1911	0	162703	162703	--	11.69	11.69	--
1921	0	164584	164584	--	1.16	1.16	--
1931	0	181103	181103	--	10.04	10.04	--
1941	0	204248	204248	--	12.78	12.78	--
1951	0	216972	216972	--	6.23	6.23	--
1961	1415	253137	253137	--	16.67	16.67	--
1971	1488	292571	280365	12206	15.58	10.76	--
1981	1516	364346	335172	29174	24.53	19.55	139.01
1991	1569	454871	414331	40540	24.85	23.62	38.96
2001	1154	370359	319656	50703	-18.58	-22.85	25.07
2011	1158	391605	332209	59396	5.74	3.93	17.14
1901-2011					168.83	128.06	--

जनपद में विकासखण्डवार साक्षर व्यक्ति तथा साक्षरता का प्रतिशत

आंकड़े दर्शाते हैं कि जनपद में पुरूषों तथा स्त्रियों की साक्षरता प्रतिशत भिन्न है। ग्रामीण क्षेत्रों में पुरूषों की साक्षरता प्रतिशत 92.82 प्रतिशत तथा स्त्रियों के लिए यह आंकड़े 69.78 प्रतिशत हैं। साक्षरता प्रतिशत सबसे कम घाट तथा गैरसैंण विकास खण्ड में है।

तालिका–8

वर्ष/विकासखण्ड	साक्षर व्यक्ति			साक्षरता का प्रतिशत		
	पुरूष	स्त्री	कुल	पुरूष	स्त्री	कुल
1	2	3	4	5	6	7
1991	107537	51909	159446	81.15	39.74	60.59
2001	138934	98420	237354	89.66	61.63	75.43
2011	155395	125161	280556	93.4	72.32	82.65

विकासखण्डवार 2011						
जोशीमठ	13018	89542	21560	92.64	73.45	83.95
कर्णप्रयाग	14424	13048	27472	95.11	72.01	82.54
दशोली	14162	11024	25186	92.33	70.53	81.32
घाट	13915	10460	24375	90.25	63.79	76.61
नरायणबगड़	11509	10264	21773	91.06	70.45	81.23
गैरसैंण	18797	17082	35879	91.43	66.37	77.5
थराली	11219	9694	20913	93.3	70.9	81.38
देवाल	8850	7526	16376	91.62	69.5	79.93
पोखरी	11578	10344	21922	94.61	71.38	82.02
योग ग्रामीण	117472	97984	215456	92.81	69.78	80.72
वन	110	43	153	89.43	62.32	79.69
नगरीय	37813	27134	64947	95.62	85.59	91.17
योग जनपद	155395	125161	280556	93.4	72.32	82.65

जनपद में कुल जनसंख्या के अनुसार वर्गीकृत ग्राम

जनपद में जनसंख्या 200 व्यक्ति/ग्राम के गांव सबसे अधिक है। कर्णप्रयाग विकास खण्ड में सबसे अधिक ग्राम ऐसे हैं जिनकी आबादी 200 से कम है। विस्तृत आंकड़े तालिका में दर्शाये गए हैं।

तालिका–9

वर्ष/विकासखण्ड	**200** से कम	**200-499**	**500-999**	**1000-1499**	**1500-1999**	**2000-4999**	**5000** से अधिक	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1991	627	391	101	23	1	1	0	1144
2001	587	405	141	30	1	2	0	1166
2011	580	380	133	33	3	1	0	1130
विकासखण्डवार 2011								
जोशीमठ	42	34	8	6	0	0	0	90
कर्णप्रयाग	136	49	14	1	0	0	0	200
दशोली	41	38	23	5	0	0	0	107
घाट	32	32	16	6	3	0	0	89

नारायणबगड	88	50	4	4	0	0	0	146
गैरसैंण	97	75	27	4	0	0	0	203
थराली	37	35	12	3	0	1	0	88
देवाल	30	26	11	4	0	0	0	71
पोखरी	65	41	18	0	0	0	0	124
योग विकासखण्ड	568	380	133	33	3	1	0	1118
वन	12	0	0	0	0	0	0	12
योग जनपद	580	380	133	33	3	1	0	1130

कृषि

जनपद में विकासखण्डवार भूमि उपयोग (हैक्टेयर में) निम्नलिखित तालिकाओं में दर्शाये गये हैंः–

तालिका–10

वर्ष / विकासखण्ड	कुल प्रतिवेदित क्षेत्र	वन	कृषि योग्य बंजर भूमि	वर्तमान परती	अन्य परती	उसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि
1	2	3	4	5	6	7	8
2014-15	851764	506100	10992	776	1760	72226	60935
2015-16	851764	506100	11006	151	1035	72226	60937
2016-17	851764	506100	11019	252	1034	72224	60940
विकासखण्डवार 2016–17							
जोशीमठ	253059	69362	9244.65	36.05	213.85	46948.7	38812.18
कर्णप्रयाग	29556	5445	536.31	14.29	71.68	828.98	3289.27
दशोली	43695	10572	199.49	31.82	142.76	7087.8	2710.22
घाट	14309	5679	48.12	21.76	62.28	2487.93	931.08
नारायणबगड	19420	3776	124.3	13.64	71.09	719.98	4626.38
गैरसैण	39777	10262	244.6	29.55	241.46	8610.76	1827.15
थराली	16354	5091	74.18	13.31	62.28	1485.96	610.05
देवाल	26149	8494	263.65	47.74	71.09	2246.94	974.08
पोखरी	28449	6423	283.7	43.84	97.53	1806.95	7159.59
योग ग्रामीण	470768	125104	11019	252	1034	72224	60940
वन	380996	380996	--	--	--	--	--

नगरीय	--	--	--	--	--	--	--
योग जनपद	851764	506100	11019	252	1034	72224	60940

तालिका–10 क्रमशः

वर्ष / विकासखण्ड	चारागाह	उद्यानों, बागों, वृक्षों एवं झाडियों का क्षेत्र	शुद्ध बोया गया क्षेत्र	एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र	सकल बोया गया क्षेत्रफल			
					कुल	रबी	खरीफ	जायद
1	9	10	11	12	13	14	15	16
2014-15	27122	139755	32098	14619	46717	16095	30622	0
2015-16	27122	139754	33433	13975	47408	16142	31266	0
2016-17	27122	139756	33317	15872	49189	17085	32104	0
विकासखण्डवार 2016–17								
जोशीमठ	2090	82882.59	3425.33	832.74	2983.96	809.93	2171.23	0
कर्णप्रयाग	2963	11377.08	5082.98	2819.59	7853.69	2941.44	4914.88	0
दशोली	4980	12732.09	5248.01	1112.85	6816.57	1728.14	5081.58	0
घाट	597	2738.02	1735.5	1255.08	2950.27	1257.89	1694.21	0
नारायणबगड	2482	3901.03	3732.57	1626.39	6259.58	1654.89	4598.27	0
गैरसैण	4245	9364.07	4894.06	2827.19	7685.22	2948.87	4738.75	0
थराली	1172	4277.03	3595.55	702.45	4159.01	869.38	3283.58	0
देवाल	6442	5746.04	1809.19	770.85	2505.94	739.87	1765.5	0
पोखरी	2151	6738.05	3793.81	3924.84	7974.77	4134.58	3856	0
योग ग्रामीण	27122	139756	33317	15872	49189	17085	32104	0
वन	--	--	--	--	--	--	--	--
नगरीय	--	--	--	--	--	--	--	--
योग ग्रामीण	27122	139756	33317	15872	49189	17085	32104	0

तालिका – 11

कृषि			
शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	ह0हेक्टेयर	2016-17	33.317
एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	ह0हेक्टेयर	2016-17	15.872
शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल	ह0हेक्टेयर	2016-17	1.486

सकल सिंचित क्षेत्रफल	ह0हेक्टेयर	2016-17	2.854
कृषि उत्पादन			
खाद्यान्न	ह0मी0टन	2016-17	62.16
तिलहन	ह0मी0टन	2016-17	0.833
आलू	ह0मी0टन	2016-17	12.422
जलवायु			
सिंचाई			
नहरों की लम्बाई	कि0मी0	2017-18	421.16
राजकीय नलकूप	संख्या	2017-18	5
व्यक्तिगत नलकूप तथा पम्पसेट	संख्या	2017-18	0

विकासखण्ड का नाम	सकल बोये गये क्षेत्रफल का शुद्ध बोय क्षेत्रफल से प्रतिशते			खाद्यान फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल का सकल बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत		
	2014-15	2015-16	2016-17	2014-15	2015-16	2016-17
2	9	10	11	12	13	14
जोशीमठ	85.88	83.67	87.11	73.46	73.44	73.79
कर्णप्रयाग	152.32	148.4	154.51	91.06	91.03	91.47
दशोली	128.05	124.75	129.89	92.37	92.34	92.79
घाट	167.58	163.27	170	94.75	94.72	95.18
नारायणबगड	165.32	161.07	167.7	86.01	85.99	86.4
गैरसैण	154.8	150.82	157.03	92.47	92.44	92.89
थराली	114.03	111.1	115.67	99.97	99.93	100.42
देवाल	136.55	133.03	138.51	96.23	96.19	96.66
पोखरी	207.22	201.89	210.21	101.55	101.51	102.01
समस्त विकासखण्ड	145.54	141.8	147.64	92.69	92.66	93.11

तालिका– 12

क्र0सं0	विकासखण्ड का नाम	शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल से प्रतिशत			राजकीय नहरों द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का कुल शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत		
		2014-15	**2015-16**	**2016-17**	**2014-15**	**2015-16**	**2016-17**
1	2	21	22	23	24	25	26
1	जोशीमठ	4.55	3.66	3.46	11.5	5.78	6.49

2	कर्णप्रयाग	11.3	9.08	8.6	32.37	16.26	18.28
3	दशोली	3.38	2.72	2.58	62.68	31.49	35.4
4	घाट	1.75	1.41	1.33	96.27	48.35	54.35
5	नारायणबगड	9.34	7.51	7.11	13.53	6.8	7.64
6	गैरसैण	4.11	3.3	3.13	53.52	26.89	30.22
7	थराली	4.81	3.87	3.67	31.07	15.61	17.55
8	देवाल	1.46	1.18	1.11	78.41	39.39	44.28
9	पोखरी	6.96	5.6	5.3	57.5	28.89	32.47
	समस्त विकासखण्ड	4.89	4.71	4.57	37.18	18.68	18.01

जनपद में विभिन्न फसलों के विस्तृत आंकड़े तालिका में दर्शाये जा रहे हैं।

तालिका–13

वर्ष / विकासखण्ड	गेहूँ		जौ	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
1	8	9	10	11
2014-15	13506	1604	1650	2
2015-16	13810	1402	1234	1
2016-17	14054	1367	1877	7
विकासखण्डवार 2016–17				
जोशीमठ	728.21	31.14	42.33	0
कर्णप्रयाग	2400.58	168.59	240.52	7
दशोली	1621.26	157.86	225.13	0
घाट	1191.43	100.96	147.19	0
नारायणबगड़	1486.67	191.14	271.31	0
गैरसैंण	2745.91	225.51	319.4	0
थराली	809.58	132.06	121.22	0
देवाल	677.09	75.17	112.57	0
पोखरी	2393.27	284.56	397.33	0
योग ग्रामीण	14054	1367	1877	7
नगरीय	--	--	--	--
योग जनपद	**14054**	**1367**	**1877**	**7**

तालिका–13 क्रमशः

वर्ष / विकासखण्ड	मक्का खरीफ		मक्का जायद		कुल मक्का		मंडुवा	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
1	16	17	18	19	20	21	22	23
2014-15	181	0	0	0	181	0	8784	0
2015-16	225	0	0	0	225	0	9057	0
2016-17	235	0	0	0	235	0	9971	0
विकासखण्डवार 2016–17								
जोशीमठ	9.45	0	0	0	9.45	0	731.47	0
कर्णप्रयाग	30.72	0	0	0	30.72	0	1450.4	0
दशोली	16.53	0	0	0	16.53	0	1433.82	0
घाट	9.45	0	0	0	9.45	0	585.8	0
नारायणबगड	20.09	0	0	0	20.09	0	1192.4	0
गैरसैंण	74.4	0	0	0	74.4	0	1227.78	0
थराली	22.45	0	0	0	22.45	0	1166.4	0
देवाल	10.63	0	0	0	10.63	0	639.9	0
पोखरी	41.29	0	0	0	41.29	0	1543.03	0
योग ग्रामीण	235	0	0	0	235	0	9971	0
नगरीय	--	--	--	--	--	--	--	--
योग जनपद	235	0	0	0	235	0	9971	0

तालिका–13 क्रमशः

वर्ष / विकासखण्ड	कुल दालें		कुल खाद्यान्न		लाही / सरसों	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
1	60	61	62	63	64	65
2014-15	2520	0	43303	3498	557	0
2015-16	2371	0	43928	2910	543	14
2016-17	2507	0	45799	2844	531	0
विकासखण्डवार 2016–17						
जोशीमठ	134.07	0	2201.99	116.26	48.03	0
कर्णप्रयाग	275.95	0	7183.68	797.4	53.57	0
दशोली	350.14	0	6324.91	301.1	56.36	0

घाट	208.26	0	2808.04	76.98	95.11	0
नारायणबगड	391.81	0	5408.48	382.09	60.01	0
गैरसैंण	402.21	0	7138.61	318.73	58.17	0
थराली	262.94	0	4176.41	283.47	60.01	0
देवाल	192.64	0	2422.17	54.03	25.85	0
पोखरी	288.97	0	8134.72	513.94	73.88	0
योग ग्रामीण	2507	0	45799	2844	531	0
नगरीय	--	--	--	--	--	--
योग जनपद	2507	0	45799	2844	531	0

तालिका–14 जनपद में विकास खण्डवार कृषि यंत्र एवं उपकरण (पशु गणना–2007)

वर्ष/विकासखण्ड	हल		उन्नत हैरों तथा कल्टीवेटर	उन्नत थ्रेसिंग मशीन	स्प्रेयर संख्या	उन्नत बोआई यंत्र	ट्रैक्टर
	लकड़ी	लोहा					
1	2	3	4	5	6	7	8
1998	46378	458	0	1	9	23	0
2003	52544	630	4289	1	0	0	0
2007	45996	465	519	0	0	0	0
विकासखण्डवार 2007							
जोशीमठ	3006	0	0	0	0	0	0
कर्णप्रयाग	6177	0	0	0	0	0	0
दशोली	6722	288	6	0	0	0	0
घाट	5065	0	0	0	0	0	0
नारायणबगड	4264	0	0	0	0	0	0
गैरसैंण	6600	98	0	0	0	0	0
थराली	4658	0	513	0	0	0	0
देवाल	2879	79	0	0	0	0	0
पोखरी	6140	0	0	0	0	0	0
योग ग्रामीण	45511	465	519	0	0	0	0
वन	0	0	0	0	0	0	0
नगरीय	485	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	45996	465	519	0	0	0	0

तालिका–15 जनपद में विकासखण्डवार कृषि से सम्बन्धित कुछ मुख्य सुविधाएं

वर्ष / विकासखण्ड	बीज गोदाम / उर्वरक डिपो		ग्रामीण गोदाम		कीटनाशक डिपो		बीज वृद्धि के फार्म संख्या
	संख्या	क्षमता	संख्या	क्षमता मी0टन	संख्या	क्षमता मी0टन	
1	2	3	4	5	6	7	8
2015-16	39	133	0	0	39	133	0
2016-17	39	133	0	0	39	133	0
2017-18	39	133	0	0	39	133	0
विकासखण्डवार वर्ष 2017–18							
जोशीमठ	5	18	0	0	5	18	0
कर्णप्रयाग	6	20	0	0	6	20	0
दशोली	4	12	0	0	4	12	0
घाट	4	12	0	0	4	12	0
नारायणबगड	4	12	0	0	4	12	0
गैरसैण	6	22	0	0	6	22	0
थराली	2	8	0	0	2	8	0
देवाल	3	13	0	0	3	13	0
पोखरी	5	16	0	0	5	16	0
योग ग्रामीण	39	133	0	0	39	133	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	39	133	0	0	39	133	0

पशुपालन एवं मत्स्य

जनपद चमोली में पशुधन एवं कुक्कुट आदि की विस्तृत सूचना निम्नलिखित तालिकाओं में दर्शायी गयी है। वर्ष 2003 तथा वर्ष 2012 के बीच गोजातिय देशी की संख्या घटी है। इस अवधि में कुल भेड़ों तथा बकरियों की संख्या में वृद्धि हुई है। बकरी पालन तथा भेड़पालन सबसे अधिक जोशीमठ, दशोली एवं घाट विकास खण्ड़ों में होता है। इस अवधि में कुल मुर्गे, मुर्गियों एवं चूजों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हुई है। यह सबसे अधिक थराली विकास खण्ड में है। थराली विकास खण्ड में सबसे कम पशुधन विकास केन्द्र तथा कृत्रिम गर्भाधान विकास केन्द्र हैं। जोशीमठ, दशोली, घाट, नारायणबगड, पोखरी विकास खण्ड में वर्ष 2017–18 के आंकड़ों के अनुसार केवल 1–1 पशुचिकित्सालय है। इनको बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। जनपद में मत्स्य पालन का विकास और जनपदों की तुलना में काफी कम है। इसको सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। आंकड़े निम्नलिखित तालिकाओं में दर्शाये गये हैं :–

जनपद में विकासखण्डवार पशुधन एवं कुक्कुट आदि पक्षियों की संख्या
(पशु गणना–2012)

तालिका–16

पशुपालन			
कुल पशुधन	संख्या	2012	400706
पशु चिकित्सालय	संख्या	2017-18	23
पशुधन सेवा केन्द्र	संख्या	2017-18	46
कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	संख्या	2017-18	32
सहकारिता			
प्रारम्भिक कृषि ऋण समितियां	संख्या	2017-18	54
समितियों के सदस्य	संख्या ह0 में	2017-18	72.407

वर्ष / विकासखण्ड	गोजातिय (देसी)			
	2 वर्ष से अधिक के नर	3 वर्ष से अधिक की मादा	बछड़ा एवं बछिया	कुल (2+3+4)
2003	66289	57163	49636	173088
2007	65871	58962	53982	178815
2012	57778	48850	41597	148225
विकासखण्डवार 2012				
जोशीमठ	4570	4852	4462	13884
कर्णप्रयाग	6657	6424	5504	18585
दशोली	7905	8461	6874	23240
घाट	7076	4289	4927	16292
नारायणबगड	5677	3708	3898	13283
गैरसैण	8977	6588	4470	20035
थराली	4516	3650	2933	11099
देवाल	4714	3966	2892	11572
पोखरी	7073	5506	4803	17382
योग ग्रामीण	57165	47444	40763	145372
वन	4	4	5	13
नगरीय	609	1402	829	2840
योग जनपद	57778	48850	41597	148225

तालिका–16 क्रमशः

वर्ष / विकासखण्ड	गोजातीय				कुल गोजातीय स्तम्भ (5+9)
	1.5 वर्ष से अधिक नर	2.5 वर्ष से अधिक मादा	बछडा एवं बछिया	कुल(6+7+8)	
1	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
2003	5340	3210	6817	15367	188455
2007	366	2327	2049	4742	183557
2012	790	4983	4311	10084	158309
विकासखण्डवार 2012					
जोशीमठ	131	803	627	1561	15445
कर्णप्रयाग	2	320	279	601	19186
दशोली	352	1005	1067	2424	25664
घाट	0	2	0	2	16294
नारायणबगड	5	329	426	760	14043
गैरसैण	95	349	312	756	20791
थराली	64	293	197	554	11653
देवाल	1	45	63	109	11681
पोखरी	10	270	405	685	18067
योग ग्रामीण	660	3416	3376	7452	152824
वन	0	0	0	0	13
नगरीय	130	1567	935	2632	5472
योग जनपद	790	4983	4311	10084	158309

तालिका–16 क्रमशः

वर्ष /विकासखण्ड	महिष जातीय			
	2वर्ष से अधिक नर	3 वर्ष से अधिक मादा	पडवा एवं पडिया	कुल (11+12+13)
1	11	12	13	14
2003	787	40214	14152	55153
2007	651	36361	14645	51957
2012	424	29845	12922	43191
विकासखण्डवार 2012				
जोशीमठ	20	454	132	606
कर्णप्रयाग	50	3010	956	4016

दशोली	17	2850	789	3656
घाट	37	2872	1567	4476
नारायणबगड	48	3363	1281	4692
गैरसैण	104	6353	3302	9759
थराली	36	4163	1736	5935
देवाल	17	2870	1224	4111
पोखरी	50	3551	1782	5383
योग ग्रामीण	379	29486	12769	42634
वन	0	0	0	0
नगरीय	45	359	153	557
योग जनपद	**424**	**29845**	**12922**	**43191**

तालिका–16 क्रमशः

वर्ष / विकासखण्ड	भेड़ देशी	भेड़ क्रास ब्रीड	कुल भेड़ (15+16)	कुल बकरा एवं बकरी	कुल घोड़े एवं टट्टू	सुअर देशी	सुअर क्रास ब्रीड
1	15	16	17	18	19	20	21
2003	37581	8070	45651	78162	1246	302	72
2007	53536	4621	58157	80648	4231	339	205
2012	97696	4657	102353	81612	959	314	34
विकासखण्डवार 2012							
जोशीमठ	18482	2096	20578	14517	128	0	0
कर्णप्रयाग	645	0	645	7089	58	4	0
दशोली	25864	900	26764	5900	91	0	0
घाट	40233	1018	41251	12785	258	0	0
नारायणबगड	770	5	775	3254	19	0	0
गैरसैण	1883	2	1885	13196	35	25	0
थराली	3365	35	3400	6508	116	2	0
देवाल	5385	65	5450	8679	135	20	0
पोखरी	1069	534	1603	8257	55	0	0
योग ग्रामीण	97696	4655	102351	80185	895	51	0
वन	0	0	0	0	0	0	0
नगरीय	0	2	2	1427	64	263	34
योग जनपद	97696	4657	102353	81612	959	314	34

तालिका–16 क्रमशः

वर्ष / विकासखण्ड	कुल सुअर (20+21)	अन्य पशु	कुल पशु	कुल मुर्गे मुर्गियां एवं चूजे	अन्य कुक्कुट	कुल कुक्कुट
1	22	23	24	25	26	27
2003	374	3774	372815	18864	0	18864
2007	544	12685	386959	15018	0	15018
2012	348	13934	400706	24567	205	24772
विकासखण्डवार 2012						
जोशीमठ	0	1991	53265	514	0	514
कर्णप्रयाग	4	947	31945	2467	0	2467
दशोली	0	1485	63560	4333	159	4492
घाट	0	1510	76574	1165	0	1165
नारायणबगड	0	1640	24423	1007	0	1007
गैरसैण	25	1272	46963	2434	18	2452
थराली	2	1920	29534	6097	0	6097
देवाल	20	679	30755	3890	0	3890
पोखरी	0	946	34311	2170	26	2196
योग ग्रामीण	51	12390	391330	24077	203	24280
वन	0	0	13	0	0	0
नगरीय	297	1544	9363	490	2	492
योग जनपद	348	13934	400706	24567	205	24772

जनपद में विकासखण्डवार पशु चिकित्सालय एवं अन्य सेवायें (संख्या)

तालिका–16 क्रमशः

वर्ष / विकासखण्ड	पशु चिकित्सालय	पशुधन विकास केन्द्र	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र	पशु प्रजनन फार्म	भेड़ विकास केन्द्र
1	2	3	4	5	6	7
2015-16	22	46	24	0	1	21
2016-17	22	46	28	0	1	21
2017-18	23	46	32	0	1	21
विकासखण्डवार 2017–18						
जोशीमठ	1	6	2	0	0	6
कर्णप्रयाग	3	8	5	0	0	0
दशोली	1	7	5	0	0	3
घाट	1	2	2	0	0	4
नारायणबगड	1	4	2	0	0	2
गैरसैण	3	8	3	0	1	0
थराली	2	2	1	0	0	1
देवाल	2	3	2	0	0	4
पोखरी	1	6	2	0	0	1
योग ग्रामीण	15	46	24	0	1	21
वन	0	0	0	0	0	0
नगरीय	8	0	8	0	0	0
योग जनपद	23	46	32	0	1	21

मत्स्य पालन

तालिका–16 क्रमशः

वर्ष / विकासखण्ड	विभागीय जलाशय			विभाग द्वारा अंगुलिकाओं का वितरण (हजार संख्या)
	संख्या	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	उत्पादन (कुन्तल)	
1	2	3	4	5
2014-15	0	0	0	236
2016-17	0	0	0	220
2017-18	0	0	0	225
विकासखण्डवार 2017–18				
जोशीमठ	0	0	0	34

कर्णप्रयाग	0	0	0	7
दशोली	0	0	0	32
घाट	0	0	0	38
नारायणबगड	0	0	0	20
गैरसैण	0	0	0	25
थराली	0	0	0	28
देवाल	0	0	0	32
पोखरी	0	0	0	9
योग ग्रामीण	0	0	0	225
नगरीय	0	0	0	0
योग जनपद	0	0	0	225

उद्यान

जनपद में उद्यानों के अन्तर्गत क्षेत्रफल वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के बीच बढ़ा है, लेकिन फल संरक्षण केन्द्रों तथा कुल नर्सरियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं है। वर्ष 2017–18 में विकास खण्ड कर्णप्रयाग, गैरसैंण, देवाल में कोई भी नर्सरी नहीं थी तथा विकास खण्ड दशोली, घाट, थराली एवं पोखरी में केवल 1–1 नर्सरी थी। यह संख्या काफी कम है। इसको बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। विकास खण्ड जोशीमठ में उद्यानों के अन्तर्गत क्षेत्रफल सबसे अधिक है तथा विकास खण्ड दशोली, घाट तथा थराली में उद्यान क्षेत्र में विशेष अभियान चलाना आवश्यक है ताकि फलोत्पादन बढ़ सके। आंकड़े निम्नलिखित तालिकाओं में दर्शाये गये हैं।

जनपद में विकासखण्डवार उद्यान से सम्बन्धित सूचनायें वर्ष 2017–18

तालिका–17

वर्ष/विकासखण्ड	कुल उद्यानों की संख्या	उद्यानों के अन्तर्गत (है0)	उद्यान रक्षा सचल केन्द्रों की संख्या	फल संरक्षण केन्द्रों की संख्या	कुल नर्सरियों की संख्या
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
2015-16	24462	3632.73	28	5	11
2016-17	24552	3911.69	28	5	11
2017-18	24647	4065.93	28	5	11
विकासखण्डवार 2017–18					
जोशीमठ	4363	1045.13	2	0	2
कर्णप्रयाग	2561	481.55	3	0	0
दशोली	3765	233.28	2	0	1
घाट	1918	221.9	3	0	1

नारायणबगड़	2255	328.38	3	0	2
गैरसैंण	3242	607.51	2	0	0
थराली	2605	257.6	3	1	1
देवाल	1594	342.26	3	0	0
पोखरी	2002	323.41	2	0	1
योग ग्रामीण	24305	3841.02	23	1	8
योग नगरीय	342	224.91	5	4	3
योग जनपद	24647	4065.93	28	5	11

तालिका 18 जनपद में विकास खण्डवार फलों के अन्तर्गत अच्छादित क्षेत्रफल (है0) एवं उत्पादन (मी0टन) वर्ष 2017–18

वर्ष / विकास खण्ड	सेब		नाशपाती		आडू		पूलम		खुमानी	
	क्षेत्र0	उत्पा0	क्षेत्र0	उत्पा0	क्षेत्र0	उत्पा0	क्षेत्र0	उत्पा0	क्षेत्र0	उत्पा0
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
2015-16	1064.92	3354.02	228.48	2929.2	357.14	1349.35	109.11	300.97	96.68	428.24
2016-17	1162.4	3357.06	238.77	2929.5	363.57	1350.18	129.01	301.39	96.81	430.33
2017-18	1201.69	3358.46	254.77	2929.67	377.02	1349.89	131.51	301.68	96.81	428.41
विकासखण्डवार 2017–18										
जोशीमठ	778.5	2687.78	12.88	77.5	29.6	102.9	12.75	30.3	21.42	110.49
कर्णप्रयाग	30.58	108.72	25.83	257.35	22.16	268.3	14.32	52.86	3.62	181.75
दशोली	20.52	34.62	6.7	24.76	20.16	142.36	8.2	36.72	1.82	10.76
घाट	30.3	21.88	8.8	12.73	18.37	39.66	11.55	12.26	19.34	15.03
नारायणबगड	41.28	74.16	24.24	45.88	26.56	130.02	15.12	22.19	12.8	10.13
गैरसैंण	69.28	136.06	81.34	158.32	143.08	294.7	21.4	34.14	8.64	12.92
थराली	65.46	93.38	19.32	62.25	23	125.27	14.72	32.17	9.24	33.08
देवाल	117.28	82.6	46.1	2098.13	28.27	41.21	15.15	29.99	5.38	10.54
पोखरी	10.99	8.26	12.4	93.4	38.65	78.19	6.05	22.6	6.7	3.64
योग ग्रामीण	1164.19	3247.46	237.61	2830.32	349.85	1222.61	119.26	273.23	88.96	388.34
योग नगरीय	37.5	111	17.16	99.35	27.17	127.28	12.25	28.45	7.85	40.07
योग जनपद	1201.69	3358.46	254.77	2929.67	377.02	1349.89	131.51	301.68	96.81	428.41

क्रमशः तालिका 18 जनपद में विकासखण्डवार फलों के अन्तर्गत अच्छादित क्षेत्रफल (है0) एवं उत्पादन (मी0टन) वर्ष 2015–16

वर्ष / विकासखण्ड	अखरोट		नीबू प्रजाती		आम		लीची		अन्य फल		योग	
	क्षेत्र0	उत्पा0	क्षेत्र0	उत्पा0	क्षेत्र0	उत्पा0	क्षेत्र0	उत्पा0	क्षेत्र0	उत्पा0	क्षेत्र0	उत्पा0
1	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23
2015-16	535.55	983.79	772.76	3865.2	180.42	486.45	4.94	7.89	282.73	1507	3633	15212
2016-17	567.05	984.01	780.78	3865.6	200.99	486.66	8.79	7.73	363.76	1509.05	3983.17	15221.16
2017-18	567.05	984.13	790.78	3865.88	206.99	486.73	8.79	7.75	386.52	1509.41	4065.93	#REF!
विकासखण्डवार 2017–18												
जोशीमठ	97.65	197	56.55	236.8	0	0	0	0	33.4	348.71	1045.13	3792.48
कर्णप्रयाग	86.74	125.36	121.2	788.33	109.4	165.21	0.75	1.9	59.95	406.13	481.55	2356.09
दशोली	17	155.87	63.46	779.05	16	134.24	2.5	1.44	65.92	244.79	233.28	#REF!
घाट	20.35	42.95	63.65	170.95	5.86	8.09	0.56	0.01	40.9	164.18	221.9	487.34
नारायणबगड	45.7	21.21	87.42	124.64	9	14.13	0.46	0.99	64.8	43.48	328.38	#REF!
गैरसैंण	63.5	98.49	178.5	702.22	18.5	24.5	2.17	1.51	20.1	20.43	607.51	1483.28
थराली	35.3	60.66	59.6	353.79	3.98	12.17	0	0	21.98	67.5	257.6	#REF!
देवाल	61.6	74.71	61.52	115.18	0	0	0	0	2.96	5.79	342.26	#REF!
पोखरी	110.7	139.08	70.12	408.66	26.6	86.81	0.85	0.3	33.95	78.86	323.41	919.43
योग ग्रामीण	538.54	915.33	762.02	3679.62	189.34	445.15	7.29	6.15	343.96	1379.87	3841.02	#REF!
योग नगरीय	28.51	68.8	28.76	186.26	17.65	41.58	1.5	1.6	42.56	129.54	224.91	833.53
योग जनपद	567.05	984.13	790.78	3865.88	206.99	486.73	8.79	7.75	386.52	1509.41	4065.93	#REF!

जनपद में विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन हो रहा है, लेकिन आंकड़े दर्शाते हैं कि कुछ विकास खण्डों जैसे कि जोशीमठ, घाट, नारायणबगड़, एवं गैरसैंण में यह कम है तथा इनके बढ़ाने से जनपद में सब्जियों की पैदावार में वृद्धि होगी। आंकड़े निम्नलिखित तालिकाओं में दर्शाये गये हैंः–

तालिका – 19 जनपद में विकासखण्डवार सब्जी बीज वितरण (कुन्तल में) वर्ष 2017–18

वर्ष / विकासखण्ड	मटर	मूली	फ्रेंचबीन	बन्दगोभी	फूल गोभी
1	2	3	4	5	6
2015-16	55.3	6.72	10.36	0.2	0.21
2016-17	0	2.38	6.09	0.14	0.26
2017-18	40	8	15	0.22	0.18
विकासखण्डवार 2017–18					
जोशीमठ	8.9	0.55	2.4	0	0

कर्णप्रयाग	2.2	0.75	1	0.01	0
दशोली	3.35	1	1.05	0.01	0
घाट	2.4	0.65	1.4	0.015	0.02
नारायणबगड़	3.6	0.85	1.2	0.025	0.02
गैरसैंण	2.25	0.85	1	0.02	0
थराली	3.6	0.9	0.4	0.025	0.02
देवाल	3.6	0.65	1.2	0.045	0.03
पोखरी	1.15	0.55	0.5	0.005	0
योग ग्रामीण	31.05	6.75	10.15	0.155	0.09
योग नगरीय	8.95	1.25	4.85	0.065	0.09
योग जनपद	40	8	15	0.22	0.18

क्रमश : 19, 1/2

विकासखण्ड का नाम	सगिया मिर्च	भिण्डी	प्याज	टमाटर	बैंगन	अन्य	योग
1	7	8	9	10	11	12	**13**
2015-16	0.0438	4.09	0.2	0.11	0	1.55	**5.99**
2016-17	0.034	3.935	0.55	0.05	0.937	8.19	**77.096**
2017-18	0.026	2.2	1.5	0.035	0	7.96	**#REF!**
विकासखण्डवार 2017–18							
जोशीमठ	0	0	0.02	0	0	0.4	**#REF!**
कर्णप्रयाग	0	0.15	0.08	0	0	0.38	**#REF!**
दशोली	0	0.2	0.15	0	0	0.99	**#REF!**
घाट	0.003	0.35	0.15	0.004	0	0.91	**#REF!**
नारायणबगड़	0.003	0.2	0.18	0.01	0	0.48	**#REF!**
गैरसैंण	0	0.15	0.14	0	0	0.5	**#REF!**
थराली	0	0.1	0.15	0.004	0	0.6	**#REF!**
देवाल	0.003	0.25	0.09	0	0	0.45	**#REF!**
पोखरी	0	0.1	0.07	0	0	0.55	**#REF!**
योग ग्रामीण	0.009	1.5	1.03	0.018	0	5.26	**#REF!**
योग नगरीय	0.017	0.7	0.47	0.017	0	2.7	**#REF!**
योग जनपद	0.026	2.2	1.5	0.035	0	7.96	**#REF!**

आलू सब्जी एवं फल उत्पादन के अन्तर्गत क्षेत्रफल (है0) उत्पादन (मी0टन) एवं उत्पादकता (मी0टन प्रति है0) वर्ष 2017–18

तालिका – 20

वर्ष / विकासखण्ड	आलू			सब्जी		
	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
1	2	3	4	5	6	7
2015-16	538.61	6028.36	11.19	1933.09	12216.83	6.32
2016-17	542	6064.98	11.19	2045.98	12218.92	5.97
2017-18	546.03	6110.07	11.19	2094.31	12031.79	5.74
विकासखण्डवार 2017–18						
जोशीमठ	207.2	3040.85	14.67	605.07	3333.63	5.51
कर्णप्रयाग	7.45	82.75	11.1	227.45	1924.68	8.46
दशोली	24.5	112.55	4.59	171.47	819.65	4.78
घाट	49.25	122.72	2.49	139.15	1249.13	8.98
नारायणबगड	136.26	1744.91	12.8	205.11	1102.55	5.38
गैरसैंण	7.23	91	12.58	220.27	835.1	3.79
थराली	16.34	291.16	17.81	128.31	475.34	3.7
देवाल	50.66	141.58	2.79	117.2	782.48	6.68
पोखरी	8.54	181.47	21.75	150.63	782.48	5.19
योग ग्रामीण	507.43	5808.99	11.45	1964.66	11305.04	5.75
योग नगरीय	38.6	301.08	7.8	129.65	726.75	5.61
योग जनपद	546.03	6110.07	11.19	2094.31	12031.79	5.74

आलू सब्जी एवं फल उत्पादन के अन्तर्गत क्षेत्रफल (है0) उत्पादन (मी0टन) एवं उत्पादकता (मी0टन प्रति है0) वर्ष 2017–18

क्रमश : – 20, 1/2

वर्ष / विकासखण्ड	फल		
	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
1	8	9	10
2015-16	3632.73	15212.33	4.19
2016-17	3915.69	15218.97	3.89
2017-18	4065.93	15222.01	3.74
विकासखण्डवार 2017–18			

जोशीमठ	1045.13	3792.48	3.63
कर्णप्रयाग	481.55	2356.09	4.89
दशोली	233.28	1564.61	6.71
घाट	221.9	487.34	2.2
नारायणबगड़	328.38	486.83	1.48
गैरसैंण	607.51	1483.28	2.44
थराली	257.6	840.27	3.26
देवाल	342.26	2458.15	7.18
पोखरी	323.41	919.43	2.84
योग ग्रामीण	3841.02	14388.48	3.75
योग नगरीय	224.91	833.53	3.71
योग जनपद	4065.93	15222.01	3.74

उद्योग

जनपद में अधिकतर औद्योगिक इकाईयाँ लघु उद्योग के रूप में है। इनकी विस्तृतत सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गयी है। औद्योगिक शिक्षण संस्थानों में प्रतिवर्ष सीटें कम रहती हैं तथा इनको बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए जाना आवश्यक है। आंकड़े निम्नलिखित तालिकाओं में दर्शाये गये हैंः–

तालिका–21

उद्योग			
औद्योगिक अधिनियम 1948 के अन्तर्गत पंजीकृत	संख्या	2017-18	-
लघु औद्योगिक इकाईयां			
संख्या	संख्या	2017-18	146
कार्यरत व्यक्ति	संख्या	2017-18	460

विभिन्न प्रकार की संस्थाओं के अधीन कार्यशील औद्योगिक इकाईयों की संख्या 2017–18

क्र0सं0	संस्थाओं का नाम	चालित					
		पंचायत द्वारा	क्षेत्र समिति द्वारा	औद्योगिक सहकारी समिति द्वारा	पंजीकृत संस्थाओं द्वारा	व्यक्तिगत उद्योगपतियों द्वारा	कुल योग
1	खादी उद्योग	--	--	--	--	--	--
2	खादी ग्रामोद्योग द्वारा प्रर्वतित ग्रामीण उद्योग	--	--	--	--	132	106
3	लद्यु उद्योग इकाईयां						
3.1	इजीनियरिंग	0	0	0	0	21	21

3.2	रासायनिक	0	0	0	0	0	0
3.3	विधायन	0	0	0	0	0	0
3.4	हथकरघा	0	0	0	0	0	0
3.5	रेशम	0	0	0	0	0	0
3.6	नारियल की जटा	0	0	0	0	0	0
3.7	हस्तशिल्प	0	0	0	0	1	1
3.8	अन्य	0	0	0	0	124	124
4	योग (1+2)	0	0	0	0	132	132
5	योग (3.1से 3.8)	0	0	0	0	146	146
6	कार्यरत व्यक्तियों की संख्या (12 में)	0	0	0	0	419	419
7	लघु उद्योग इकाईयों में कार्यरत व्यक्ति (3.1 से 3.8)	0	0	0	0	460	460
8	ग्रामीण एवं लघु उद्योग इकाईयों में कार्यरत व्यक्तियों की संख्या (6+7)	0	0	0	0	879	879

तालिका–21.1 जनपद में पंजीकृत कारखाने लघु औद्योगिक इकाईयों, खादी ग्रामोद्योग इकाईयां एवं उनमें कार्यरत व्यक्ति 2017–18

वर्ष / विकासखण्ड	पंजीकृत कारखाने		लघु औद्योगिक इकाईयों		खादी ग्रामोद्योग इकाईयां	
	कारखानों की संख्या	कार्यरत व्यक्ति	इकाईयों की संख्या	कार्यरत व्यक्ति	इकाईयों की संख्या	कार्यरत व्यक्ति
1	2	3	4	5	6	7
2015-16	4	618	132	325	102	358
2016-17	4	618	130	556	106	351
2017-18	--	--	146	460	132	419
विकासखण्डवार 2017–18						
जोशीमठ	--	--	19	137	16	40
कर्णप्रयाग	--	--	21	54	12	75
दशोली	--	--	35	85	30	65
घाट	--	--	13	24	7	64
नारायणबगड	--	--	11	27	1	35
गैरसैण	--	--	12	32	15	25
थराली	--	--	10	42	3	12

देवाल	--	--	9	15	20	16
पोखरी	--	--	9	27	4	12
योग ग्रामीण	--	--	139	443	108	344
नगरीय	--	--	7	17	24	75
योग जनपद	--	--	146	460	132	419

तालिका–22 जनपद में औद्योगिक आस्थान की प्रगति

क्र0सं0	मद	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18**
1	आस्थानों की संख्या	1	1	2
2	शेड़ों की संख्या	---	---	---
2.1	आवंटित	---	---	---
2.2	कार्यरत	---	---	---
3	प्लाटों की संख्या	66	66	83
3.1	आवंटित	38	38	44
3.2	कार्यरत	4	4	16
4	स्वरोजगार में लगे व्यक्तियों की औसत संख्या	38	38	53
5	उत्पादन का मूल्य (000रु0 में)	---	---	---
नोट– जनपद में कोई औद्योगिक आस्थान पंजीकृत अभिलेख नहीं है।				

तालिका–23 जनपद मे प्राविधिक शिक्षण संस्थान, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान तथा उनमें भर्ती

वर्ष / विकास खण्ड	प्राविधिक शिक्षण संस्थान (पॉलिटेक्निक)			औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान			शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान		
	संख्या	सीटों की संख्या	भर्ती	संख्या	सीटों की संख्या	भर्ती	संख्या	सीटों की संख्या	भर्ती
2015-16	6	722	523	14	672	549	1	100	78
2016-17	6	640	438	14	754	560	1	100	70
2017-18	6	1100	771	14	652	371	1	50	39
विकासखण्डवार 2017–18									
जोशीमठ	1	78	30	1	54	48	0	0	0
कर्णप्रयाग	0	0	0	1	118	97	0	0	0
दशोली	0	0	0	3	114	48	0	0	0
घाट	0	0	0	1	20	0	0	0	0
नारायणबगड	1	78	75	1	26	15	0	0	0
गैरसैण	0	0	0	0	0	0	0	0	0

थराली	0	0	0	0	0	0	0	0	0
देवाल	0	0	0	1	56	8	0	0	0
पोखरी	0	0	0	1	44	22	0	0	0
योग ग्रामीण	2	156	105	9	432	238	0	0	0
नगरीय	4	944	666	5	220	133	1	50	39
योग जनपद	6	1100	771	14	652	371	1	50	39

पर्यटन

जनपद में पर्यटन से सम्बन्धित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं। इनमें तीर्थयात्रियों की संख्या काफी अधिक है, लेकिन विदेशी पर्यटकों की संख्या कम है। अतः विदेशी पर्यटकों कों आकर्षित करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। आंकड़े निम्नलिखित तालिकाओं में दर्शाये गये हैंः–

तालिका – 24			
31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार जनपद में पर्यटन से सम्बन्धित सूचनायें :–			
क्र0 स0	मद	इकाई	विवरण
1		3	4
(क)	पर्यटन सुविधायें		
1-	मुख्य पर्यटन स्थल	संख्या	20
2-	पर्यटन आवास गृह	संख्या	21
3-	रैन बसेरा	संख्या	5
4-	पर्यटन आवास गृहों में उपलब्ध शैय्यायें	संख्या	1221
5-	रैन बसेरों में उपलब्ध शैय्यायें	संख्या	360
6-	होटलों तथा पेईंगैस्ट हाउसों की संख्या	संख्या	418
7-	धर्मशालाओं की संख्या (31 मार्च 2017 तक)	संख्या	35
(ख)	पर्यटकों के आँकड़े (वर्ष 2017–18 में)		
1	पर्यटकों की कुल संख्या (तीर्थ यात्री सहित)	संख्या	1668183
(i)	भारतीय पर्यटक	संख्या	1663502
(ii)	विदेशी पर्यटक	संख्या	4681
2-	महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्यानों में कुल पर्यटक	संख्या	13754
(i)	भारतीय पर्यटक	संख्या	13185
(ii)	विदेशी पर्यटक	संख्या	569

अध्याय–3

पलायन की स्थिति

इस अध्याय में जनपद के विभिन्न ग्राम पंचायतों में कराए गए सर्वेक्षण के आधार पर एकत्र किये गये आकड़ों का विश्लेषण कर जनपद में पलायन के कई पहलुओं को सामने लाया गया है।

मुख्य व्यवसाय

आकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि जनपद के ग्रामों में रहने वाले लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है, तत्पश्चात मजदूरी और सरकारी सेवा है। जनपद तथा राज्य में ग्राम पंचायत स्तर से प्राप्त आकड़ों को नीचे दी गई तालिकाएं स्पष्ट करती हैं।

Table:Gram panchayat level main occupation(district average)							
जनपद का नाम	ग्राम पंचायतों का मुख्य व्यवसाय (लगभग प्रतिशत में)						
	मजदूरी	कृषि	उद्यान	डेरी	सरकारी सेवा	अन्य कार्य	**Total**
Chamoli	28.85	47.24	0.62	1.40	16.22	5.68	100.00

Table: Gram panchayat level main occupation(State average)							
State Name	ग्राम पंचायतों का मुख्य व्यवसाय (लगभग प्रतिशत में)						
	मजदूरी	कृषि	उद्यान	डेरी	सरकारी सेवा	अन्य कार्य	**Total**
Uttarakhand	32.22	43.59	2.11	2.64	10.82	8.63	100.00

अस्थायी और स्थायी पलायन

इस खण्ड के अन्तर्गत अस्थायी और स्थायी पलायन की जानकारी का मूलरूप से विश्लेषण किया गया है। पिछले 10 वर्षो में 556 ग्राम पंचायतों से कुल 32020 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर अपने घरों में आना–जाना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा स्थायी रूप से पलायन नहीं किया गया है।

पिछले 10 वर्षों में 373 ग्राम पंचायतों से 14289 व्यक्तियों द्वारा पूर्णरूप से स्थायी पलायन किया गया है, जो कि गम्भीर चिन्ता का विषय है। आकड़ें दर्शाते हैं कि जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन अधिक हुआ है।

Table: District and Block wise migrants in last 10 years from gram panchayats					
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)
Chamoli	Dasoli	66	3,871	41	778
Chamoli	Deval	37	1,869	25	903
Chamoli	Gairsan	86	5,837	61	2,812
Chamoli	Ghat	49	3,999	32	858
Chamoli	Joshimath	57	2,756	23	449
Chamoli	Karnprayag	71	3,207	59	2,116
Chamoli	Narayanbagad	77	3,559	46	1,534
Chamoli	Pokhri	71	3,296	48	2,031
Chamoli	Tharali	42	3,626	38	2,808

Table: District wise migrants in last 10 years from gram panchayats				
जनपद का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो:	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो):
Chamoli	556	32,020	373	14,289

Table: State wise migrants in last 10 years from gram panchayats				
State Name	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो:	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो):
Uttarakhand	6,338	383,726	3,946	118,981

पलायन के मुख्य कारण

पलायन का मुख्य कारण आजीविका/रोजगार की समस्या के साथ–साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं में कमी है। विस्तृत आकड़ें नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत है।

Table: District and Block wise main reasons for migration from gram panchayats										
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)								**Total**
		आजीविका/रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुवधिा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता/पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संम्बन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	
Chamoli	Dasoli	66.03	7.05	13.60	2.18	2.72	0.77	3.49	4.15	100.00
Chamoli	Deval	37.10	15.36	25.12	5.12	5.90	2.67	4.69	4.05	100.00
Chamoli	Gairsan	47.41	19.04	20.78	6.41	2.67	1.28	1.87	0.52	100.00
Chamoli	Ghat	38.38	10.12	22.65	2.76	5.08	3.30	1.59	16.12	100.00
Chamoli	Joshimath	36.13	14.67	28.04	9.04	2.31	2.11	2.96	4.75	100.00
Chamoli	Karnprayag	55.41	7.56	13.57	2.90	8.57	3.78	5.62	2.59	100.00
Chamoli	Narayanbagad	37.05	10.49	30.29	8.95	2.96	1.64	2.04	6.58	100.00
Chamoli	Pokhri	53.92	12.45	12.96	4.67	6.71	5.24	0.92	3.12	100.00
Chamoli	Tharali	70.62	2.41	14.06	3.47	3.34	0.97	2.53	2.59	100.00

Table: District wise main reasons for migration from gram panchayats									**Total**
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)								
	आजीविका/रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुवधिा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता / पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संम्बन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	
Chamoli	49.30	10.83	19.73	4.93	4.73	2.51	3.09	4.87	100.00

Table: State wise main reasons for migration from gram panchayats									Total
State Name	ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)								
	आजीविका/रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता / पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संम्बन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	
Uttarakhand	50.16	8.83	15.21	3.74	5.44	2.52	5.61	8.48	100.00

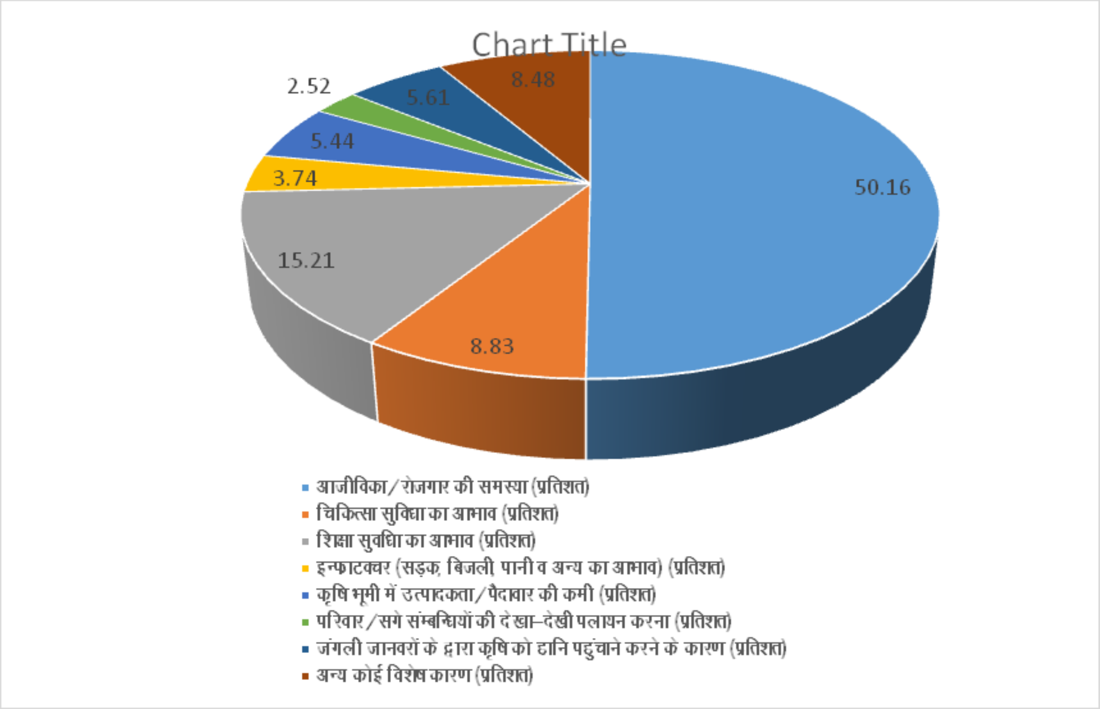

आयु वर्गवार पलायन

इस खण्ड में ग्राम पंचायतों से पलायन करने वालों की आयु का विश्लेषण किया गया है। आकड़ों में स्पष्ट हुआ है कि लगभग 43 प्रतिशत पलायन 26 से 35 वर्ष के आयु वर्ग द्वारा किया गया है। विभिन्न विकासखण्डों और जनपद की विस्तृत जानकारी निम्न तालिका में दी गई है।

Table: District and Block wise age of migrants from gram panchayats					Total
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
		25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	
Chamoli	Dasoli	28.25	45.12	26.63	100.00
Chamoli	Deval	36.31	40.87	22.82	100.00
Chamoli	Gairsan	24.66	46.64	28.70	100.00
Chamoli	Ghat	36.35	32.47	31.18	100.00
Chamoli	Joshimath	34.84	42.70	22.46	100.00
Chamoli	Karnprayag	21.52	50.11	28.38	100.00
Chamoli	Narayanbagad	27.64	40.36	32.00	100.00
Chamoli	Pokhri	14.82	35.31	49.87	100.00
Chamoli	Tharali	23.00	55.37	21.63	100.00

Table: District and Age wise Migration Status from gram panchayats				Total
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
	25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	
Chamoli	26.71	43.49	29.79	100.00

Table: State and Age wise Migration Status from gram panchayats				Total
State Name	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
	25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	
Uttarakhand	28.66	42.25	29.09	100.00

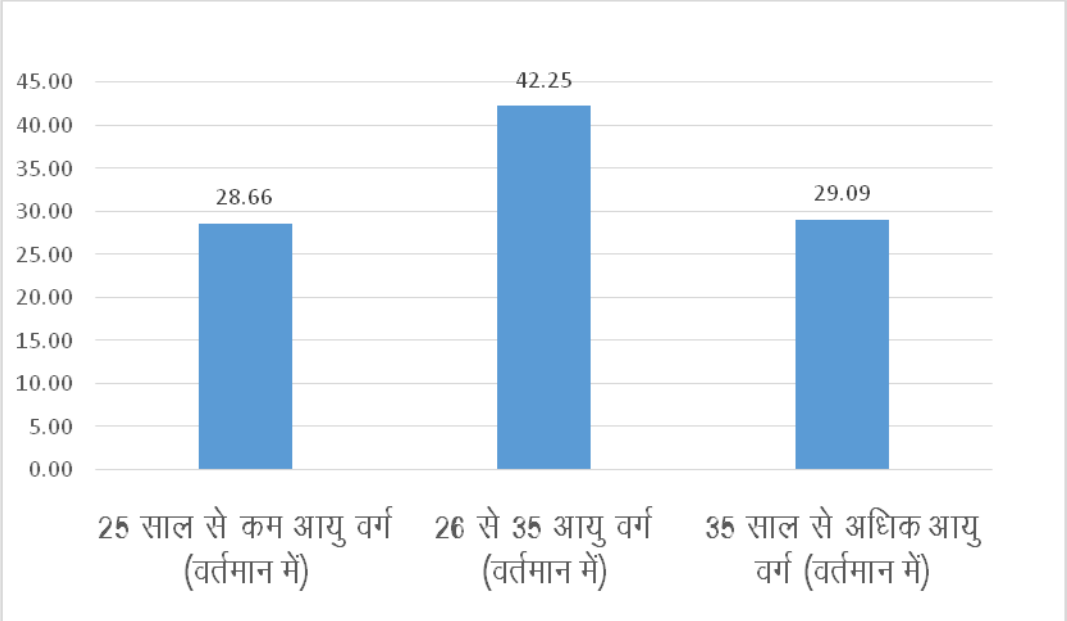

पलायन के गन्तव्य

ग्राम पंचायतों से हो रहे पलायन के गन्तव्य का विश्लेषण कर सामने आये आकड़ों को इस खण्ड़ में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसमें स्पष्ट हुआ है कि जनपद के ग्राम पंचायतों से लगभग 35 प्रतिशत पलायन राज्य के अन्य जनपदों में है जबकि 28 प्रतिशत पलायन राज्य के बाहर हुआ है।

Table: District and Block wisedestination of migrants from Gram Panchayats							**Total**
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहॉ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
		नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	
Chamoli	Dasoli	13.15	31.46	46.15	9.20	0.04	100.00
Chamoli	Deval	15.97	7.61	52.89	21.08	2.45	100.00
Chamoli	Gairsan	14.11	9.03	52.40	23.33	1.13	100.00
Chamoli	Ghat	37.17	26.24	20.24	16.34	0.00	100.00
Chamoli	Joshimath	53.98	15.95	23.66	6.41	0.00	100.00
Chamoli	Karnprayag	17.88	10.30	52.70	19.12	0.00	100.00
Chamoli	Narayanbagad	15.17	7.38	64.61	12.84	0.00	100.00
Chamoli	Pokhri	16.24	11.58	53.76	17.53	0.89	100.00
Chamoli	Tharali	10.21	3.03	74.15	12.21	0.39	100.00

Table: District wise destination of migrants from Gram Panchayats						Total
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहॉ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	
Chamoli	19.79	13.34	50.48	15.88	0.51	100.00

Table: State wise destination of migrants from Gram Panchayats						Total
State Name	ग्राम पंचायत से पलायन कहॉ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	
Uttarakhand	19.46	15.18	35.69	28.72	0.96	100

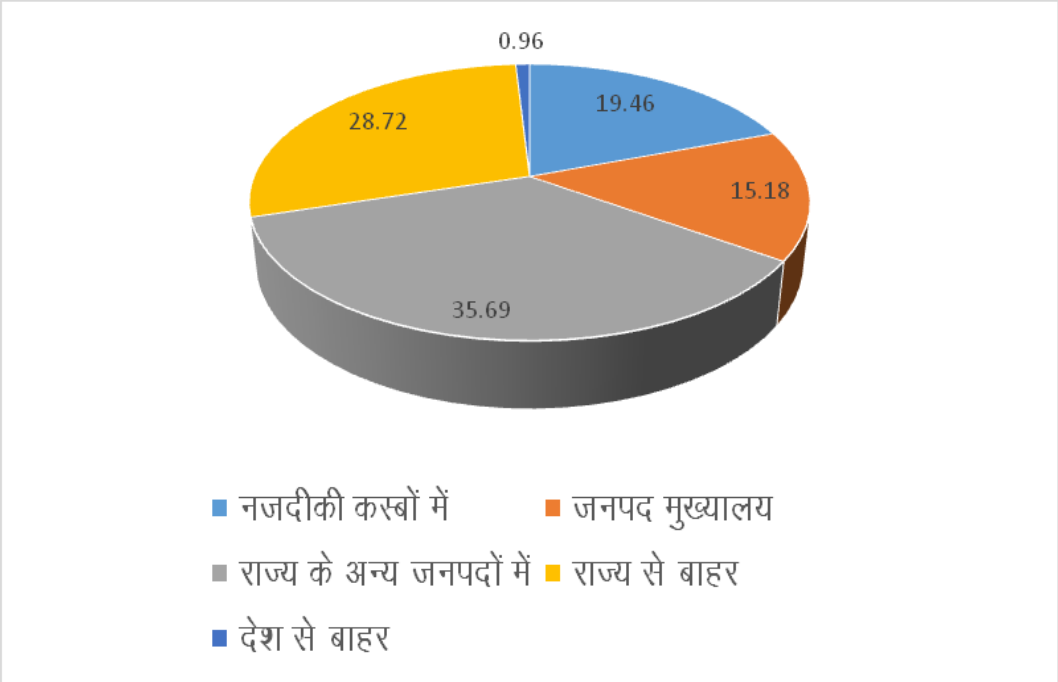

वर्ष 2011 के बाद निर्जन ग्रामों की संख्या

इस खण्ड में 2011 के बाद निर्जन हुए राजस्व ग्रामों/तोकों/मजरों का विकासखण्ड वार सारांश प्रस्तुत किया जाता है तथा जिनमें सड़क सुविधा का अभाव, बिजली का अभाव, पेयजल का अभाव और पी.एच.सी उपलब्धता 1 किमी के अन्दर नहीं है, एवं अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 5 किमी हवाई दूरी वाले ग्रामों का विवरण निम्न तालिकाओं के माध्यम से स्पष्ट किया गया है।

Table: District and Block wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (De-populated After 2011)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	Dasoli	7
Chamoli	Deval	7
Chamoli	Gairsan	6
Chamoli	Joshimath	4
Chamoli	Karnprayag	9
Chamoli	Narayanbagad	1
Chamoli	Pokhri	5
Chamoli	Tharali	2

Table: District wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (De-populated After 2011)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	41
Total (state)	**734**

Table: District and Block wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Not Connected by Road)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	Dasoli	6
Chamoli	Deval	5
Chamoli	Gairsan	5
Chamoli	Joshimath	3
Chamoli	Karnprayag	7
Chamoli	Narayanbagad	1
Chamoli	Pokhri	5
Chamoli	Tharali	1

Table: District wise Number ofuninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Not Connected by Road)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	33
Total(state)	**482**

Table: District and Block wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Drinking water not within 1Km)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	Dasoli	4
Chamoli	Deval	7
Chamoli	Gairsan	3
Chamoli	Joshimath	3
Chamoli	Karnprayag	4
Chamoli	Pokhri	4
Chamoli	Tharali	1

Table: District wise Number of revenue uninhabited villages/toks at Gram Panchayat Level (Drinking water not within 1Km)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	26
Total (State)	**399**

Table: District and Block wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (PHC not available)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Uttarkashi	Bhatwari	7
Uttarkashi	Chinalisaur	5
Uttarkashi	Dunda	6
Chamoli	Dasoli	7
Chamoli	Deval	7
Chamoli	Gairsan	6
Chamoli	Joshimath	4
Chamoli	Karnprayag	9
Chamoli	Narayanbagad	1
Chamoli	Pokhri	5
Chamoli	Tharali	2

Table: District wise Number ofuninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (PHC not available)	
Chamoli	41
Total(state)	**660**

Table: District and Block wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (within 5 Km from International Border)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	Joshimath	1
Total state	**Total**	**14**

ऐसे ग्राम जहां अन्य दूसरे ग्रामों/कस्बों/तोकों से पिछले 10 वर्षो में लोग पलायन कर निवास कर रहे हैं–

यह भाग उन ग्रामों का जिले एवं विकासखण्डवार संख्या का विवरण प्रस्तुत करता है, जहां दूसरे ग्राम/कस्बों/तोकों के लोग पलायन कर बस गए हैं।

Table: District and Block wise Number of villages where people have in-migrated and settled in last 10 years from other villages/ towns or small towns		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल ऐसे गॉव जहॉ पिछले 10 वर्षो में अन्य गॉव/शहर/कस्बों से पलायन कर उस गॉव में आकर बसे होः
Chamoli	Dasoli	13
Chamoli	Deval	1
Chamoli	Gairsan	2
Chamoli	Ghat	1
Chamoli	Joshimath	3
Chamoli	Karnprayag	3
Chamoli	Narayanbagad	NA
Chamoli	Pokhri	3
Chamoli	Tharali	NA

Table: District wise Number of villages where people have in-migrated and settled in last 10 years from other villages/ towns or small towns	
जनपद का नाम	कुल ऐसे गॉव जहॉ पिछले 10 वर्षो में अन्य गॉव/शहर/कस्बों से पलायन कर उस गॉव में आकर बसे होः
Chamoli	26
Total (State)	**850**

ऐसे गांव जहां 2011 की जनगणना के बाद 50: तक पलायन हुआ है–

यह खण्ड उन राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या को जनपद और विकासखण्ड वार सांराश का विवरण प्रस्तुत करता है जिनमें मोटर मार्ग का अभाव, विद्युत का अभाव, एक किमी तक पानी का अभाव, पी0एच0सी0 की अनुपलब्धता, और अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से 5 किमी हवाई दूरी वाले ग्राम शामिल हैं, जिनकी जनसंख्या 2011 के बाद 50 प्रतिशत कम हुई है।

Table 4.8.1.1: District and Block wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	Dasoli	1
Chamoli	Deval	1
Chamoli	Joshimath	2
Chamoli	Karnprayag	2
Chamoli	Pokhri	8
Chamoli	Tharali	4

Table 4.8.1.2: District wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	18
Total (state)	**565**

Table 4.8.2.1: District and Block wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011) (Not Connected by Road)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	Dasoli	1
Chamoli	Deval	1
Chamoli	Joshimath	2
Chamoli	Karnprayag	2
Chamoli	Pokhri	8
Chamoli	Tharali	4

Table 4.8.2.2: District wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011) (Not Connected by Road)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	18
Total (State)	**367**

Table 4.8.4.1: District and Block wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011) (Drinking water not within 1Km)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	Deval	1
Chamoli	Joshimath	2
Chamoli	Pokhri	2
Chamoli	Tharali	2

Table 4.8.4.2: District wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Drinking water not within 1Km)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	7
Total (State)	**203**

Table 4.8.5.1: District and Block wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011) (PHC not available)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	Deval	1
Chamoli	Joshimath	2
Chamoli	Karnprayag	2
Chamoli	Pokhri	5
Chamoli	Tharali	4

Table 4.8.5.2: District wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011) (PHC not available)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Chamoli	14
Total (State)	**510**

अध्याय–4

वर्तमान ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक विकास कार्यक्रम

यह अध्याय वर्तमान में जनपद चमोली में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा किए गए कार्यक्रमों के आंकड़े प्रस्तुत करता है जो कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहायक होंगे।

ग्राम्य विकास

जनपद चमोली में ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं का विवरण

क्र0सं0	योजना का नाम	वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिए जारी धनराशि	जारी की गई कुल धनराशि की तुलना में खर्च की गई धनराशि	कुल व्यय	लक्ष्य (मानव दिवस सृजन)	इकाई पुर्ति	पूर्ति
1	मनरेगा	6364.88 लाख	6364.88 लाख	6364.88 लाख	23.28	लाख	25.96 लाख

MGNREGA (Total for District)

Total No of Job cards issued (In Lakh	72677	68780	68687
Total No. of Workers (in lakh)	111323	109213	104311
(i)SC Worker against active workers(%)	11525	11398	11231
(ii)ST Worker against active workers(%)	1325	1307	1280
II Progress	**FY 2019-20**	**2018-19**	**2017-18**
Approved labour Budget(In lakh)	23.28	19.38	20.36
Persondays Generated so far(In lakh)	25.96	25.28	27.25
% of Total LB	111.51	130.44	133.84
% as per Proportionate LB			
SC persons days % as of total person days	16.44	15.83	16.56

ST persons days % as of total person days	1.32	1.40	1.52
Women persondays out of total(%)	63.95	63.40	61.68
Average days of employment provided per Household	45.02	46.40	49.21
Average wage rate of employment provided per Household(Rs.)	181.81	174.99	174.97
Total No. of HHs completed 100 days of wage employment	2193	2272	2608
Total Household Worked (In lakh)	57675	54499	55385
Total Individuals worked (In lakh)	144	143	140
Differently abled persons worked	253	252	250
III Works			
Number of GPs with NIL exp	0	0	0
Total No. of works takenup (New+spill Over) {In lakhs}	17128	22746	31429
Number of ongoing works[in lakhs]	8425	10706	14049
Number of completed works	8703	12040	17385
% of of NRM expenditure (Public Indivisual)	77.89	64.59	43.89
% of category B works	7.29	15.13	47.40
% of Expenditure on Agriculture & Agriculture Allied works	64.17	61.26	67.66

जनपद चमोली में ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं का विवरण

क्र. सं.	योजना का नाम	वित्तीय वर्ष	वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिए जारी की गयी धनराशि	जारी की गयी धनराशि की तुलना में खर्च की गयी धनराशि	कुल व्यय	लक्ष्य	इकाई	पूर्ति
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**
1	मनरेगा	2019–20	6364.88	6364.88	6364.88	23.28	लाख	25.96
2	आजीविका	2017-18	358.82	358.82	359.7	740	संख्या	766
3		2018-19	203.13	203.13	205.4	347	संख्या	420
4		2019-20	407.86	406.99	407	784	संख्या	803
5	पी0एम0ए0 वाई0/आ ई0ए0वाई0	–	–	–	–	–	–	–
6	डी0डी0य 0जी0के0 वाई0	–	–	–	–	–	–	–
7	डी0पी0ए0 पी0	–	–	–	–	–	–	–
8	आई0डब्ल्यू0डी0पी 0	–	–	–	–	–	–	–
9	उत्तराखण्ड सीमान्त एवं पिछड़ा विकास क्षेत्र	–	–	–	–	–	–	–

स्वयं सहायता समूहों का विवरण (विकासखण्ड वार) (2019.20)

क्र.सं.	विकास खण्ड का नाम	नये स्वयं सहायता समूहों की संख्या	रिवाइव किये गये स्वयं सहायता समूहों की संख्या	एन.आर.एल.एम. से पूर्व में गठित स्मूह जिन्हें सम्मिलित किया गया है की संख्या
1	2	3	4	5
1	DASOLI	153	0	1
2	DEWAL	72	0	20
3	GAIRSAIN	210	0	2
4	GHAT	142	0	0
5	JOSHIMATH	45	0	0
6	KARANPRAYAG	23	0	0
7	NARAYANBAGARH	135	0	1
8	POKHARI	0	0	0
9	THARALI	0	0	0
कुल योग		**780**	**0**	**24**

आजीविका मिशन का विवरण (विकासखण्ड वार) (2019.20)

क्र.सं.	विकास खण्ड का नाम	PIA's का नाम	प्रशिक्षितो की संख्या		
			वर्ष 2017–18	वर्ष 2018–19	वर्ष 2019–20
1	2	3	4	5	6
1	DASOLI	-	-	-	-
2	DEWAL		-	-	-
3	GAIRSAIN	NGO's, Agriculture,	-	-	45
4	GHAT	-	-	-	-
5	JOSHIMATH	NGO's, Agriculture, CAP, Dairy,	27	42	57
6	KARANPRAYAG	NGO's, Agriculture, Dairy, Holticulture	30	42	68
7	NARAYANBAGARH	-	-	-	-
8	Pokhari	-	-	-	-
9	Tharali	-	-	-	-

RSETI से समबन्धित सूचना

क्र.सं.	विकास खण्ड का नाम	प्रशिक्षितो की संख्या		
		वर्ष 2017–18	वर्ष 2018–19	वर्ष 2019–20
1	**2**	**3**	**4**	**5**
1	DASOLI	124	65	17
2	DEWAL	-	-	-
3	GAIRSAIN	-	34	-
4	GHAT	30	-	68
5	JOSHIMATH	25	50	30
6	KARANPRAYAG	36	163	104
7	NARAYANBAGARH	-	-	-
8	Pokhari	-	-	-
9	Tharali	-	-	-

उद्योग

क्र0	एजेण्डा बिन्दु	विवरण				
1	ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योंगों की स्थिति	चमोली के अन्तर्गत मार्च 2019 तक कुल 3630 इकाईया पंजीकृत हुई है जिनमें 10125.79 लाख का पूँजी निवेश हुआ है तथा 9060 रोजगारों का सृजन प्रत्यक्ष रूप से हुआ है। पंजीकृत इकाइयों के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का विवरण				
		क्र0स0ं	विवरण	इकाइयों की संख्या	पूजी निवेश लाख रु0 में	रोजगार
		1	सूक्ष्म उद्यम	3609	9065.79	8865
		2	लघु उद्यम	20	635.00	145
		3	मध्यम उद्यम	01	425.00	50
		योग		**3630**	**10125.79**	**9060**

उद्योग आधार पंजीकरण

1– जनपद में पंजीकृत उद्योग आधार वर्ष 2015–16 से 2018–19 (31 मार्च 2019 तक) उद्योगों की वर्तमान स्थिति का विवरण

वर्ष	वृहद उद्योग	मध्यम उद्योग	लघु उद्योग	सूक्ष्म उद्योग	योग	पूँजी निवेश (लाख में)
2015–16	0	0	01	119	120	840
2016–17	0	0	03	127	130	556

2017–18	0	0	10	136	146	902
2018–19	0	01	05	155	161	990
योग	0	01	19	537	557	3288

कुल पंजीकृत इकाईयों की सूचना

NIC (Code 2004)	Description	Units Established	Investment In Lakhs	Employment
		MSME	MSMEs	MSMEs
15	MANUFACTURE OF FOOD PRODUCTS AND BEVERAGES	75	242.85	185
20	MANUFACTURE OF WOOD AND WOOD PRODUCTS	139	309.54	358
36	MANUFACTURE OF FURNITURE; MANUFACTURING N.E.C.	268	342.15	805
50	REPAIR & MAINTENANCE OF MOTER VECHILE, RETAIL SALE OF AUTOMOTIVE FUEL	190	114.57	585
51	WHOLESALE OF TRADE AND COMMISSION TRADE	97	118.98	254
52	REPAIR & MAINTENANCE OF PERSONAL & HOUSEHOLD GOODS; RETED TRADE	62	66.58	170
55	HOTEL AND RESTAURANTS	100	3234.61	797
64	POST & TELECOMMUNICATIONS	30	42.52	105
72	COMPUTER AND RELATED ACTIVITIES	48	263.25	148
74	OTHER BUSINESS ACTIVITIES	162	272.45	421
93	OTHER SERVICE ACTIVITIES	2410	5054.12	5094
95	ACTIVITIES OF PRIVATE HOUSEHOLD AS EMPLOYERS OF DOMESTIC STAFF	26	22.85	52
96	UNDIFFERENTIATED GOODS-PRODUCING ACTIVITIES OF PRIVATE HOUSEHOLDS FOR OWN USE	23	41.32	86
	TOTAL UNITS:-	**3630**	**10125.79**	**9060**

औद्योगिक आस्थानों का विवरण

क्र0 सं0	औ0क्षे0 / औ0 आ0 का नाम	क्षेत्रफल	प्लांट सं	इकाइयों की सं0	पूंजी निवेश करोड रु0 में	कुल रोजगार प्रत्यक्ष /अप्रत्यक्ष
1	मिनी औद्योगिक आस्थान जयकण्डी कालेश्वर	2.50 एकड	66	7	5	144
2	मिनी औद्योगिक क्षेत्र भीमतला	0.25453	17	0	0	0
	योग			7	5	144

पी0एम0ई0जी0पी0

विभाग द्वारा स्थापित किये गये उद्योंगों तथा इनके प्रोत्साहन हेतु किये गये कार्य योजना पीएमईजीपी	वर्ष	लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	वितरित की गई धनराशि लाख रु0 में	मार्जिन मनी / अनुदान की धनराशि	रोजगार
	2008–09	13	31.00	10.85	33
	2009–10	65	146.50	51.275	224
	2010–11	18	49.50	17.325	64
	2011–12	19	40.41	14.154	54
	2012–13	100	336.50	111.125	390
	2013–14	102	485.00	149.90	480
	2014–15	40	187.00	63.50	151
	2015–16	45	234.00	78.00	160
	2016–17	50	180.92	57.94	182
	2017–18	121	543.13	180.74	568
	2018–19	66	350.00	108.00	185
	2019–20 में 01 अप्रैल 2019 से 31 जनवरी 2020 तक	90	385.00	140.00	287
	योग	**729**	**2968.96**	**982.809**	**2778**

पीएमईजीपी वर्षवार प्रगति				
वर्ष	**लाभार्थियों की संख्या**	**ऋण (रू0 लाख में)**	**मार्जिन मनी (रू0 लाख में)**	**रोजगार**
2015-16	45	234.00	78.00	160
2016-17	80	310.40	101.56	368
2017-18	160	644.21	216.56	715

2018-19	159	771.74	263.63	842
योग	444	1960.35	659.75	2085

पीएमईजीपी योजना के तहत 2015–16 से 2018–19 तक विकासखण्ड वार प्रगति				
विकासखण्ड	संख्या	**ऋण (रू0 लाख में)**	मर्जिनमनी	रोजगार
दशोली	136	591	187	575
जोशीमठ	55	226.35	79	286
घाट	39	172	58	217
पोखरी	19	102	34	156
कर्णप्रयाग	87	432	148	384
देवाल	25	83	29.75	115
थराली	19	71	25	93
नारायणबगड	11	37	13	64
गैरसैंण	53	246	86	195
योग	**444**	**1960.35**	**659.75**	**2085**

1	कृषि आधारित / फल जडी बूटी प्रसंस्करण इकाइयां	फूड प्रोसेसिंग	सं0	निवेश लाख में	रोजगार
			24	191	145
2	हेण्डलूम तथा हेण्डीक्राफ्ट आधारित इकाइयां	जनपद में बुनकरों के विवरण			
		क्र0सं0	विकासखण्ड का नाम	हथकरघा बुनकरों की संख्या	हथकरघों की संख्या
		1	जोशीमठ	800	600
		2	दशोली	500	450
		3	घाट	150	100
		4	कर्णप्रयाग	100	80
		5	थराली	0	0
		6	देवाल	0	0
		7	नारायणबगड	0	0
		8	गैरसैंण	0	0
		9	पोखरी	0	0
			योग	1550	1230

<table>
<tr><td></td><td></td><td>
जनपद में हस्तशिल्पियों का विवरण
<table>
<tr><th colspan="4">जनपद में बुनकरों के विवरण</th></tr>
<tr><th>क्र0 सं0</th><th>ग्राम का नाम</th><th>शिल्पियों की संख्या</th><th>हथकरघों की संख्या</th></tr>
<tr><td>1</td><td>जोशीमठ</td><td>400</td><td>300</td></tr>
<tr><td>2</td><td>दशोली</td><td>500</td><td>475</td></tr>
<tr><td>3</td><td>घाट</td><td>250</td><td>200</td></tr>
<tr><td>4</td><td>कर्णप्रयाग</td><td>200</td><td>150</td></tr>
<tr><td>5</td><td>थराली</td><td>300</td><td>250</td></tr>
<tr><td>6</td><td>देवाल</td><td>100</td><td>50</td></tr>
<tr><td>7</td><td>नारायणबगड</td><td>50</td><td>20</td></tr>
<tr><td>8</td><td>गैरसैंण</td><td>50</td><td>15</td></tr>
<tr><td>9</td><td>पोखरी</td><td>500</td><td>480</td></tr>
<tr><td></td><td>योग</td><td>2350</td><td>1940</td></tr>
</table>
</td></tr>
<tr><td>3</td><td>विकसित किये गये कॉमन फैसेलिटी सेन्टर / ग्रोथ सेन्टर</td><td>जनपद चमोली में विकासखण्डवार कॉमन फैसेलिटी सेन्टर हेतु निम्न प्रकार प्रस्ताव प्रेषित किये गये है जिनका विवरण निम्न प्रकार से है–
1– जनपद चमोली के अन्तर्गत जोशीमठ एवं कर्णप्रयाग विकास खण्ड में आईडीपीएच योजना के तहत 1500 वर्गफीट में सामान्य सुविधा केन्द्र भवन भीमतला एवं कालेश्वर में तैयार हो चुका है जिसमें मशीनरी स्थापित होना शेष है। उक्त सीएफसी में आईडीपीएच योजना में प्रशिक्षित शिल्पियों हेतु उत्पादन के सम्बन्ध में मशीनरी स्थापित की जानी है।
2– पीपलकोटी एवं माणा घिंघराण में उत्तराखण्ड सरकार की ग्रोथ सेंटर योजना के अर्न्तगत दो ग्रोथ सेंटर हैंण्डीक्राफट एवं हैण्डलूम हेतु स्वीकृत है जिसमें उक्त क्राफट के विशेष उत्पादों के अपग्रेडेशन हेतु कार्य किया जाना है। इस क्षेत्र में लगभग 500 शिल्पी इस कार्य से जुडे है।</td></tr>
<tr><td>4</td><td>उद्यम हेतु उपलब्ध कराये गये बैंक ऋण का विवरण</td><td>जनपद में उद्यमों की स्थापना हेतु पीएमईजीपी योजना के तहत विभिन्न बैंकों के माध्यम से 2008–09 से नवम्बर 2019 तक कुल 669 नवउद्यमियों को बैंकों द्वारा वित्तपोषण किया गया जिनमें रु0 2879 लाख का ऋण बितरित किया गया जिनमें 2659 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त हुआ है।</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>स्थापित उद्यमों के कारण अन्य सर्विस सेक्टर में सृजित रोजगार
2018–19 तक सेवाक्षेत्र में निम्न प्रकार सर्विस सेक्टर में पूजी निवेश व रोजगार सृजन के विवरण :–
उद्यम सं0 पूजी निवेश रोजगार सृजन
1709 162580.85 लाख 16355</td></tr>
<tr><td>5</td><td>राज्य / केन्द्र पोषित योजनाओं के संचालन तथा उद्योगों से सम्बर्धन में एनालाइसिस</td><td>जनपद चमोली में सरकारी क्षेत्र के औद्योगिक आस्थान कालेश्वर एवं भीमतला में सडक, परिवहन विजली पानी एवं इटीपी प्लांट की स्थापना की गई है।</td></tr>
</table>

6	ग्रामीण क्षेत्रों में सम्भावित उद्योंगों से रोजगार सृजन एवं आर्थिकी में बृद्धि	1– उद्यम के लिये उपयुक्त जलवायु/ स्थल जनपद चमोली का सम्पूर्ण क्षेत्र उद्योग स्थापनार्थ उपयुक्त है क्षेत्र में लगभग जनपद के प्रत्येक क्षेत्र में उद्योग स्थापित है। जनपद में आर्थिकी में बृद्धि हेतु निम्न प्रयास किये जा रहे है 2– विकासखण्ड जोशीमठ व कर्णप्रयाग क्षेत्र में आईडीपीएच योजनान्तर्गत विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में 13 प्रशिक्षण कार्यक्रम कराये गये है जिनमें मुख्यतयाः कालीन आसन, क्रोशिया, आर्टीफिसियल ज्वैलरी, रिंगाल, नेटल क्राफ्ट, वुडन क्राफ्ट, आदि में 500 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया है। 3– विकाखण्ड कर्णप्रयाग क्षेत्र में आईडीपीएच योजना के अन्तर्गत 13 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिनमें 500 ब्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया । 4– उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अर्न्तगत जनपद में स्थान गोपेश्वर एवं चमोली में स्थानीय 50 महिलाओं को नीटिंग बुनाई में एक–एक माह के आवासीय कार्यक्रम आयोजित किये जिनमें से 25 महिलायें अनु0जा0बर्ग की हैं। इसके अतिरिक्त जनपद के समस्त विकासखण्डों में जागरूकता शिविरों का आयोजन गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोग योजनाओं का लाभ ले रहे है और अपनी आर्थिकी में वृद्धि कर रहे है। 5– जनपद में विकासखण्डों में रोजगार सृजन हेतु 13 ग्रोथसेन्टर के प्रस्ताव स्वीकृत किये गये है जिनके विवरण निम्न प्रकार से है– उक्त ग्रोथ सेन्टर विकसित किये जाते है तो क्षेत्र के लगभग 3000 कृषक सीधे ग्रोथ सेन्टर से जुडेगें और उनकी आर्थिकी में वृद्धि होगी।
7	अन्य हिमालयी राज्यों में सूक्ष्म/ लद्यु उद्योगों की स्थापना हेतु प्रदत्त सुविधाओं के विवरण	उत्तराखण्ड राज्य में एमएसएमई नीति 2015 लागू की गई है। योजना के तहत 10 आवेदन आनलाईन पंजीकरण हेतु प्राप्त हुये है जिनमें रु0 10.5 लाख के पूजी निवेश का प्रस्ताव है तथा 611 रोजगार सृजन किये जाने का प्रस्ताव है।
8	अन्य हिमालयी राज्यों की वेस्ट प्रेक्टिस को लागू करने की योजना	केन्द्र/राज्य द्वारा जारी किये गये प्राविधानों के अनुरूप जनपद में कार्य किये जायेगें।
9	विभागीय उददेश्यों की पूर्ति के लिये वित्तीय संशाधनों की आवश्यकता।	जनपद चमोली पहाडी क्षेत्र का जनपद है जिसमें बडी मात्रा में औद्योगिकीकरण नहीं हुआ है फिर भी विभाग छोटे–छोटे लधु/कुटीर उद्योगों की स्थापना हेतु प्रयासरत है। सम्बन्धित विभाग यथा, समाज कल्याण, पर्यटन, कृषि, उरेड़ा, उद्यान, खादी ग्रामोद्योगबोर्ड, खादीग्रामोद्योग आयोग,नगरीय विकास विभाग, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण,नाबार्ड आदि के द्वारा बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं।

कृषि विभाग

जिला योजना की वर्ष 2018–19 का योजनावार वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण–संकलित।

कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी, गोपेश्वर

जनपद–चमोली। **माह–मार्च, 2019** **धनराशि–लाख रूपये में।**

क्र0 सं0	वित्तीय प्रगति							भौतिक प्रगति				
	विभाग–योजना–मद/कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित परिव्यय	शासन से	जिला स्तर से	व्यय		अवशेष धनराशि	विभाग–योजना–मद /	इकाई	लक्ष्य	उपलब्धि	
					माह में	क्रमिक					माह में	क्रमिक
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	पौध सुरक्षा कार्यक्रम/कुरूमुला कीट नियत्रंण	0.600	0.600	0.600	0.500	0.600	0.000	उपचारित क्षे.फ.	हैक्टेयर	120	110	120
								रसायन वितरण	कि.ग्रा.	-	168	168
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	270	270
2	सीड मिनी किट वितरण	3.550	3.550	3.550	0.500	3.550	0.000	मिनी किट संख्या	संख्या	1200	187	1268
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	187	1268
3	सूक्ष्म तत्व प्रोत्साहन	0.850	0.850	0.850	0.310	0.850	0.000	उपचारित क्षे.फ.	हैक्टेयर	135	65	135
								माइक्रोन्यूट्रिएन्ट वितरण	कि.ग्रा./ली.	-	1341	1341
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	1341	1341
4	कृषि यंत्रीकरण को प्रोत्साहन (छोटे यंत्र)	3.600	3.600	3.600	1.000	3.600	0.001	कृषि यंत्र	संख्या	880	156	1808
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	156	1808
5	अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन/भूमि संरक्षण कार्य	0.000	0.000	0.000	0.000	0.000	0.000	संरचनाओं की संख्या	हैक्टेयर	0	0	0
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	0	0
6	ग्राम स्तरीय कृषक प्रशिक्षण	1.200	1.200	1.200	0.600	1.200	0.000	प्रशिक्षण संख्या	संख्या	12	6	12
								लाभान्वित कृषक	संख्या	0	60	120
	योगः–	**9.800**	**9.800**	**9.800**	**2.909**	**9.799**	**0.001**	–	–	–	–	–

जिला योजना की वर्ष 2018–19 का योजनावार वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण–संकलित।

कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी, कर्णप्रयाग

जनपद–चमोली। **माह–मार्च, 2019** **धनराशि–लाख रूपये में।**

क्र0 सं0	वित्तीय प्रगति							भौतिक प्रगति				
	विभाग–योजना–मद/कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित परिव्यय	शासन से अवमुक्त	जिला स्तर से अवमुक्त	व्यय		अवशेष धनराशि	विभाग–योजना–मद / कार्यक्रम का नाम	इकाई	लक्ष्य	उपलब्धि	
					माह में	क्रमिक					माह में	क्रमिक
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	पौध सुरक्षा कार्यक्रम/कुरूमुला कीट नियत्रंण	1.100	1.100	1.100	0.899	1.099	0.001	उपचारित क्षे.फ.	हैक्टेयर	220	190	222
								रसायन वितरण	कि.ग्रा./ली.	-	120	180.3
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	60	165
2	सीड मिनी किट वितरण	5.000	5.000	5.000	1.800	5.000	0.000	मिनी किट संख्या	संख्या	2400	860	1910
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	860	1910
3	सूक्ष्म तत्व प्रोत्साहन	1.000	1.000	1.000	0.747	0.997	0.003	उपचारित क्षे.फ.	हैक्टेयर	235	200	240
								माइक्रोन्यूट्रिएन्ट वितरण	कि.ग्रा./ली.	-	186	195
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	120	310
4	कृषि यंत्रीकरण को प्रोत्साहन (छोटे यंत्र)	5.000	5.000	5.000	3.070	5.000	0.000	कृषि यंत्र	संख्या	1740	1272	2024
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	1272	2024
5	अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन/भूमि संरक्षण कार्य	10.000	10.000	10.000	2.400	10.000	0.000	संरचनाओं की संख्या	संख्या	100	15	25
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	60	105
6	ग्राम स्तरीय कृषक प्रशिक्षण	0.000	0.000	0.000	0.000	0.000	0.000	प्रशिक्षण संख्या	संख्या	0	0	0
								लाभान्वित कृषक	संख्या	0	0	0
	योगः–	**22.100**	**22.100**	**22.100**	**8.916**	**22.096**	**0.004**	–	–	–	–	–

जिला योजना की वर्ष 2018–19 का योजनावार वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण–संकलित।

कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी, थराली

जनपद–चमोली। **माह–मार्च, 2019** **धनराशि–लाख रूपये में।**

क्र0 सं0	वित्तीय प्रगति							भौतिक प्रगति				
	विभाग–योजना–मद/कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित परिव्यय	शासन से अवमुक्त धनराशि	जिला स्तर से अवमुक्त धनराशि	व्यय		अवशेष धनराशि	विभाग–योजना–मद / कार्यक्रम का नाम	इकाई	लक्ष्य	उपलब्धि	
					माह में	क्रमिक					माह में	क्रमिक
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	पौध सुरक्षा कार्यक्रम/कुरूमुला कीट नियत्रंण	0.500	0.500	0.500	0.399	0.499	0.001	उपचारित क्षे.फ.	हैक्टेयर	100	100	100
								रसायन वितरण	कि.ग्रा./ली.	-	0	0
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	0	0
2	सीड मिनी किट वितरण	2.500	2.500	2.500	0.500	2.500	0.000	मिनी किट संख्या	संख्या	930	320	945
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	320	945
3	सूक्ष्म तत्व प्रोत्साहन	0.600	0.600	0.600	0.200	0.600	0.000	उपचारित क्षे.फ.	हैक्टेयर	80	60	80
								माइक्रोन्यूट्रिएन्ट वितरण	कि.ग्रा./ली.	-	0	0
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	20	20
4	कृषि यंत्रीकरण को प्रोत्साहन (छोटे यंत्र)	4.290	4.290	4.290	1.860	4.290	0.000	कृषि यंत्र	संख्या	1240	720	1220
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	720	1220
5	अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन/भूमि संरक्षण कार्य	0.000	0.000	0.000	0.000	0.000	0.000	संरचनाओं की संख्या	हैक्टेयर	0	0	0
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	0	0
6	ग्राम स्तरीय कृषक प्रशिक्षण	0.900	0.900	0.900	0.695	0.895	0.006	प्रशिक्षण संख्या	संख्या	9	7	9
								लाभान्वित कृषक	संख्या	0	70	90
	योगः–	**8.790**	**8.790**	**8.790**	**3.653**	**8.783**	**0.007**	–	–	–	–	–

जिला योजना की वर्ष 2018–19 का योजनावार वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण

(संकलित कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी, गोपेश्वर, कर्णप्रयाग एवं थराली)

जनपद–चमोली। **माह–मार्च, 2019** **धनराशि–लाख रूपये में।**

क्र0 सं0	वित्तीय प्रगति							भौतिक प्रगति				
	विभाग–योजना–मद/कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित परिव्यय	शासन से अवमुक्त धनराशि	जिला स्तर से अवमुक्त धनराशि	व्यय		अवशेष धनराशि	विभाग–योजना–मद / कार्यक्रम का नाम	इकाई	लक्ष्य	उपलब्धि	
					माह में	क्रमिक					माह में	क्रमिक
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	पौध सुरक्षा कार्यक्रम/कुरूमुला कीट नियत्रंण	2.200	2.200	2.200	1.798	2.198	0.002	उपचारित क्षे.फ.	हैक्टेयर	440	400	442
								रसायन वितरण	कि.ग्रा./ली.	-	288	348
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	330	435
2	सीड मिनी किट वितरण	11.050	11.050	11.050	2.799	11.049	0.001	मिनी किट संख्या	संख्या	4530	1367	4123
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	1367	4123
3	सूक्ष्म तत्व प्रोत्साहन	2.450	2.450	2.450	1.257	2.447	0.003	उपचारित क्षे.फ.	हैक्टेयर	450	325	455
								माइक्रोन्यूट्रिएन्ट वितरण	कि.ग्रा./ली.	-	1527	1536
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	1481	1671
4	कृषि यंत्रीकरण को प्रोत्साहन (छोटे यंत्र)	12.890	12.890	12.890	5.929	12.889	0.001	कृषि यंत्र	संख्या	3860	2148	5052
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	2148	5052
6	अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन/भूमि संरक्षण कार्य	10.000	10.000	10.000	2.400	10.000	0.000	संरचनाओं की संख्या	संख्या	100	15	25
								लाभान्वित कृषक	संख्या	-	60	105
7	ग्राम स्तरीय कृषक प्रशिक्षण	2.100	2.100	2.100	1.295	2.095	0.006	प्रशिक्षण संख्या	संख्या	21	13	21
								लाभान्वित कृषक	संख्या	0	130	210
	योगः–	**40.690**	**40.690**	**40.690**	**15.478**	**40.678**	**0.012**	–	–	–	–	–

राज्य योजना की वर्ष 2018–19 का योजनावार वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण

जनपद–चमोली। **माह –मार्च, 2019** **धनराशि–लाख रूपये में।**

क्र0सं0	वित्तीय प्रगति								भौतिक प्रगति				
	विभाग–योजना–मद/कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित परिव्यय	1.04.2018 को अवशेष	शासन से अवमुक्त धनराशि	योग	व्यय		समर्पित/अवशेष धनराशि	विभाग–योजना–मद/कार्यक्रम का नाम	इकाई	लक्ष्य	उपलब्धि	
						माह में	क्रमिक					माह में	क्रमिक
1	2	3		4		5	6	7	8	9	10	11	12
(क) राज्य सैक्टर/स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान													
1	अनुसूचित जाति/जनजाति योजना	42.0	6.2	18.0	24.2	5.6	19.4	4.9	बीज वितरण	संख्या	660	220.00	660
									यंत्र वितरण	संख्या	875	180.00	875
									प्रशिक्षण	संख्या	4	-	4
									पौध ुसरक्षा कार्यक्रम	हैक्टेयर	120	20.00	120
									भूमि सरंक्षण कार्य	संख्या	42	7	42
									एच0डी0पी0ई0 पाईप	मीटर	7000	1500	7000
2	कृषि निवेश भण्डारों, प्रक्षेत्रों तथा प्रशिक्षण केन्द्रों की सुदृणीकरण की योजना	45.0	0.0	36.6	36.6	8.2	33.5	3.0	किराया उपशुल्क/मानदेय	संख्या	-	-	-
									अनुदान बीज	संख्या	-	-	-
3	जल पम्प स्प्रिंकलर सैट विविधिकरण योजना	30.0	0.0	28.0	28.0	9.5	18.6	9.4	पावर वीडर	संख्या	-	-	-
									छोटे यंत्र	संख्या	-	-	-
4	सूचना सलाह केन्द्रों का सुदृणीकरण	1.5	0.0	0.6	0.6	0.0	0.6	0.0	फर्नीचर क्रय	संख्या	-	-	-
									विधुत	–	-	-	-
6	विभिन्न प्रयोगशालाओं का संचालन व्यय	1.0	0.0	0.5	0.5	0.0	0.5	0.0	प्रशासनिक व्यय	–	-	-	-
									रसायन पर व्यय	–	-	-	-
7	स्थानीय फसल प्रोत्साहन	38.0	17.4	0.0	17.4	0.0	4.6	12.8	अनुदान	संख्या	-	-	-
योगः–		**157.5**	**23.6**	**83.7**	**107.3**	**23.2**	**77.2**	**30.1**	–	–	–	–	–

केन्द्र पोषित योजना वर्ष 2018–19 का योजनावार वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण

जनपद–चमोली। **माह–मार्च, 2019** **धनराशि–लाख रूपये**

क्र0सं0	वित्तीय प्रगति								भौतिक प्रगति			
	विभाग–योजना–मद/कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित परिव्यय	1.04.2018 को अवशेष	शासन से अवमुक्त धनराशि	योग	व्यय		समर्पित/ अवशेष	विभाग–योजना–मद/ कार्यक्रम का नाम	इकाई	लक्ष्य	
						माह में	क्रमिक					क्रमिक
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	14
(ब) केन्द्र पोषित योजना												
1	**क्रॉप प्रोडेक्शन प्रोग्राम (आर0के0वी0वाई0)**	7	6	9	15	1	9	6	**धान उत्पादन कार्यक्रम**			
									अधिक उपजाई बीज वितरण	हैक्टेयर	135.00	130
									शूक्ष्म पोषक तत्व प्रोत्साहन	हैक्टेयर	310.00	60
									जल संवहन् पाईप वितरण	मीटर	4750	4750
2	**राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (जैविक कार्यक्रम)**	20	4	27	32	2	12	19	01. वर्मी कम्पोस्ट	संख्या	220	110
									02. नाडैप	संख्या	120	80
									03. बैम्बू नाडेप कम्पोस्ट	संख्या	0	0
									04. ग्राम स्तरीय प्रशिक्षण	संख्या	15	0
									05. एम0टी0 मानदेय	संख्या	8	8
									06. प्रमाणीकरण क्षेत्रफल	हैक्टेयर	3500	568.02
3	**खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन)**	33	0	27	27	0	12	15	**मोटा अनाज**			
									कदन उन्नत बीज वितरण	कुन्तल	35.00	35
									दलहन कार्यक्रम		-	-
									उर्द/गहत कलस्टर प्रदर्शन	हैक्टेयर	70.00	70
									मंडुवा– मसूर /मटर कलस्टर प्रदर्शन	हैक्टेयर	50.00	40
									सूक्ष्म पोषक तत्व वितरण	हैक्टेयर	70.00	70
4	राष्ट्रीय सम्पोषण कृषि मिशन (नमसा)–सोइल हेल्थ कार्ड	0	2	6	8	2	7	1	मृदा परीक्षण	संख्या	1571	1571
5	परम्परागत कृषि विकास योजना (पी0के0वी0वाई0)	0	291	360	651	36	223	428	वर्मी कम्पोस्ट पिट	संख्या	225	139
6	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (कृषक महोत्सव) – खरीफ	0	0	0	0	0	0	0	01. प्रशिक्षण	संख्या		-
7	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (कृषक महोत्सव) – रबी	0	0	0	0	0	0	0	01. प्रशिक्षण	संख्या		-
8	**बीज ग्राम योजना**	15	0	13	13	2	7	7	01. बीज अनुदान वितरण	कुन्तल	284.00	250
									02. प्रशिक्षण	संख्या	22	15
9	**एकीकत कृषि एंव मृदा सरंक्षण कार्यक्रम**	40	21	0	21	5	8	13	01. भूमि संरक्षण कार्य	संख्या	-	-
10	**राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (दैवीय आपदा)**	85	39	0	39	3	38	1	01. भूमि संरक्षण कार्य	संख्या	-	-
11	**राष्ट्रीय सम्पोषण कृषि मिशन (नमसा)**	38	0	18	18	1	11	8	01. बीज अनुदान वितरण	कुन्तल	35.00	30
12	**नमसा–सस्टेंनेबल मिशन ऑन एग्रीकल्चर मेकेनाइजेशन**	6	118	352	470	32	453	16	01. यंत्र वितरण	संख्या	3500	3500
13	**आर0के0वी0वाई0–कृषि यंत्रीकरण प्रोत्साहन योजना**	20	8	10	18	1	16	2	01. यंत्र वितरण	संख्या	550	530
14	**जल सम्भरण**	0	1	10	11	0	1	10	01. सिंचाई टेंको का निर्माण	संख्या	10.00	2
15	**प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना**	75	50	267	317	10	63	254	01. चैक डेम निर्माण	संख्या	25	5
16	**घेरबाड**	150	15	20	35	2	20	15	01. उपचारित क्षेत्रफल	हैक्टेयर	-	-
17	**एस0पी0ए0आर0 (आर0 आपदा)–मिनीकिट**	0	10	0	10	0	5	5	01. उपचारित क्षेत्रफल	हैक्टेयर	-	-
18	**फसल बीज उत्पादन कार्यक्रम**	25	23	0	23	0	5	19	01. उपचारित क्षेत्रफल	हैक्टेयर	70	-
19	**आर0के0वी0वाई0–नमामि गंगे सफाई अभियान**	82	78	0	78	5	29	48	01. वर्मी कम्पोस्ट	संख्या	550	232
योगः–		**515**	**588**	**1119**	**1708**	**97**	**889**	**818**	–	–	–	–

आर0के0वी0वाई0 योजनान्तर्गत् जैविक कृषि कार्यक्रम की समस्त विकासखण्डो की संकलित सूचना।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2018–19 अन्तर्गत जैविक कृषि कार्यकम की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति सूचना

०सं	कार्यमद	इकाई	व्यय के मानक	जनपद का नाम					लाभान्वित कृषक
				भौतिक		वित्तीय			
				कुल लक्ष्य	पूर्ति	कुल लक्ष्य	आंवटन	पूर्ति	
1	बर्मी पिट साईज (10'x3'x2')	सं0	रू0 4500/यू0	220	174	9.90		7.83	
2	नाडेप साईज (12'X4'X3')	सं0	रू0 4000/यू0	120	90	4.80		3.60	
3	तरल जैव उर्वरक पी0एस0बी0/एजोक्टोवैक्टर वायोपेस्टिसाइड (ट्राइकोडमा विरीडी)	सं0	रू0 35/ली0या रू0/किलोग्राम	340	0	0.26		0.00	
4	कृषकों का एक्सपोजर भ्रमण	सं0	रू0 200/कृषक	350	0	0.70		0.00	
5	मास्टर ट्रेनर सेवा प्रदाता की कार्य आधारित मानदेय	सं0	रू0 700 से 10000 (यात्रा भत्ता) 11 माह	8	8	7.04	16.55	5.12	264
6	ग्राम स्तरीय प्रशिक्षण	सं0	रू0 5000/प्रशिक्षण प्रतिदिन	15	0	0.75		0.00	
7	प्रमाणीकरण दस्तावेजों का मुद्रण (फार्म फाईल, किसान डायरी, कृषक पंजीकरण फार्म)	सं0	रू0 1500/प्रशिक्षण प्रति व्यक्ति/प्रतिदिन उ0जै0उ0प्र0		-			-	
8	जैविक प्रमाणीकरण शुल्क	सं0			-			-	
9	प्रमाणीकरण के लक्ष्य	है0	4000 हैक्टेयर	4000	676.22			-	
Total						**23.45**	**16.55**	**16.55**	**264**

राष्ट्रीय सम्पोषणीय कृषि मिशन (वर्षा आधारित क्षेत्र विकास)–**NMSA** (2017–18) भौतिक एवं वित्तीय प्रगति।

माह–मार्च, 2019

1– समेकित फसल प्रणाली **(Integrated Farming)**

(कुल कलस्टर–05)

फसल प्रणाली	मठझटेता							
	क्षेत्रफल (है0)		लाभार्थी		अनुमानितला		योजनान्तार्गत	
	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति
उद्यान आधारित फसल प्रणाली	10	5	60	60	5	2.5	5	2.5
पशुधन उत्पादन आधारित फसल प्रणाली	15	3	55	15	7.5	1.5	3.75	3.75
दुग्ध उत्पादन आधारित फसल प्रणाली	-	-	-	-	-	-	-	-
मत्स्य पालन आधारित फसल प्रणाली	-	-	-	-	-	-	-	-
सीरियल उत्पादन आधारित फसल प्रणाली	10	5	50	50	3.00	1.50	1.50	1.50
कृषि वानिकी आधारित फसल प्रणाली (इसके अन्तर्ग गेठी वोहमिरिया रूगुलोसा), भिमल (ग्रविया आप्टीवा),खड़ीक (सेल्ट्रिस ऑस्ट्रेलिस), तिमला (फाइकस रॉक्सवर्गी), 'हतूत (मोरस एल्वा) आदि स्थानीय चारा/उपयोगी वृक्ष भी सम्मिलित है।	0	0	0	0	0.00	0.00	0.00	0.00
उपयोग	**35**	**13**	**165**	**125**	**15.5**	**5.5**	**10.25**	**7.75**

2.–मूल्यवर्धन एवं संसाधन संरक्षण **(Valu Addition and Resource Conservation)**

फसल प्रणाली	मठझटेता									
	संख्या		क्षमता/क्षे0		संगठन/समू		अनुमानित		योजनान्तर्गत	
	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति
ग्रीनहाउस एवं लो टनल पालीहाउस	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ट्यबूलर (वर्ग–मी0)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मौन पालन (कालोनी)	10	-	10	-	10	-	0.2	-	0.08	-
साइलेज इकाई (घन फुट)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पोस्ट हार्वेस्ट एण्ड स्टोरेज (वर्ग मी0)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जल सम्भरण टैंक (व्यक्तिगत)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जल सम्भरण टैंक/जलाषय (सामूदायिक)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
टैक्स रैस्टोरेसन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जल प्रयोग एवं वितरण (क्षमता है0 में)	2	2	2	2	2	2	0.40	0.40	0.20	0.20
वाटर लिफ्टिंग डिवाइस	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मिडिल रीच गली निंयत्रण सरचनायें–सामुदायिक(रू0 2400.00/सरचना)	5	-	-	-	100	-	1.2	-	1.2	1.20
लोवर रीच गली निंयत्रण सरचनायें–सामुदायिक (रू0 40000.00/सरचना)	2	-	-	-	40	-	0.80	-	0.80	0.80
टेरेसिंग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्मी कम्पोस्ट संरचनायें (घन फुट)	20	17	1200	-	20	17	3	-	1.50	1.50
संसाधन संरक्षण/आई0एफ0एस0प्रषिक्षण (20/समूह)	2	-	-	-	40	20	0.20	0.10	0.20	0.10
शैक्षणिक भ्रमण/एक्सपोजर विजिट (50/समूह)	2	1	-	-	100	50	0.40	0.20	0.40	0.20
उप योग	**43**	**20**	**1212**	**2**	**312**	**89**	**6.2**	**0.7**	**4.38**	**4.00**
कुल कलस्टर योग–	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**14.63**	**11.75**

राष्ट्रीय सम्पोषणीय कृषि मिशन (वर्षा आधारित क्षेत्र विकास)–NMSA (2018–19) भौतिक एवं वित्तीय प्रगति।

माह–मार्च, 2019

1– समेकित फसल प्रणाली **(Integrated Farming)**

फसल प्रणाली	कुल कलस्टर–05								(कुल कलस्टर–05
	क्षेत्रफल (है0)		लाभार्थी संख्या		अनुमानितलागत		योजनान्तार्गत		
	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	
उद्यान आधारित फसल प्रणाली	20	7	90	30	10	3.40	2.50	2.50	
पषुधन उत्पादन आधारित फसल प्रणाली	25	-	22	-	12.50	-	6.00	-	
दुग्ध उत्पादन आधारित फसल प्रणाली	-	-	-	-	-	-	-	-	
मत्स्य पालन आधारित फसल प्रणाली	-	-	-	-	-	-	-	-	
वृक्ष उत्पादन आधारित फसल प्रणाली	-	-	-	-	-	-	-	-	
कृ"ा वानिकी आधारित फसल प्रणाली (इसके अन्तर्ग गेठी वोहमिरिया रूगुलोसा), भिमल (ग्रविया आप्टीवा),खड़ीक (सेल्ट्रिस ऑस्ट्रेलिस), तिमला (फाइकस रॉक्सवर्गी), 'हतूत (मोरस एल्वा) आदि स्थानीय चारा/उपयोगी वृक्ष भी सम्मिलित है।	30	25	70	45	9.00	8.50	4.50	3.03	
उपयोग	**75**	**32**	**182**	**75**	**31.5**	**11.9**	**13**	**5.53**	

2.–मूल्यवर्धन एवं संसाधन संरक्षण (Valu Addition and Resource Conservation)

फसल प्रणाली	कुल कलस्टर–05									
	संख्या		क्षमता/क्षे0		संगठन/समूह		अनुमानित		योजनान्तर्गत	
	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति
ग्रीनहाउस एवं लो टनल पालीहाउस	10	10	10	10	10	10	0.2	0.2	0.08	0.08
ट्यबूलर (वर्ग–मी0)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मौन पालन (कालोनी)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
साइलेज इकाई (घन फुट)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पोस्ट हार्वेस्ट एण्ड स्टोरेज (वर्ग मी0)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जल सम्भरण टैंक (व्यक्तिगत)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जल सम्भरण टैंक/जलाषय (सामूदायिक)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
टैक्स रैस्टोरेसन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जल प्रयोग एवं वितरण (क्षमता है0 में)	2	2	2	2	2	2	0.4	0.4	0.20	0.20
वाटर लिफ्टिंग डिवाइस	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मिडिल रीच गली निंयत्रण सरचनायें–सामुदायिक(रू0 2400.00/सरचना)	4	4	-	-	40	40	0.96	0.96	0.96	0.96
लोवर रीच गली निंयत्रण सरचनायें–सामुदायिक (रू0 40000.00/सरचना)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
टेरेसिंग	20	10	-	-	20	10	8.00	4.00	4.00	3.35
वर्मी कम्पोस्ट संरचनायें (घन फुट)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
संसाधन संरक्षण/आई0एफ0एस0प्रषिक्षण (20/समूह)	2	2	40	40	40	40	0.20	0.2	0.20	0.20
"ैक्षणिक भ्रमण/एक्सपोजर विजिट (50/समूह)	2	2	100	100	100	100	0.40	0.4	0.40	0.40
उप योग	**40**	**30**	**152**	**152**	**212**	**202**	**10.16**	**6.16**	**5.84**	**5.19**
कुल कलस्टर योग–	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**24.4**		**12.33**	**10.72**

Compiled report of all blocks under RKVY agriculture Mechanization

RKVY Agriculture Mechanization 2018-19 Progress Report

Month-March, 2019 *धनराशि लाख रू0 में।*

S. N.	Type of Farm Machinery	Maximum limit of Subsidy per Machienary/Mechanization/Benificiary	Distt			
			Target		Achivements	
			Phy	Fin	Phy	Fin
1	2	3	4	5	6	7
1	Custom Hiring Centre	Rs 4.00 Lakh/CHC	-	-	-	-
2	Farm Machinary Bank	Rs 5.00 Lakh/FMB Subsidy@ 80% of cost	3	15.00	3	14.00
3	Power Tiller	Rs 0.75 Lakh of 50 % of the cost which ever is less	2	1.50	-	-
4	Power Weedar	Rs 0.19 lakh of 50 % of the cost which ever is less	10	1.90	4	0.79
5	Thresher/multicrop/Thresher/ Mandua Thresher	Rs 0.25 lakh of 50 % of the cost which ever is less	2	0.50	1	0.25
6	Chaff Cutter	Rs 0.063 lakh of 50 % of the cost which ever is less	5	0.315	-	-
7	Chaff Cutter Power	Rs 0.20 lakh of 50 % of the cost which ever is less	-	-	-	-
8	Rotavator	Rs 0.44 lakh of 50 % of the cost which ever is less	-	-	-	-
9	Reper	Rs 0.63 lakh of 50 % of the cost which ever is less	-	-	-	-
10	Herrow	Rs 0.19 lakh of 50 % of the cost which ever is less	-	-	-	-
11	Cultivator	Rs 0.19 lakh of 50 % of the cost which ever is less	-	-	-	-
12	Riper Cum Bimder (Self Peopeled)	Rs 0.25 lakh of 50 % of the cost which ever is less	-	-	-	-
13	Animal Drawn	Rs 0.02 lakh of 50 % of the cost which ever is less	50	1.00	-	-
14	Small Farm Machienary	Rs 0.001 lakh of 50 % of the cost which ever is less	500	0.50	500	0.50
Total			**572**	**20.715**		**15.54**

क्रॉप प्रोडक्शन कार्यक्रम अन्तर्गत् समस्त विकासखण्डों की संकलित प्रगति सूचना।
राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत क्रॉप प्रोडक्शन कार्यक्रम रबी 2018–19 की प्रगति।

माह–मार्च, 2019

क0सं0	मद	इकाई	चमोली			
			भौतिक प्रगति		वित्तीय प्रगति	
			लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	कलस्टर प्रर्दशन (9000/है0):–	है0	100	95	9.00	4.61
2	अधिक उपजायी बीज वितरणः–	कु0		-		-
	10 वर्ष की अवधि से कम (मूल्य का 50% या रू02000/कु0 जो भी कम हो)		240	-	4.80	0
	10 वर्ष की अवधि से अधिक (मूल्य का 50% या रू01000/कु0 जो भी कम हो)		120	-	1.20	-
3	पौध सुरक्षा कार्यक्रम :–	है0				-
	सूक्ष्म पोषक तत्व प्रोत्साहन (मूल्य का 50% या रू0500/कु0 जो भी कम हो)		900	-	4.50	-
4	जैव उर्वरक (मूल्य का 50% या रू0 300/कु0 जो भी कम हो)	है0	180	-	0.54	-
5	जल संवहन पाईप का 50%: रू0 50/मीटर जो भी कम हो (अधिकतम लम्बाई सीमा 600 मीटर एवं रू0 15000.00)	मीटर	2000	2000	1.00	1.00
6	फसल चक्र आधारित कृषक प्रशिक्षण (चार सत्र पहला खरीफ से पूर्व दूसरा फसल बुवाई के समय, तीसरा सीजन के मध्य एवं चौथा सत्र कटाई के समय) रू0 3500/सत्र रू0 14000.00/प्रशिक्षण।	संख्या	4	2	0.56	0.14
योग			**3444**		**12.60**	**5.75**

अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्रामों में कृषि विकास कार्यक्रम की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति वर्ष 2018–19

माह–मार्च, 2019

वित्तीय (लाख रू0में)

क0सं0	योजना मद	इकाई	जनपद चमोली				लाभान्वित कृषक
			भौतिक प्रगति		वित्तीय प्रगति		
			लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	
1	2	3	4	5	6	7	8
1	उन्नत प्रजाति के बीज मिनिकिट वितरण।	है0	400	400	0.80	0.80	960
2	पौध सुरक्षा कार्यक्रम	है0	80	80	0.80	0.80	
3	कृ"ा यंत्र वितरण(समूह में)	संख्या	0	0	0.00	0.00	
4	कृ"ा यंत्र वितरण		0	0	0.00	0.00	
	(अ) चैफ कटर (हस्तचालित)	संख्या	0	0	0.00	0.00	
	(ब) चैफ कटर (पावर)	संख्या	0	0	0.00	0.00	
	(स) स्प्रेयर (मानवचालित)	संख्या	0	0	0.00	0.00	
	(द) स्प्रेयर बैटरी चालित	संख्या	0	0	0.00	0.00	
	(य) ट्रैक्टर माउण्टेड स्प्रेयर	संख्या	0	0	0.00	0.00	
	(च) छोटे कृ"ा यंत्र/पर्वतीय हल	संख्या	500	500	1.60	1.60	
5	क्रैट वॉयर/ सुरक्षा दिवार	संख्या	22	22	2.60	2.60	
6	एच0डी0पी0ई0 पाइप वितरण	मीटर	4000	4000	2.00	2.00	
7	सिंचित क्षमता में बृद्वि	है0	0	0	0.00	0.00	
8	कृ"ाक प्रषिक्षण	संख्या	2	2	0.20	0.20	
योग :–					**8.00**	**8.00**	**960**

अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्रामों में कृषि विकास कार्यक्रम की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति वर्ष 2018–19

माह–मार्च, 2019

वित्तीय (लाख रू0में)

क0सं0	योजना मद	इकाई	जनपद चमोली				लाभान्वित कृषक
			भौतिक प्रगति		वित्तीय प्रगति		
			लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	
1	2	3	4	5	6	7	8
1	उन्नत प्रजाति के बीज मिनिकिट वितरण।	है0	260	260	0.52	0.52	673
2	पौध सुरक्षा कार्यक्रम	है0	40	40	0.40	0.40	
3	सूक्ष्म पो"ाक तत्व	है0	25	25	0.25	0.25	
4	कृ"ा यंत्र वितरण(समूह में)	संख्या	0	0	0.00	0.00	
5	कृ"ा यंत्र वितरण		0	0	0.00	0.00	
	(अ) चैफ कटर (हस्तचालित)	संख्या	0	0	0.00	0.00	
	(ब) चैफ कटर (पावर)	संख्या	0	0	0.00	0.00	
	(स) स्प्रेयर (मानवचालित)	संख्या	10	10	0.10	0.10	
	(द) स्प्रेयर बैटरी चालित	संख्या	0	0	0.00	0.00	
	(य) ट्रैक्टर माउण्टेड स्प्रेयर	संख्या	0	0	0.00	0.00	
	(च) छोटे कृ"ा यंत्र/पर्वतीय हल	संख्या	353	353	3.53	3.53	
6	क्रैट वॉयर/ सुरक्षा दिवार	संख्या	20	0	1.50	1.50	
7	एच0डी0पी0ई0 पाइप वितरण	मीटर	3000	3000	1.50	1.50	
8	सिंचाई टैंक (प्लास्टिक)/छत वर्षा टैंक 500	संख्या	10	0	2.00	2.00	
9	कृ"ाक प्रषिक्षण	संख्या	2	2	0.20	0.20	
योग :–					**10.00**	**10.00**	**673**

राष्ट्रीय कृषि प्रसार एवं प्रौद्योगिकी मिशन (**NMAET**) के अन्तर्गत कषि यंत्रीकरण सब–मिशन (**SMAM**) की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति
वर्ष 2018–19 अन्तिम कार्ययोजना

क0सं0	योजना मद/कार्यक्रम	लाभार्थी प्रकार	अनुदान की अधिकतम सीमा प्रति मशीन/यंत्र/लाभार्थी	जनपद का नाम				
				भौतिक प्रगति		वित्तीय प्रगति		
				लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	आवंटन	पूर्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	कस्टम हायरिंग सेन्टर की स्थापना	अनु0जाति	रू0 10.00 लाख तक की इकाई हेतु रू0 4.00 लाख अथवा मूल्य का 40% जो भी कम हो	0	0	0.00		0.00
		अन्य लाभार्थी		0	0	0.00		0.00
2	फार्म मशीनरी बैंक(कम से कम 08 कृ"ाकों के समूह में)	अनु0जाति	रू0 10.00 लाख तक की इकाई हेतु रू0 5.00 लाख अथवा मूल्य का 80% जो भी कम हो।	**8**	**6**	64.00		48.00
		लघु सीमांत/महिला		**30**	**29**	240.00		232.00
		अन्य लाभार्थी		**0**	**0**	0.00		0.00
3	पावर वीडर	अनु0जाति	रू0 0.19 लाख अथवा मूल्य का 50% जो भी कम हो	**4**	**2**	0.76		0.57
		लघु सीमांत/महिला		**2**	**2**	0.38		0.38
4	थ्रैसर/मल्टीक्राफ थ्रैसर (03 एच0पी0 से कम)	अनु0जाति	रू0 0.20 लाख अथवा मूल्य का 50% जो भी कम हो	0	0	0.00		0.00
		लघु सीमांत/महिला		2	0	0.40		0.00
5	थ्रैसर/मल्टीक्राफ थ्रैसर (03 एच0पी0 से कम)	अनु0जाति	रू0 0.25 लाख अथवा मूल्य का 50% जो भी कम हो	0	0	0.00		0.00
		लघु सीमांत/महिला		3	0	0.75		0.00
6	थ्रैसर/मल्टीकॉप थ्रेसर (05 एच0पी0 से अधिक	अनु0जाति	रू0 0.63 लाख अथवा मूल्य का 50% जो भी कम हो	0	0	0.00		0.00
		लघु सीमांत/महिला		0	0	0.00		0.00
7	पशु चालित कृषि रक्षा यंत्र	अन्य लाभार्थी	रू0 0.1 लाख अथवा मूल्य का 50% जो भी कम हो	90	426	9.00	326.212	8.10
8	शक्ति चालित कृषि रक्षा यंत्र	अनु0जाति	रू0 0.031 लाख अथवा मूल्य का 50% जो भी कम हो	2	0	0.062		0.00
		लघु सीमांत/महिला		0	0	0.00		0.00
9	मानव चालित कृषि रक्षा यंत्र	अनु0जाति	रू0 0.006 लाख अथवा मूल्य का 50% जो भी कम हो	10	5	0.06		0.03
		लघु सीमांत/महिला		50	20	0.30		0.12
10	पावर टीलर	अनु0जाति	रू0 0.75 लाख अथवा मूल्य का 50% जो भी कम हो	2	0	1.50		0.00
		लघु सीमांत/महिला		4	0	3.00		0.00
11	**Mini Rice Mill/Dal Mill/Millet Mill**	अन्य लाभार्थी	रू0 1.50 लाख अथवा मूल्य का 50% जो भी कम हो	0	0	0.00		0.00
12	फ्लैक्सी फण्ड	अन्य लाभार्थी	रू0 0.001 लाख अथवा मूल्य का 50% जो भी कम हो	**6000**	**6000**	**6.00**		**6.00**
13	प्रशासनिक व्यय	अन्य लाभार्थी				**1.65**		**0.40**
	श्रेणीवार योग (क0सं0 1 से 20 तक)	अनु0जाति		**5**	**-**	**66.38**		**56.70**
		लघु सीमांत/महिला		**9**	**-**	**244.83**		**232.50**
		अन्य लाभार्थी		**6000**	**-**	**16.65**		**6.40**
महायोग				**6014**		**327.862**	**326.212**	**295.60**

Compiled report of all blocks under RKVY agriculture Mechanization

RKVY Agriculture Mechanization 2018-19 Progress Report

Month-March, 2019 *धनराशि लाख रू0 में।*

S. N.	Type of Farm Machinery	Maximum limit of Subsidy per Machienary/Mechanization/Benificiary	Distt			
			Target		Achivements	
			Phy	Fin	Phy	Fin
1	2	3	4	5	6	7
1	Custom Hiring Centre	Rs 4.00 Lakh/CHC	-	-	-	-
2	Farm Machinary Bank	Rs 5.00 Lakh/FMB Subsidy@ 80% of cost	3	15.00	3	14.00
3	Power Tiller	Rs 0.75 Lakh of 50 % of the cost which ever is less	2	1.50	-	-
4	Power Weedar	Rs 0.19 lakh of 50 % of the cost which ever is less	10	1.90	4	0.79
5	Thresher/multicrop/Thresher/ Mandua Thresher	Rs 0.25 lakh of 50 % of the cost which ever is less	2	0.50	1	0.25
6	Chaff Cutter	Rs 0.063 lakh of 50 % of the cost which ever is less	5	0.315	-	-
7	Chaff Cutter Power	Rs 0.20 lakh of 50 % of the cost which ever is less	-	-	-	-
8	Rotavator	Rs 0.44 lakh of 50 % of the cost which ever is less	-	-	-	-
9	Reper	Rs 0.63 lakh of 50 % of the cost which ever is less	-	-	-	-
10	Herrow	Rs 0.19 lakh of 50 % of the cost which ever is less	-	-	-	-
11	Cultivator	Rs 0.19 lakh of 50 % of the cost which ever is less	-	-	-	-
12	Riper Cum Bimder (Self Peopeled)	Rs 0.25 lakh of 50 % of the cost which ever is less	-	-	-	-
13	Animal Drawn	Rs 0.02 lakh of 50 % of the cost which ever is less	50	1.00	-	-
14	Small Farm Machienary	Rs 0.001 lakh of 50 % of the cost which ever is less	500	0.50	500	0.50
Total			**572**	**20.715**		**15.54**

उद्यान विभाग

जिला योजना, राज्य योजना एवं केन्द्र पोषित योजना वर्ष 2018–19 का योजनावार वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण जनपद–चमोली

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग जनपद–चमोली

	वित्तीय प्रगति				भौतिक प्रगति					
क्र. सं.	विभाग–योजना/ मद/ कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित परिव्यय	अवमुक्त	व्यय	विभाग–योजना/मद / कार्यक्रम का नाम	इकाई	लक्ष्य	उपलब्धि माह में	उपलब्धि क्रमिक	लाभान्वित
1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12
	जिला सैक्टर									
	अनुदान संख्या–29 सामान्य श्रेणी हेतु योजनावार परिव्यय का विवरण									
	9111–फल/सब्जियों को सुखाकर प्रसंस्करण करने की योजना	6.80	6.80	6.80	प्लास्टिक क्रेट्सों का वितरण	सं0	500	0	534	142
					छोटे पॉलीहाउस स्थापना	सं0	13	2	13	13
	9112–उन्नत किस्म की रोपण सामग्री के उत्पादन एवं पौधालय विकास	21.96	21.96	21.96	कीट व्याधि रसायन वितरण	कि0ग्रा0	450	0	462.75	0
					औद्यानिक औजार वितरण	सं0	384	0	384	255
					कुरमुला नियंत्रण	कि0ग्रा0	400	0	412.80	0
					उद्यानों की घेरबाड	है0	2.00	0	2.00	3
					आलू बीज वितरण	कु0	60.00	0	80.00	165
1	योग	**28.76**	**28.76**	**28.76**	–	–	–	0	0.00	0
	अनुदान संख्या 30 अनुसूचित जाति(स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान) हेतु योजनावार परिव्यय का विवरण									
	0291–फल/सब्जियों को सुखाकर प्रसंस्करण करने की योजना	0.25	0.25	0.25	प्लास्टिक क्रेट्सों/ कोरोगेटेड बाक्सों का वितरण	सं	500	0	579	8
	0292–उन्नत किस्म की रोपण सामग्री के उत्पादन एवं पौधालय विकास	7.46	7.46	7.46	छोटे पॉलीहाउस स्थापना	सं0	7	0	7	7
					औद्यानिक औजार वितरण	सं0	66	0	66	66
					उद्यानों की घेरबाड	है0	1.00	0	1.00	2
					कीट व्याधि रसायन वितरण	कि0ग्रा0	130.00	0	133.20	0
					कुरमुला नियंत्रण	कि0ग्रा0	200.00	0	206.40	0
	योग	**7.71**	**7.71**	**7.71**						
	अनुदान संख्या 31 जनजाति उपक्षेत्र योजना (टी0एस0पी0) हेतु योजनावार परिव्यय का विवरण									
3	14–फल/सब्जियों को सुखाकर प्रसंस्करण करने की योजना	0.06	0.06	0.06	प्लास्टिक क्रेट्सों का वितरण	सं0	50	0	53	20
	15 उन्नत किस्म की रोपण सामग्री और पौधालय विकास	3.21	3.21	3.21	छोटे पॉलीहाउस स्थापना	सं0	4	4	4	4
					औद्यानिक औजार वितरण	सं0	20	0	20	20
					कीट व्याधि रसायन वितरण	कि0ग्रा0	30	0	58.00	38
					कुरमुला नियंत्रण	कि0ग्रा0	70.00	0	77.40	52
	योग	**3.27**	**3.27**	**3.27**	–	–	–	–	–	–
	जिला सैक्टर योग–	**39.74**	**39.74**	**39.74**	–	–	–	–	–	–

	वित्तीय प्रगति				भौतिक प्रगति					
क्र. सं.	विभाग–योजना/ मद/ कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित परिव्यय	अवमुक्त	व्यय	विभाग–योजना/मद / कार्यक्रम का नाम	इकाई	लक्ष्य	उपलब्धि		लाभान्वित
								माह में	क्रमिक	
1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12
अनुदान संख्या–29 सामान्य श्रेणी हेतु योजनावार परिव्यय का विवरण										
1	0303– रा0उ0 को सुदृढीकरण करने की योजना		9.60	9.60	फल पौध उत्पादन	सं0	0.25	0	0.254	–
					सब्जी पौध उत्पादन	सं0 ला0	5.00	3.90	5.40	–
					आलू बीज उत्पादन	कु0	60.00	0	62.00	–
					सब्जी बीज उत्पादन	कि0ग्रा0	–	0	47.00	–
	12–उत्तराखण्ड में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना/संगोष्ठी		1.58	1.58	–	–	–	–	–	–
3	14–पुराने उद्यानों का जीर्णोद्धार/घेरबाड		5.00	5.00	पुरानें उद्यानों की घेरबाड	है0	5.00	1.50	5.00	10
4	23– एन्टी हेलनेट की योजना		0.00	0.00	एन्टी हेलनेट	वर्गमी0	0	–	0	0
6	16–मुख्यमंत्री संरक्षित उद्यान विकास योजना		28.55	28.55	पॉलीहाउस निर्माण	वर्गमी0	4300	–	4300	26
03–औद्यानिक विकास										
1	21–उद्यानों की जीर्णोद्धार योजना		0.00	0.00	जीणोद्धार	है0	0	–	–	–
2	23–ग्रीन हाउस की पॉलीथीन बदलाव की योजना		0.50	0.50	पॉलीहाउस पॉलीथीन बदलाव	वर्गमी0	1330.00	1330.20	1330.20	6
3	25–फल पौध रोपण की योजना(निशुल्क फल पौध रोपण)		13.92	13.92	निशुल्क फल पौध वितरण	ला0सं0	0.20	0.08665	0.22260	4393
4	29–उत्तराखण्ड में बेमौसमी सब्जी उत्पादन (75%रास0स0)		13.50	13.50	प्रदर्शन	है0	27.00	–	27.00	720
5	30–फल पौधशालाओं की स्थापना		0.38	0.38	–	सं	–	–	–	–
6	31–जैविक बागवानी की खेती		6.00	6.00	जैविक रसायन	कि0ग्रा0	15000	15000	15000	962
7	33– अखरोट एवं अन्य गिरीदार फलों (नट फ्रूट) के सर्वागीण विकास हेतु मिशन		0.000	0.000	अखरोट पौध रोपण	है0	–	–	–	–
8	35–मशाला मिर्च को प्रोत्साहन देनें हेतु अनुदान		0.00	0.000	–	सं0	–		–	
9	36–बर्मी कम्पोस्ट इकाईयों की स्थापना		5.00	5.00	बर्मी कम्पोस्ट	सं	20	1	20	20
	योग	**0.00**	**84.03**	**84.03**	–	–	–		–	–

	वित्तीय प्रगति				भौतिक प्रगति					
क्र. सं.	विभाग–योजना/ मद/ कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित परिव्यय	अवमुक्त	व्यय	विभाग–योजना/मद / कार्यक्रम का नाम	इकाई	लक्ष्य	उपलब्धि		लाभान्वित
								माह में	क्रमिक	
1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12
1	210–सघन एवं बैमौसमी		1.15	1.15	सब्जी प्रदर्शन	सं0	300	0	383	383
2	16–उद्यानों की घेरबाड़ की योजना		3.00	3.00	पुरानें उद्यानों की घेरबाड	56	3.00	0.25	3.00	8
	योग	**0.00**	**4.15**	**4.15**						
अनुदान संख्या 31 जनजाति उपक्षेत्र योजना (टी0एस0पी0) हेतु योजनावार परिव्यय का विवरण										
1	0796–जनजाति उपयोजना									
	03–उत्तरांचल में जनजाति क्षेत्र/व्यक्तिगत विकास		0.75	0.75	आलू बीज वितरण	कु0	25.00	47.60	47.60	95
	04–27–राजकीय उद्यानों का सुदृढ़ीकरण		4.17	4.17	फल पौध उत्पादन	सं0	1000	–	1230	–
	21–सघन बेमौसमी सब्जी उत्पादन का विकास		0.25	0.25	सब्जी प्रदर्शन	सं0	80	0	83	83
	29–घेरबाड़ की योजना		0.40	0.40	उद्यानों की घेरबाड	है0	0.40	0.40	0.40	1
	योग जनजाति	**0.00**	**5.57**	**5.57**	–	–	–	–	–	–
	राज्य सैक्टर योग–	**0.00**	**93.75**	**93.75**	–	–	–	–	–	–
	योग जिला सैक्टर+राज्य सैक्टर	**39.74**	**133.49**	**133.49**	–	–	–	–	–	–
केन्द्र पोषित योजनाएं										
1	हार्टीकल्चर टैक्नालॉजी मिशन (एच0एम0एन0ई0एच0)	**174.09**	**135.61**	**120.85**	फल क्षेत्र विस्तार	है0	93.00	0	93.00	152
					सब्जी क्षेत्र विस्तार	है0	70.00	0	70.00	705
					मशाला मिर्च	है0	10.00	0	10.00	20
					पुष्प क्षेत्र विस्तार	है0	20.00	0	20.00	198
					जीणोद्धार	है0	10.00	0	10.00	10
					प्लास्टिक मल्चिंग	है0	37.00	0	37.00	58
					पॉलीहाउस	वर्ग मी0	4200	0	4200	2
					एन्टी हैलनेट	वर्ग मी0	100000	0	0	0
2	सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम (बी0ए0डी0पी0)		**7.73**	**2.73**	उद्यानीकरण	है0	6.00	0	6.00	30
3	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर0के0वी0वाई0)		**4.74**	**4.74**	सब्जी बीज वितरण	कु0	60.00	15.55	71.83	2756
					आलू बीज वितरण	कु0	100.00	0	133.40	265
	कुल योग (रा0सै0+जि0सै0+केन्द्र पोषित)	**213.83**	**281.57**	**261.81**	–	–	–	–	–	–

पशुपालन विभाग

क्रं0स0	वर्ष	योजना का नाम	विकास खण्ड का नाम	इकाई	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति
1	2018–19	राज्य सैक्टर गौ पालन योजना	गैरसैण	5	180000	5
2			जोशीमठ	6	216000	6
3			कर्णप्रयाग	7	252000	7
4			घाट	6	216000	6
5			दशोली	6	216000	6
6			पोखरी	2	72000	2
7			नारायणबगड	3	108000	3
8			थराली	3	108000	3
9			देवाल	3	108000	3
1	2018–19	राज्य सैक्टर भेड पालन योजना	गैरसैण	3	189000	3
2			जोशीमठ	4	252000	4
3			कर्णप्रयाग	2	126000	2
4			घाट	3	189000	3
5			दशोली	4	252000	4
6			पोखरी	2	126000	2
7			नारायणबगड	2	126000	2
8			थराली	2	126000	2
9			देवाल	2	126000	2
1	2018–19	राज्य सैक्टर बकरी पालन योजना	गैरसैण	3	189000	3
2			जोशीमठ	3	189000	3
3			कर्णप्रयाग	2	126000	2
4			घाट	4	252000	4
5			दशोली	4	252000	4
6			पोखरी	2	126000	2
7			नारायणबगड	3	189000	3
8			थराली	3	189000	3
9			देवाल	3	189000	3

क्रं0स0	वर्ष	योजना का नाम	विकास खण्ड का नाम	इकाई	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति
1	2019–20	राज्य सैक्टर गौ पालन योजना	गैरसैण	6	216000	6
2			जोशीमठ	6	216000	6
3			कर्णप्रयाग	5	180000	5
4			घाट	5	180000	5
5			दशोली	6	216000	6
6			पोखरी	6	216000	6
7			नारायणबगड	7	252000	7
8			थराली	7	252000	7
9			देवाल	6	216000	6
1	2019–20	राज्य सैक्टर भेड पालन योजना	गैरसैण	5	315000	5
2			जोशीमठ	7	441000	7
3			कर्णप्रयाग	6	378000	6
4			घाट	5	315000	5
5			दशोली	7	441000	7
6			पोखरी	6	378000	6
7			नारायणबगड	5	315000	5
8			थराली	6	378000	6
9			देवाल	5	315000	5
1	2019–20	राज्य सैक्टर बकरी पालन योजना	गैरसैण	6	378000	6
2			जोशीमठ	8	504000	8
3			कर्णप्रयाग	6	378000	6
4			घाट	6	378000	6
5			दशोली	8	504000	8
6			पोखरी	5	315000	5
7			नारायणबगड	5	315000	5
8			थराली	5	315000	5
9			देवाल	5	315000	5

क्रं0स0	वर्ष	योजना का नाम	विकास खण्ड का नाम	इकाई	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति
1	2015–16	बी0ए0डी0पी0 के अन्तर्गत 10 लघु भेड पालन इकाई स्थापना	जोशीमठ	10	400000	10
2		बी0ए0डी0पी0 के अन्तर्गत 05 खच्चर पालन इकाई स्थापना		5	525000	5
1	2016–17	बी0ए0डी0पी0 के अन्तर्गत 45 लघु भेड पालन इकाई स्थापना		45	2115000	45
2		बी0ए0डी0पी0 के अन्तर्गत 10 खच्चर पालन इकाई स्थापना		10	1100000	10
1	2017–18	बी0ए0डी0पी0 के अन्तर्गत 10 लघु भेड पालन इकाई स्थापना		10	500000	10
2		बी0ए0डी0पी0 मॉडल ग्राम के अन्तर्गत 04 लघु भेड पालन इकाइ स्थापना		4	200000	4
3		बी0ए0डी0पी मॉडल ग्राम के अन्तर्गत 04 अंगोरा बकरी पालन इकाई		4	200000	4
4		बी0ए0डी0पी मॉडल ग्राम के अन्तर्गत 01 ऊन कतरन प्लेटफार्म स्थापना		1	500000	1
1	2018–19	मॉडल ग्रामों में 08 बकरी पालन इकाई की स्थापना एंव जागरूक्ता गोष्ठी		8	560000	8
2		बी0ए0डी0पी के अन्तर्गत 30 भेड पालन एंव 20 रैम्बुले इकाई स्थापना		50	1512000	50
1	2019–20	याक कंन्द्र लाता में याकों के शैड एवं आवासीय भवन निर्माण कार्य		2	240000	2
2		याक केन्द्र पर व्यवस्थित 04 दैनिक श्रमिकों के वेतन हेतू		4	415000	4
3		याकों हेतू शीतकाल मे ंचारा दाना खनिज मिश्रण एवं औषधि क्रय हेतू		10	185000	10

खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड

उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रोमोद्योग बोर्ड चमोली द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का वर्षवार विवरण
(उत्तराखण्ड़ सरकार)

क्र0स0	विकास खण्ड का नाम	वर्ष 2015–16			वर्ष 2016–17			वर्ष 2017–18			वर्ष 2018–19		
		भौतिक	वित्तीय (धनराशि लाख रू0 मे)	रोजगार	भौतिक	वित्तीय (धनराशि लाख रू0 मे)	रोजगार	भौतिक	वित्तीय (धनराशि लाख रू0 मे)	रोजगार	भौतिक	वित्तीय (धनराशि लाख रू0 मे)	रोजगार
1	गैरसैण	3	6.00	4	4	19.00	11	9	33.25	19	18	102.00	49
2	घाट	4	13.00	7	6	40.00	21	2	5.70	3	7	27.00	15
3	दशोली	11	25.00	14	5	14.00	9	22	77.425	37	13	52.00	34
4	कर्णप्रयाग	10	32.00	20	8	37.00	18	0	0	0	4	19.00	9
5	पोखरी	1	5.00	3	0	0	0	1	3.80	2	1	2.50	2
6	देवाल	2	4.00	3	0	0	0	7	17.58	10	7	21.50	10
7	नारायणबगड	5	22.00	14	0	0	0	0	0	0	2	12.00	6
8	जोशीमठ	8	16.00	10	10	26.00	13	13	47.975	23	0	0	0
9	थराली	0	0.00	0	2	10.00	5	7	17.58	10	3	9.00	6
कुल योग		**44**	**123**	**75**	**35**	**146**	**77**	**61**	**203.3**	**104**	**55**	**245**	**131**

उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रोमोद्योग बोर्ड चमोली द्वारा संचालित व्यक्तिगत उद्यमियों की ब्याज उपादान योजना का वर्षवार विवरण
(उत्तराखण्ड़ सराकार)

क्र0स0	विकास खण्ड का नाम	वर्ष 2015–16			वर्ष 2016–17			वर्ष 2017–18			वर्ष 2018–19		
		भौतिक	वित्तीय (धनराशि लाख रू0 मे)	रोजगार	भौतिक	वित्तीय (धनराशि लाख रू0 मे)	रोजगार	भौतिक	वित्तीय (धनराशि लाख रू0 मे)	रोजगार	भौतिक	वित्तीय (धनराशि लाख रू0 मे)	रोजगार
1	गैरसैण	5	19.00	9	1	4.00	2	0	0	0	0	0	0
2	घाट	10	35.50	19	3	10.00	4	0	0	0	0	0	0
3	दशोली	24	79.00	36	21	72.70	36	3	6	4	2	10.00	5
4	कर्णप्रयाग	4	24.00	12	7	19.00	8	3	8.50	6	6	30.00	17
5	पोखरी	2	4.00	2	5	13.50	7	0	0	0	0	0	0
6	देवाल	7	22.00	11	2	7.00	3	2	5.00	3	3	13.00	7
7	नारायणबगड	0	0	0	9	28.70	15	0	0	0	0	0	0
8	जोशीमठ	0	0	0	7	19.00	8	1	3	2	2	5.70	4
9	थराली	0	0	0	8	27.50	16	0	0	0	0	0	0
कुल योग		**52**	**183.5**	**89**	**63**	**201.4**	**99**	**9**	**22.5**	**15**	**13**	**58.7**	**33**

उरेड़ा विभाग

उरेड़ा चमोली द्वारा वर्ष 2015 से 2019 तक किये कार्यों का वर्षवार विवरण

वर्ष	क्र0 सं0	मद का नाम	अवमुक्त धनराशि	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति
2015—16	1	सोलर स्ट्रीट लाईट	16,615,000.00	16,615,000.00	631
	2	लघु जल विद्यूत मरम्मत कार्य	2,400,000.00	2,400,000.00	6
	3	प्रचार प्रसार	25,000.00	25,000.00	1
	4	कार्यालय सुदृढीकरण	100,000.00	1.00,000.00	1
कुल			**19,140,000.00**	**19,040,000.00**	
वर्ष	**क्र0 सं0**	**मद का नाम**	**अवमुक्त धनराशि**	**वित्तीय प्रगति**	**भौतिक प्रगति**
2016—17	1	सोलर स्ट्रीट लाईट	7,513,000.00	7,513,000.00	326
	2	लघु जल विद्यूत मरम्मत कार्य	2,000,000.00	2,000,000.00	4
	3	प्रचार प्रसार	24,000.00	24,000.00	1
	4	सोलर पावर प्लान्ट	1,713,000.00	1,713,000.00	7
कुल			**11,250,000.00**	**11,250,000.00**	
वर्ष	**क्र0 सं0**	**मद का नाम**	**अवमुक्त धनराशि**	**वित्तीय प्रगति**	**भौतिक प्रगति**
2017—18	1	सोलर स्ट्रीट लाईट	9,433,000.00	9,433,000.00	294
	2	लघु जल विद्यूत मरम्मत कार्य	1,650,000.00	1,650,000.00	4
	3	प्रचार प्रसार	50,000.00	50,000.00	1
कुल			**11,133,000.00**	**11,133,000.00**	

चाय विकास बोर्ड

उत्तराखण्ड चाय विकास बोर्ड चमोली द्वारा किये गये कार्या का वर्षवार विवरण

क्र0सं0	विकास खण्ड का नाम	वर्ष	स्वीकृत लक्ष्य (है0)	उपलब्धि (है0)	लाभान्वित ग्रामसभा	लाभान्वित कास्तकारों की संख्या	लाभान्वित श्रमिकों की संख्या		वर्षवार व्यय विवरण				
वर्ष 2015–16 से पूर्व है0				111.6			महिला	पुरूष	नर्सरी स्थापना / रख रखाव	न्यू प्लान्टेशन (रू0लाख)	बागान रख रखाव (रू0लाख)	इनफिलिंग (रू0लाख)	योग धनराशि (रू0लाख)
1	गैरसैंण	2015-16	140	3.68	30	389	282	126	22.57	6.24	97.22	0.00	126.03
		2016-17		4.02			259	110	19.73	7.52	91.18	0.00	118.43
		2017-18		0.26			210	87	10.92	0.49	86.18	0.00	97.59
		2018-19		8.81			243	96	9.11	14.86	89.47	0.85	114.29
कुल योग				**128.37**			**994**	**419**	**62.33**	**29.11**	**364.05**	**0.85**	**456.34**
वर्ष 2015–16 से पूर्व है0				49.22									
2	कर्णप्रयाग	2015-16	60	1.3	13	242	72	59	0.61	1.93	33.65	0.00	36.19
		2016-17		0.13			48	28	0.00	0.16	26.57	0.00	26.73
		2017-18		0.00			47	29	0.00	0.00	28.00	0.00	28.00
		2018-19		5.15			59	55	0.00	9.26	25.07	0.00	34.33
कुल योग				**55.8**			**226**	**171**	**0.61**	**11.35**	**113.29**	**0.00**	**125.25**
वर्ष 2015–16 से पूर्व है0				18.109									
3	पोखरी	2015-16	60	3.551	13	252	75	22	5.73	6.17	8.76	0.00	20.66
		2016-17		2.80			89	29	2.31	5.06	10.61	2.97	20.95
		2017-18		0.94			34	12	0.00	1.78	8.31	0.12	10.21
		2018-19		0.00			36	5	0.00	0.00	8.70	1.31	10.01
कुल योग				**25.4**			**234**	**68**	**8.04**	**13.01**	**36.38**	**4.40**	**61.83**
वर्ष 2015–16 से पूर्व है0				22.786									
4	थराली	2015-16	60	5.218	14	155	136	29	8.03	8.75	12.45	0.00	29.23
		2016-17		3.57			125	32	7.25	6.79	11.82	0.17	26.03
		2017-18		2.95			80	12	0.67	5.54	9.41	0.88	16.50
		2018-19		2.034			121	18	0.32	3.73	20.86	0.04	24.95
कुल योग				**36.56**			**462**	**91**	**16.27**	**24.81**	**54.54**	**1.09**	**96.71**
महायोग				**246.13**	**70**	**1038**	**1916**	**749**	**87.25**	**78.28**	**568.26**	**6.34**	**740.13**

अध्याय–5

विश्लेषण एवं सिफारिशें

चमोली जनपद हिमालय की गोद में बसा है। जनपद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 8030 वर्गकिलोमीटर है। जनपद के उत्तर–पि"चम में जनपद उत्तरका"ाी, पूर्व में जनपद पिथौरागढ़, दक्षिण–पूर्व में जनपद अल्मोड़ा, दक्षिण–पि"चम में जनपद रूद्रप्रयाग, पि"चम में जनपद टिहरी गढ़वाल तथा उत्तर में तिब्बत की सीमा लगती है। जनपद की वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या 3,91,605 है। जनपद में 9 विकास खण्ड, 12 तहसील तथा 1244 राजस्व ग्राम हैं। यहाँ का अधिका"ा भाग पर्वतीय होने के कारण यहाँ की मिट्टी पथरीली तथा उबड़–खाबड़ है। अधिका"ा जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। इनका मुख्य व्यवसाय खेती तथा प"ाुपालन है। कुल जनसंख्या का 81.78 प्रति"ात आबादी गाँवों में तथा 18.22 प्रति"ात आबादी नगर क्षेत्र में निवास करती है।

आकड़ों के वि"लेषण से पता चलता है कि जनपद के ग्रामों में रहने वाले लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है, तत्प"चात मजदूरी और सरकारी सेवा है। पिछले 10 वर्षो में 556 ग्राम पंचायतों से कुल 32020 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर अपने घरों में आना–जाना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा स्थायी रूप से पलायन नहीं किया गया है।

पिछले 10 वर्षों में 373 ग्राम पंचायतों से 14289 व्यक्तियों द्वारा पूर्णरूप से स्थायी पलायन किया गया है, जो कि गम्भीर चिन्ता का विषय है। आकड़ें द"ार्ाते हैं कि जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन अधिक हुआ है।

आकड़ों से स्पष्ट हुआ है कि लगभग 43 प्रति"ात पलायन 26 से 35 वर्ष के आयु वर्ग द्वारा किया गया है।

Demographic Data

Census wise data

Year	Pop.	±%p.a.
1901	102,602	--
1911	114,599	+ 1.11%
1921	115,924	+0.12%
1931	127,559	+ 0.96%
1941	143,861	+ 1.21%
1951	152,823	+ 0.61%
1961	182,606	+ 1.80%
1971	213,629	+ 1.58%
1981	265,216	+ 2.19%
1991	325,247	+ 2.06%
2001	370,359	+ 1.31%
2011	391,605	+ 0.56%

जनपद की 80% जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती हैं वर्ष 2001 एवं वर्ष 2011 के मध्य जनसंख्या वृद्धि का प्रति"ात 5.74 प्रति"ात था जो कि राज्य औसत से कम है। ग्रामीण क्षेत्रों म जनसंख्या वृद्धि की दर और भी कम है तथा कुछ विकास खण्ड़ों में यह घटी है, जैसे कि द"ाोली (–2.88%), पोखरी (–13.39%), कर्णप्रयाग (–8.45%), थराली (–12.43%) तथा गैरसैंण (–6.96%)। ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में परिवार का औसत आकार 4 है। जनसंख्या घनत्व सबसे अधिक नारायणबगड़ विकास खण्ड में 138.65 व्यक्ति/वर्गकि0मी0 है तथा सबसे कम जो"ामठ विकास खण्ड में 7.48 व्यक्ति/वर्गकि0मी0 है। अनुसचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति का प्रति"ात सबसे अधिक जो"ामठ विकास खण्ड में है। कुल मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या का प्रति"ात सबस अधिक जो"ामठ विकास खण्ड में है तथा कृषि में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रति"ात सबसे अधिक गैरसैंण विकास खण्ड में है।

विकासखण्ड	जनसंख्या 2011 के अनुसार ग्रामों की संख्या		
	आबाद	गैर आबाद	कुल
1	2	3	4
जोशीमठ	90	5	95
कर्णप्रयाग	206	13	219
दशोली	112	10	107
घाट	89	8	97
नारायणबगड	146	7	153
गैरसैण	219	11	230
थराली	92	0	88
देवाल	71	3	74
पोखरी	133	7	140
योग ग्रामीण	1158	64	1203
वन	12	12	24
योग जनपद	1170	76	1227

आयोग की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2011 के बाद जनपद में 41 और गांव/तोक गैर आबाद हो गये हैं।

आर्थिक आंकड़े

सकल राज्य/जनपद सकल घरेलू उत्पाद (प्रचलित भाव पर) Gross State/District Domestic Product (At current prices) :–सकल राज्य एवं घरेलू उत्पाद, जिसे सामान्यतः राज्य आय (State Income) के नाम से भी जाना जाता है किसी भी राज्य के आर्थिक विकास का सर्वोत्तम मापदण्ड है। यह अनुमान राज्य की अर्थव्यवस्था के आकार को भी प्रद"ार्ति करता है। वर्ष 2017–18 के प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार प्रचलित भाव पर राज्य का सकल घरेलू उत्पाद पिछले वर्ष 2016–17 (त्वरित) के रू0 195606/–करोड की तुलना में रू0 217609 करोड़ अनुमानित है, जोकि 11.25 प्रति"ात की वृद्धि द"ार्ाता

है। राज्य की अर्थव्यवस्था में मुख्य रूप से योगदान विनिर्माण (37.57 प्रति"ात), निर्माण (8.70 प्रति"ात), व्यापार होटल एवं जलपानगृह (12.72 प्रति"ात), तथा परिवहन भण्डारण संचार एवं प्रसारण (8.07 प्रति"ात) से सम्बन्धित सेवा आदि आर्थिक गतिविधियों को जाता है। राज्य आय के अनुमान विभिन्न वित्तीय संस्थाओं, गैर वित्तीय संस्थाओं, सरकारी, निजी, गैर सरकारी उपक्रमों, स्थानीय निकायों, पारिवारिक उद्यमों आदि की आर्थिक गतिविधियों का आंकलन कर राज्य उत्पादन के आंकड़े तैयार किये जाते हैं। जनपद में वर्ष 2016–17 (अनन्तिम) में चमोली का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) राज्य में रू0 573115.00 लाख है।

सकल राज्य/जनपद सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव पर) (Gross District Domestic Product at Constant Prices) :–स्थिर भावों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद राज्य की अर्थव्यवस्था के वास्तविक आकार एवं राज्य की विकास दर को प्रद"ार्ति करता है। प्रथम अग्रिम अनुमानों के अनुसार वर्ष 2017–18 के स्थिर भाव पर प्रदे"ा का सकल घरेलू उत्पाद रू0 173444 करोड़ अनुमानित है, जबकि वर्ष 2016–17 (त्वरित) में यह रू0 162451 करोड़ अनुमानित है जो कि प्रदे"ा की आर्थिक विकास की दर वर्ष 2017–18 में स्थिर भावों (आधार वर्ष 2011–12) पर 6.77 प्रति"ात द"ार्ाता है। वर्ष 2016–17 (अनन्तिम) अनुमान के अनुसार चमोली का सकल घरेलू उत्पाद राज्य में रू0 467071 लाख है।

आर्थिक विकास दर (स्थिर भावपर):–स्थिर भाव (वर्ष 2011–12) के अनुसार जनपद चमोली की आर्थिक विकास दर 6.23 प्रति"ात है।

प्रतिव्यक्ति आय (Per Capita Income) :–राज्य निवल घरेलू उत्पाद (Net State Domestic Product) के आधार पर वर्ष 2016–17 (अनन्तिम) अनुमानों में जनपद चमोली की प्रतिव्यक्ति आय रू0 118448 अनुमानित है।

Uttarakhand Human Development report 2019 salient data on Chamoli district

1- District growth rate 2016-17….6.2%, state average 7.0%
2- District poverty rate 2017….27.7%, state average 15.6 %
3- District average per capita income (2016-17) Rs 1,18,000/ State Per capita income Rs 1,61,000
4- District % of rural households receiving remittances from migrants 61.8%

सामान्य सिफारिशें

चमोली जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को कम करने के लिए निम्नलिखित सामान्य सिफारि"ों की जा रही हैं:–

1. **ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत एवं सुदृढ़ करना** :– कमजोर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के कारण आजीविका के साधनों का अभाव है तथा इससे उचित ि"ाक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार वि"ोषकर उन विकास खण्ड़ों तथा ग्राम पंचायतों में जहाँ से पिछले कुछ वर्षों से अधिक पलायन हुआ है, को मजबूत एवं सुदृढ़ बनाया जाना आव"यक है।

   ग्राम पंचायत स्तर पर स्थानीय सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए वहाँ की वि"ोष परिस्थितियों को देखते हुए योजना बनाई जानी चाहिए। इस योजना को upscale करके विकास खण्ड स्तर पर

आर्थिक विकास का एक ढांचा तैयार किया जाये। जनपद चमोली के कुछ विकास खण्ड़ों को बद्रीनाथ जा रहे लाखों तीर्थयात्रियों का लाभ मिलता है परन्तु कुछ विकास खण्डों जैसे कि देवाल एवं गैरसैंण को यात्रा मार्ग से दूर होने के कारण तीर्थयात्रियों के आवागमन का लाभ नहीं मिल पाता है। इन विकास खण्ड़ों के लिए स्थानीय परिस्थिति के अनसार अलग से योजना बनायी जानी चाहिए।

2. **प्राथमिक, माध्यमिक एवं तृतीयक क्षेत्र** :– जनपद के आर्थिक आंकड़ों का वि"लेषण करने के प"चात् यह स्पष्ट है कि पारम्परिक कृषि का योगदान Disrtict GDP में घट रहा है तथा तृतीयक क्षेत्र (Service Sector) का योगदान लगातार बढ़ रहा है। ऐसा अनुमान है कि आने वाले वर्षों में तृतीयक क्षेत्र का योगदान और भी बढ़ेगा। ग्रामीण विकास की योजनाओं में प्राथमिक एवं तृतीयक क्षेत्र पर बराबर ध्यान केन्द्रित करना आव"यक है।

3. **बुनियादी सुविधाऐं** :– कई ग्राम पंचायतों में बुनियादी सुविधाऐं जैसे कि सड़क, पानी, स्वास्थ्य एवं ि"क्षा आदि उपलब्ध नहीं हैं। सभी ग्राम पंचायतों की बुनियादी सुविधाओं की दृष्टि से Mapping कराकर इनको विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत अगले 5 वर्षों में उपलब्ध कराने से पलायन में कमी आएगी।

4. **जल उपलब्धता** :– पानी के पारम्परिक स्रोतों के सूखने से जल उपलब्धता एक चुनौती के रूप में आई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की कमी तथा सिंचाई का अभाव हुआ है। अतः भूजल पुनर्भरण की योजनाओं को प्राथमिकता देना चाहिए।

5. **जलवायु परिवर्तन** :– बदलते जलवायु के कारण पारम्परिक कृषि, बागवानी एवं प"ुपालन आदि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन पर राज्य सरकार द्वारा तैयार की गयी योजना एक मार्गद"ाक दस्तावेज है तथा इसमें प्रस्तावित कार्यों का पालन करना आव"यक है।

6. **महिला केंद्रित दृष्टिकोण** : जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएँ प्रमुख हितधारक हैं। सभी योजनाओं और उनके कार्यान्वयन को सामाजिक–आर्थिक उत्थान और ग्रामीण विकास के लिए एक महिला केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना होगा।

7. **संयोजन (कन्वर्जेंस)** : ग्रामीण सामाजिक–अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा संचालित कई कार्यक्रम हैं। उन्हें इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अपने कार्यक्रमों को संयोजन करने की आवश्यकता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को कम किया जा सके।

8. **कौशल विकास** : कौशल विकास कार्यक्रमों में उन कौशल पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए जो स्थानीय आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप हों। ये उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों, गैर–मौसमी फसलें, खाद्य/फल प्रसंस्करण, डेयरी, दूध उत्पादों के प्रसंस्करण, आतिथ्य आदि पर हो सकते हैं। उद्यमिता विकास कार्यक्रम भी गाँव या ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित किए जाने की आवश्यकता है।

9. **विकास केंद्र** : उत्तराखंड सरकार ने राज्य के ग्रामीण क्षत्रों में विकास केंद्रों के समर्थन के लिए एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरू किया है। इन पर ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि विकास केंद्रों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने और राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने की क्षमता है।

10. **जनपद स्तरीय योजना** : जनपद स्तरीय अधिकारियों को ग्रामीण सामाजिक–अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक विस्तृत पंचवर्षीय जनपद स्तरीय योजना तैयार करनी चाहिए जिसमें सभी क्षेत्रों की उप–योजना को सम्मिलित किया जाना चाहिए। इसके कार्यान्वयन को जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता वाली उच्चाधिकार समिति द्वारा समन्वित किया जाना चाहिए।

गैरसैंण ग्रीष्मकालीन राजधानी क्षेत्र

वर्ष 2020 में राज्य सरकार द्वारा जनपद चमोली स्थित गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया है। राजधानी क्षेत्र को कर्णप्रयाग–गैरसैंण–चौखुटिया (जनपद अल्मोड़ा) तक के क्षेत्र को ग्रीष्मकालीन राजधानी क्षेत्र घोषित करने की आव"यकता है ताकि यहाँ पर विकास तीव्रता के साथ हो सके। समस्त क्षेत्र के लिए मास्टर प्लान बनाया जाना चाहिए जिसमें सड़क, बिजली, पानी, ि"ाक्षा इत्यादि को सुदृढ़ करने का प्रावधान हो। इससे क्षेत्र का विकास तीव्रगति से होगा तथा पलायन भी रूकेगा। वर्तमान में गैरसैंण विकास खण्ड जनपद के उन विकास खण्ड़ों में से है जहाँ से पलायन अधिक हुआ है। कर्णप्रयाग तक निर्माणाधीन रेललाईन एवं चारधाम सड़क परियोजना भी इस क्षेत्र के विकास में मददगार सिद्ध होगी।

ग्रामीण विकास

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)

मनरेगा कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2019–20 में 23.28 लाख मानव दिवस सृजन के लक्ष्य के सापेक्ष 25.96 लाख मानव दिवसों की पूर्ति हुयी। जनपद में इस कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं की भागीदारी 61 प्रति"ात से अधिक है। कुल हाउस होल्ड जिन्होंने 100 दिन का रोजगार प्राप्त किया पिछले तीन वित्तीय वर्षों में 2193 से बढ़कर 2608 हो गया है। कोई भी ग्राम पंचायत ऐसी नहीं थी जहाँ मनरेगा के कार्य नहीं हुए। कृषि तथा उससे जुड़े हए क्षेत्रों में 65 प्रति"ात से अधिक कार्य हुए।

सिफारिशें

निम्नलिखित सिफारिशें की जाती हैंः

1. मनरेगा के तहत 60% से अधिक लाभार्थी महिलाएँ हैं, ध्यान केंद्रण उन कार्यों पर होना चाहिए जो महिलाओं के लिए अतिरिक्त आय सृजित कर सके। समान अवसर और भागीदारी सुनिश्चित करके सभी जनपदों के लिए महिलाओं का प्रतिनिधित्व 60% से अधिक बनाए रखने के प्रयास किए जाने चाहिए। महिलाओं के कौशल विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि वे कुशल श्रमिकों के रूप में लाभ उठा सके न कि अकुशल श्रमिकों के रूप में।

2. फसलों को बंदर और जंगलो सूअर जैसे जानवरों द्वारा नुकसान होने की समस्या है। जंगली सूअरों और बंदरों से फसलों की सुरक्षा के लिए संपत्तियां बनाने के लिए एक योजना वन विभाग की सहायता से तैयार की जानी चाहिए।

3. जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल और सिंचाई दोनों के लिए पानी की कमी एक बड़ी समस्या बनकर उभर रही है। इस समस्या से निपटने के लिए इस योजना के तहत कार्यों का संयोजन किया जा सकता है।

4. राज्य में बहुविध योजनाऐं स्वयं सहायता समूहों के साथ काम कर रही हैं, जिनमें मनरेगा के तहत सामुदायिक सम्पत्तियों के अन्तर्गत सामान्य कार्य क्षेत्र/"ाेड का निर्माण किया जाना चाहिए।

दीन दयाल अन्त्योदय योजना – राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डी.ए.वाय.–एन.आर.एल.एम.)

वर्ष 2019–20 में सबसे अधिक गैरसैंण विकास खण्ड में 210 स्वयं सहायता समूह बने जबकि कर्णप्रयाग, पोखरी एवं थराली में इनकी संख्या बहुत कम है या शून्य है।

सिफारिशें:

1. सूक्ष्म ऋण योजना तैयारी पर अधिक ध्यान केन्द्रित करना चाहिए, जो जरुरत आधारित है। योजना की तैयारी के सुचारू संचालन के लिए मास्टर ट्रेनरों को बढ़ाया जाना चाहिए। सामुदायिक जागरूकता और बैंक लिंकेज को सुदृढ़ बनाया जाना चाहिए।

2. जनपद में औषधीय और सुगंधी पौधों के विकास की अच्छी क्षमता है लेकिन वर्तमान में वह जनपद में एक लाभकारी गतिविधि के रूप में नहीं उभर रहा है। इसकी वास्तविक क्षमता का लाभ उठाने और इसे महत्वपूर्ण आजीविका उत्पादन गतिविधि बदलने के प्रयास किए जाने चाहिए।

3. मशरूम उत्पादन राज्य के लगभग हर जनपद में लाभदायक साबित हुआ है। आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जाना चाहिए और जनपद में मशरूम उत्पादन के विस्तार के लिए नए बाजार संपर्क का गठन किया जाना चाहिए।

4. गठित स्वयं सहायता समूहों का उचित अनुश्रवण और समीक्षा अनिवार्य है। समय समय पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए और आवश्यकता आधारित एवं क्षेत्र विशिष्ट दृष्टिकोण की समझ विकसित की जानी चाहिए।

5. अधिक सम्मिलन आवश्यक है। मनरेगा, समेकित बाल विकास योजना, मध्याहन भोजन योजना, कृषि और सहायक विभागों की योजनाएँ, वन विभाग लक्षित समूह के आजीविका अवसरों में वृद्धि करने के डी.ए.वाय.–एन.आर.एल.एम. के ध्येयों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

6. स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए गुणवत्ता निगरानी और प्रमाणन किया जाना चाहिए। इससे मानकीकरण होगा और सार्वभौमिक बाजार खुलेगा। विपणन एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उत्पादों के विपणन और खुदरा के लिए गतिशील ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म विकसित किए जाने चाहिए। एक सोशल मीडिया रणनीति विकसित की जानी चाहिए।

7. यह आव"यक है कि कर्णप्रयाग पोखरी एवं थराली विकास खण्ड़ों में नये स्वयं सहायता समूहा को बढ़ाया जाए ताकि इस कार्यक्रम का लाभ अधिक से अधिक जनमानस तक पहुँचाया जा सके।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI)

अध्याय 4 में दिए गए RSETI के सम्बन्ध में सूचना से स्पष्ट है कि इस कार्यक्रम को और सुदृढ़ बनाने की आव"यकता है। देवाल, गैरसैंण, नारायणबगड़, पोखरी एवं थराली विकास खण्ड़ों में RSETI के अन्तर्गत कार्यक्रम चलाये जाने चाहिए ताकि युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में लाभ मिल सके एवं यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन रोकने में सहायक होगा।

सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम (Border Area Development Programme)

जनपद चमोली का जो"ाीमठ विकास खण्ड सीमांत क्षेत्र का एक विकास खण्ड हैं जिसकी एक सीमा पर चीन है। विकास खण्ड में पर्यटन एक मुख्य व्यवसाय है तथा लगभग 57 प्रति"ात हाउस होल्ड पर्यटन से जुड़े हैं, अन्य कृषि आदि पर निर्भर है। बद्रीनाथ–माणा घाटी में तीर्थयात्री भारी संख्या में आते है तथा यहाँ पर बुनियादी सुविधाऐं नीति घाटी की तुलना में अधिक हैं। इस विकास खण्ड में सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न योजनाऐं संचालित किए जा रहे हैं जिनमें मुख्य रूप से सामुदायिक भवन निर्माण, उनी कार्य"ाला निर्माण, पेयजल योजना, पैदल मार्ग निर्माण, स्वयं सहायता समूहों हेतु कलस्टर लेवल की योजनाऐं आदि कार्य किए जा रहे हैं।

सीमान्त क्षेत्र विकास हेतु निम्नलिखित सिफारि"ों की जा रही हैः–

1. जो"ाीमठ विकास खण्ड के कुछ क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। कई ग्रामो तक सड़क एवं पेयजल सुविधा नहीं है। अतः मूलभूत सुविधाओं की Mapping कराकर एक वि"ोष कार्ययोजना बनाए जाने की आव"यकता है।

2. सूक्ष्म उद्योगों की भारी कमी है तथा नीति घाटी में इन पर वि"ोष ध्यान केन्द्रित करने की आव"यकता है ताकि स्थानीय भूमि पर रोजगार को सुविधा उपलब्ध हो सके।

3. नीति घाटी में भी पर्यटन की अपार सम्भावनाऐं हैं तथा यहाँ पर पर्यटन विकास किया जा सकता है।

पर्यटन

जनपद पर्यटन की दृष्टि से राज्य के अग्रणी जनपदों में से एक है। इनमें तीर्थयात्रियों की संख्या काफी अधिक है। वर्ष 2017–18 में लगभग 16,68,183 कुल पर्यटक जनपद में आए जिनमें अधिका"ा तीर्थयात्री थे। जनपद के मुख्य तीर्थ स्थल बद्रीनाथ, हेमकुण्ड साहिब, आदिबद्री, रूद्रनाथ एवं भविष्य बद्री हैं। इसके अतिरिक्त जनपद में 2 राष्ट्रीय उद्यान– फूलों की घाटी तथा नंदादेवी राष्ट्रीय उद्यान है। केदारनाथ अभ्यारण्य का भी कुछ क्षेत्र जनपद चमोली में आता है। वर्ष 2017–18 में 13754 पर्यटक इन राष्ट्रीय उद्यानों में आए, जिनमें विदे"ाी पर्यटकों की संख्या काफी कम है। यह आंकड़े अध्याय–2 में द"ार्ाये गये हैं।

ईको टूरिज्म तथा साहसिक खेलों से जुड़े पर्यटन की भी जनपद चमोली में काफी सम्भावना है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुधरेगी तथा युवाओं को रोजगार मिल सकेगा एवं पलायन पर भी अंकु"ा लगेगा। जनपद में औली पर्यटक स्थल, साहसिक खेलों से जुड़े पर्यटन के लिए वि"व प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त जनपद में ट्रेकिंग के लिए भी काफी सम्भावनाऐं हैं। रूपकुण्ड का प्रसिद्ध ट्रेक भी इसी जनपद में है। आंकड़ों से स्पष्ट है कि जनपद में विदे"ाी पर्यटकों की संख्या काफी कम है तथा उनको आकर्षित करने के लिए वि"ोष अभियान चलाये जाने की आव"यकता है। पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी मुख्य सिफारि"ों निम्नलिखित हैं:–

1. **प्राथमिकता क्षत्र** :– जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका एवं सामाजिक–आर्थिक विकास हेतु पर्यटन में अपार सम्भावनाऐं हैं, अतः इस क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता प्रदान की जानी चाहिए।

2. **इको टूरिज्म मास्टर प्लान** :– पूरे जनपद के लिए इको टूरिज्म विकास मास्टर प्लान बनाया जाना आव"यक है तथा क्षेत्र की आव"यकतानुसार उपयोजना भी बनायी जाए जिससे इको टूरिज्म का संतुलित विकास हो सके।

3. **सूचना** :– टूरिज्म पर सूचना का अभाव है। इससे पर्यटकों को असुविधा होती है। सूचना प्रसार को बढ़ावा देने के लिए एक वेबसाईट या वेब एप बनाया जाना चाहिए जिससे सभी पर्यटकों को टूरिज्म गंतव्य पर तुरन्त सभी सूचनाऐं मिल सके।

4. **ब्रांड के रूप में विपणन** :– जनपद को पर्यटन गंतव्य के अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड के रूप में विपणन किया जाना चाहिए। इससे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक बड़ी संख्या में जनपद की ओर आऐंगे।

5. **टूरिज्म तथा स्थानीय हस्तशिल्प, भोजन, संस्कृति एवं त्यौहार** :– टूरिज्म गंतव्यों के साथ स्थानीय हस्ति"ाल्प, भोजन, संस्कृति, त्यौहारों एवं मेलों, हाट बाजार को जोड़ा जाए जिससे पर्यटक इनका पूरा लाभ उठा सके। ऐसा नेपाल तथा भूटान में किया जा रहा है।

6. **स्थानीय समुदायों की भागोदारी** :– ईको टूरिज्म में स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनि"चत करने से उनको रोजगार मिलेगा तथा स्थानीय सामाजिक–आर्थिकी सुदृढ़ होगी। इससे पलायन की समस्या भी कम होगी। अतः ईको टूरिज्म में स्थानीय समुदायों की भागीदारी पर ध्यान देना जरूरी है।

7. **हितधारकां में समन्वय** :– पर्यटन से जुड़े विभिन्न हितधारकों में समन्वय बनाऐ जाने की भी सिफारि"ा की जाती है। इनमें सरकारी, गैर सरकारी तथा निजी क्षेत्र के विभिन्न हितधारक भी शामिल हैं।

8. **काशल विकास** :– पर्यटन से जुड़े कौ"ाल विकास कार्यक्रमों पर बल देकर इस क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। इनमें महिलाओं की संख्या कौ"ाल विकास कार्यक्रमों में बढ़ाए जाने की आव"यकता है।

ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाईन

वर्ष 2018 से ऋषिक"ा से कर्णप्रयाग तक की रेलवे लाईन का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है तथा यह कार्य वर्ष 2024–25 तक पूर्ण हो जाएगा। इस रेल लाईन पर कुल 12 स्टे"ान प्रस्तावित है। जिनमें से गौचर एवं कर्णप्रयाग चमोली जनपद में हैं। इस रेल लाईन निर्माण के पूर्ण होने के बाद जनपद में पर्यटन बढ़ेगा, स्थानीय लोगों को यातायात की अधिक सुविधा मिलेगी एवं कृषि, फल, सब्जी, फूल इत्यादि उत्पादों को बड़े शहरों के बाजारों तक पहुँचने में अधिक सुविधा होगी। इसी क्रम में कर्णप्रयाग से जो"ाीमठ तक रेल लाईन का भी सर्वेक्षण कार्य चल रहा है।

वन्यजीव पर्यटन :–

1. प्रत्येक राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य और संरक्षण आरिक्षिति को पर्यटन विकास योजना तैयार करनी चाहिए जो पारिस्थितिकीय स्थिति को ध्यान में रखेगी और पर्यटकों और पर्यटन क्षेत्र के प्रबंधन के लिए विस्तृत दि"ाानिर्दे"ा प्रदान करेगी।

2. इन संरक्षित क्षेत्रों के आस–पास रहने वाले स्थानीय समुदाय ने प्रकृति आधारित पर्यटन में शामिल होने की आव"यकता है। इससे आजीविका उत्पादन में मदद मिलेगी और उन्हें वन्यजीव संरक्षण और संरक्षण में शामिल किया जाएगा।

ट्रेकिंग और हाइकिंग :–

ट्रेकिंग और हाइकिंग जनपद में एक नियमित गतिविधि बनी हुई है। गतिविधि में विनियमन और सार्वजनिक–निजी समन्वय की आव"यकता है क्योंकि यह राज्य में एक लोकप्रिय गतिविधि है। ट्रेकिंग और हाइकिंग को वन्य जीवन और बर्ड वॉचिंग को ट्रेकिंग और हाइकिंग से भी जोड़ा जा सकता है।

गृह आवास :–

जनपद में कई गृह आवास (Homestay) हैं। आस–पास के प्रकृति आधारित गतिविधियों के साथ गृह आवास विकास के सम्बन्ध स्थापित किए जाने चाहिए। गृह आवास विकास, सामरिक महत्व को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण ट्रेकिंग और पर्वतारोहण मार्गों पर स्थिति ग्रामों में किया जा सकता है।

राफ्टिंग :–

नदियों में राफ्टिंग करने के लिए प्र"िाक्षित गाइड्स की संख्या बढ़ाने और गाइड के उचित प्रमाणीकरण की आव"यकता है। सुरक्षा प्रबंधन को बढाकर राफ्टिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

चारधाम सड़क परियोजना

जनपद के गौचर–बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग को चौड़ा करके चारधाम सड़क परियोजना पर निर्माण कार्य तीव्रगति से चल रहा है। अनुमान है कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के प"चात जनपद में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा एवं स्थानीय लोगां को यातायात की सुविधा बढ़ेगी तथा उनके उत्पादों को मंडियों तक पहुँचाने में आसानी होगी।

उद्योग

जनपद की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु एवं आजीविका के स्रोत बढ़ाने के लिए सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों का विकास आव"यक है। इससे ग्रामीण एवं अर्द्ध"ाहरी क्षेत्रों में रह रहे लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। वर्तमान में जनपद के अन्तर्गत मार्च 2019 तक कुल 3630 इकाईयाँ पंजीकृत हुई जिनमें लगभग 10,125.00 लाख रूपये का पूंजीनिवे"ा हुआ तथा 9060 रोजगार का सृजन हुआ। इनमें से सबसे अधिक इकाईयाँ सूक्ष्म क्षेत्र में (3609) हैं तथा 20 लघु एवं 01 मध्यम क्षत्र में है। वर्ष 2015–16 से लगातार इन इकाइयों में वृद्धि होती जा रही है। जनपद में 2 औद्योगिक क्षेत्र हैं – मिनी औद्योगिक क्षेत्र जय कंडी काले"वर तथा मिनी औद्योगिक क्षेत्र भीमतला। यह देखा गया है कि इन दोनों क्षेत्रों में काफी प्लॉट खाली हैं तथा भीमतला में एक भी इकाई स्थापित नहीं हो पायी है।

पी.एम.ई.जी.पी. कार्यक्रम छोटी इकाईयों को स्थापित करने के लिए काफी सफल सिद्ध हुआ है। जनवरी 2020 तक इस योजना के अन्तर्गत कुल 2968 लाख रूपये का निवे"ा हुआ तथा 2778 रोजगार सृजन हुए। यह कार्यक्रम विभिन्न विकास खण्ड़ों में संचालित किया जा रहा है। विकास खण्ड़ पोखरी, थराली, देवाल एवं नारायणबगड़ में इस कार्यक्रम को अधिक बढ़ावा दिए जाने की आव"यकता है।

जनपद में हथकरघा बुनकरों की संख्या जोशीमठ, दशोली, घाट एवं कर्णप्रयाग विकास खण्ड़ों में अधिक है तथा अन्य विकास खण्डों में नगण्य है। हस्तशिल्पियों की संख्या नारायणबगड़ विकास खण्ड तथा गैरसैंण विकास खण्ड़ में कम है। इन विकास खण्ड़ों में हैंडलूम तथा हैंडीक्राफ्ट आधारित इकाईयाँ अधिक संख्या में लगाये जाने की आवश्यकता है।

जनपद के अन्तर्गत रोजगार सृजन हेतु 13 ग्रोथ सेंटर स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 2 क्रमशः पीपलकोटी एवं माणा में स्थापित किए जा चुके हैं। इन 2 ग्रोथ सेंटरों से लगभग 500 शिल्पी जुड़े हुए हैं। इस क्षेत्र हेतु निम्नलिखित सिफारिशें प्रस्तुत की जा रही हैं:–

1. जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में सूक्ष्म एवं लघु क्षेत्र में विकास के लिए पी.एम.ई.जी.पी. तथा मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। लगभग सभी विकास खण्डों में हैंडलूम तथा हैंडीक्राफ्ट आधारित इकाईयाँ स्थापित की जा सकती हैं एवं इनका जनपद में अधिक संख्या में आने वाले तीर्थयात्रियों को आकर्षित करने क लिए उपयोग किया जा सकता है।
2. सूक्ष्म और लघु इकाइयों के विकास को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों पर गहन विचार करते हुए विकासखण्ड़वार कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।
3. जनपद में सूक्ष्म, लघु और कारीगर इकाइयों के विकास हेतु क्षमता विकास योजना को आवश्यकता के अनुरूप होना चाहिए।
4. जनपद के अन्तर्गत सूक्ष्म, लघु और कारीगर इकाइयों के प्रचार–प्रसार में लगे कर्मचारियों की कमी है। इसे तत्काल निस्तारित किया जाना चाहिए।
5. उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम, विशेष रूप से ऐसे विकासखण्ड़ों/ग्राम पचायतों में आयोजित किये जाने चाहिए जहां ऐसी इकाइयों की कमी है।

कृषि

जनपद में कृषि प्राथमिक क्षेत्र की मुख्य गतिविधि है। वर्ष 2016–17 में शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल लगभग 33000 हैक्टेयर था, एकबार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल लगभग 15000 हैक्टेयर था तथा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल लगभग 1500 हैक्टेयर था तथा सकल सिंचित क्षेत्रफल 3000 हैक्टेयर था। इस अवधि में खाद्यान्न का उत्पादन लगभग 62000 मीट्रिक टन था। जनपद में नहरों की लम्बाई वर्ष 2017–18 में 421 कि0मी0 थी। सभी विकास खण्ड़ों में वर्ष 2014–15 तथा वर्ष 2016–17 के मध्य सकल बोया गया क्षेत्रफल का शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल से प्रतिशत बढ़ रहा है। जोशीमठ विकास खण्ड में यह अन्य विकास खण्ड़ों की तुलना में कम है। जनपद में मुख्य फसलों में गेहूँ, जौ, मक्का, मंडुवा, दालें एवं सरसों आदि हैं। इनमें वर्ष 2014–15 तथा वर्ष 2016–17 के मध्य दालों को छोड़कर सभी फसलों का उत्पादन बढ़ा है।

जनपद में कृषि यंत्र एवं उपकरणों के आंकड़ों से स्पष्ट है कि थराली विकास खण्ड के अतिरिक्त सभी विकास खण्ड़ों में इनका अभाव है तथा इनको बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। जनपद में कृषि विकास के लिए केन्द्रपोषित एवं राज्य पोषित विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। आंकड़ों से स्पष्ट है कि सभी विकास खण्ड़ों में ग्राम स्तरीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अभाव है तथा इनको बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त सूचना सलाह केन्द्रों को सुदृढ़ किया जाना चाहिए। सिंचाई साधनों को भी और अधिक विकसित किए जाने की आवश्यकता है।

कृषि क्षेत्र के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा रहे हैंः–

1. उत्तराखण्ड विजन 2020–30 में कृषि का विविधिकरण एक मुख्य बिन्दु है तथा जनपद में भी इसे सभी विकास खण्ड़ों में अपनाया जाना चाहिए।

2. कृषि प्रसंस्करण सुविधाओं की संख्या कम है तथा विकास खण्ड़ों में यह उपलब्ध नहीं है। अतः ऐसी इकाईयों को प्रोत्साहित किए जाने की आव"यकता है।

3. कृषि विभाग को जनपद के सभी विकास खण्ड़ों/ग्राम पंचायतों मे कृषि फसलों के उत्पादन का हर वर्ष व्यापक सर्वेक्षण करके आकड़े उपलब्ध कराये जायें जिससे कृषि क्षेत्र का समायोजित विकास हो सके।

4. जनपद में कृषि बीजों की आपूर्ति भी चिन्ता का एक अहम विषय है, क्योंकि इनकी आपूर्ति जनपद के बाहर से ही नहीं बल्कि राज्य के बाहर से भी कराई जा रही है। इन बीजों को यहां की जलवायु में न तो पैदा किया जा रहा है और न ही ज्यादा पैदावार उत्पन्न की जा सकती है। इसलिए हमें इस ओर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए कि जनपद में उगाई जाने वाली फसलों के बीजों का उत्पादन जनपदों में स्थानीय स्तर पर ही करवाया जाय। इसके लिए जनपद स्तर पर कृषकों को प्र"िाक्षित एवं प्रोत्साहित कर विभिन्न स्थानीय फसलों के बीजों को उत्पादित कर संरक्षित करवाने की ओर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए।

5. जनपदों में कृषि उत्पादन के लिए वि"ोष क्षेत्र या विकासखण्ड़ स्तर पर किसान उत्पादक संगठन (Farmer Producers' Organisations) का गठन किया जा सकता है जिनका दायित्व होगा कि वो कृषकों को सहकारी रूप से खेती करवाये, खेती में म"ीनों का उपयोग करवाये, जिससे मानव"ाक्ति का उपयोग कम किया जा सके। खेती में उपज बढ़ाने के लिए उन्नत बीज और जानकारियां उपलब्ध करायें, जिससे कृषकों की आजीविका में वृद्धि सम्भव है।

6. उत्तराखण्ड विजन 2020–30 में भी किसानों को बाजारों से जोड़ने पर जोर दिया गया है। अतः कृषि विभाग प्रत्येक विकास खण्ड में मौजूदा विपणन प्रणाली का अध्ययन करने के बाद इसे सुदृढ़ बनाने के लिए व्यवहारिक उपाय करे।

7. वर्ष 2018–19 में जनपद अल्मोड़ा में मोबाइल एग्री क्लिनिक वैन की सेवा प्रारम्भ की गयी है जिससे घर–घर को कृषि, बागवानी, प"ुपालन से लाभ मिल सके तथा सम्बन्धित सूचना उपलब्ध करायी जा सके ऐसी सेवा जनपद चमोली में भी शुरू की जा सकती है।

8. जनपद में कृषि विभाग के फील्ड स्तरीय कर्मचारियों की कमी है जो कि कृषि के विकास में बाधा उत्पन्न कर रही है। मौजूदा रिक्तियों को शीघ्र भरे जाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

दुग्ध विकास, पशुपालन एवं मत्स्य पालन

जनपद में दुग्ध विकास, प"ाुपालन एवं मत्स्य पालन जनपद के ग्रामीण आबादी के लिए आय का एक मुख्य स्रोत है। लगभग सभी हाउस होल्डस में एक अथवा दो प"ाु पाले जाते हैं, जिससे अपने उपयोग के लिए तथा बेचने के लिए दूध उपलब्ध होता है। वर्ष 2003 एवं वर्ष 2012 के मध्य गोजातिय दे"ाी की संख्या में कमी आयी है। इस अवधि में कुल भेड़ों एवं बकरियों की संख्या में वृद्धि हुई है। जो"ाीमठ, द"ाोली तथा घाट विकास खण्ड में पारम्परिक रूप से भेड़ पालन सबसे अधिक होता है। बकरियों की संख्या जो"ाीमठ, घाट, गैरसैंण, देवाल एवं पोखरी विकास खण्ड़ों में अधिक है। बकरी पालन लगभग सभी विकास खण्ड़ों में बढ़ा है। इनकी संख्या सबसे अधिक थराली विकास खण्ड़ में है।

जो"ाीमठ, द"ाोली, घाट, नारायणबगड़ तथा पोखरी विकास खण्ड़ों में केवल 1–1 प"ाुचिकित्सालय हैं इनकी संख्या बढ़ाये जाने की आव"यकता है। कर्णप्रयाग तथा गैरसैंण विकास खण्ड में कोई भी भेड़ विकास केन्द्र नहीं है तथा थराली एवं पोखरो विकास खण्ड में केवल 1–1 भेड़ विकास केन्द्र है। इनकी संख्या बढ़ाये जाने की आव"यकता है।

जनपद में मत्स्य पालन प्रदे"ा के अन्य जनपदों की अपेक्षा कम है। इस पर भी ध्यान केन्द्रित करने की आव"यकता है। हाल के कुछ वर्षों में ग्रामीण विकास एवं मत्स्य विभाग के कार्यक्रमों में यह गतिविधि बढ़ी है, लेकिन इसके विस्तार की और सम्भावना है ताकि यह क्षेत्र आजीविका प्रदान करने में भागीदारी निभा सके। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार मत्स्य विभाग द्वारा अंगुलिकाओं का वितरण वर्ष 2014–15 में 23600 था जो कि वर्ष 2017–18 में घटकर 22500 हो गया।

जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में छोटी–छोटी डेयरियाँ हैं जो कि नगरीय क्षेत्र जैसे कि बद्रीनाथ, जो"ाीमठ, कर्णप्रयाग को दूध उपलब्ध करा रही है, परन्तु इनकी संख्या कम है एवं जनपद में दूध की आपूर्ति अन्य जनपदों/प्रदे"ाों से होती है।

इस क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए निम्नलिखित सिफारि"ाें की जाती हैं, ताकि ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे लोगों की आजीविका बढ़ सके एवं पलायन पर अंकु"ा लग सकेः–

1. पशुपालन की गुणवत्ता को बढ़ावा दिये जाने की आव"यकता है क्योंकि इसे कई परिवारों के आय का मुख्य स्रोत बनाया जा सकता है। जनपद को दूध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ अन्य क्षेत्रों में दुग्ध विपणन करवाने का उद्दे"य भी रखा जाय। संकर प्रजाति के दुधारू प"ाुओं के पालन हेतु प्रोत्साहित किया जाए।

2. प"ाुपालन/डेयरी विभाग द्वारा जनपद में अच्छी नस्ल के प"ाु उनके स्वास्थ्य, दुग्ध उत्पादन, पैकेजिंग एवं विपणन आदि पर वर्तमान समय में सघन अध्ययन शुरू करवाना चाहिए, तत्प"चात इस क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कार्य योजना तैयार कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान देने की आव"यकता है।

3. जनपदस्तर पर एक उचित क्रेडिट योजना शुरू की जानी चाहिए ताकि डेयरी उद्यमी बैंक से बिना किसी परे"ाानी के क्रेडिट प्राप्त कर सकें, चाहे वह एक सहकारी, आर.आर.बी. या राष्ट्रीयकृत बैंक ही क्यों न हो।

4. बेहतर लााभ के लिए दुग्ध उत्पादकों को उनकी उपज के प्रसंस्करण में पनीर, घी आदि का प्र"िाक्षण दिया जा सकता है।

5. जनपद में बकरी एवं भेड़पालन के लिए चारे का अभाव है। चारागाह एवं चारा विकास पर एक वि"ोष योजना बनाकर इसकी उपलब्धता बढ़ाने की आव"यकता है।

6. जनपद में छोटी डयेरियाँ है, लेकिन दूध एवं दुग्ध उत्पादों की मांग अधिक होने के कारण इसकी आपूर्ति अन्य जनपदों/प्रदे"ाों से हो रही है। इस क्षेत्र पर फाकस करके जनपद में दूध एवं दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाये जाने की आव"यकता है।

7. मुर्गी पालन भी एक महत्वपूर्ण गतिविधि है जोकि मुख्यतया बैकयार्ड पोल्ट्री के रूप में चल रही है। इसे भी Upsacale किया जा सकता है ताकि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आपूर्ति की जा सके।

8. पिछले कुछ वर्षों में प्रदे"ा में मत्स्य पालन ग्रामीण क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आय का स्रोत बन रहा हैं जनपद चमोली में इस क्षेत्र पर भी ध्यान केन्द्रित किए जाने की आव"यकता है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों को आजीविका हेतु साधन प्रदान किया जा सके।

उद्यान

जनपद चमोली में विभिन्न फलों एवं सब्जियों का उत्पादन हो रहा है, जैसे कि सेव, ना"ापाती, आडू, खुमानी, अखरोट, आम इत्यादि तथा सब्जियों में मटर, मूली, बंदगोभी, फूलगोभ, प्याज, आलू, टमाटर इत्यादि। जनपद में उद्यानों के अन्तर्गत क्षेत्रफल वर्ष 2015–16 में 3632.73 हैक्टेयर था जो कि वर्ष 2017–18 में बढ़कर 4065.93 हैक्टेयर हो गया, परन्तु इस अवधि में फल संरक्षण केन्द्रों तथा कुल नर्सरियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वर्ष 2017–18 में कर्णप्रयाग, गैरसैंण एवं देवाल विकास खण्ड़ों में कोई भी नर्सरी नहीं थी तथा अन्य विकास खण्डों में भी नर्सरियों की संख्या कम है। इन्हें बढ़ाये जाने की आव"यकता है ताकि उद्यानों के अन्तर्गत क्षेत्रफल में वृद्धि हो सके। जनपद में वर्ष 2017–18 में कुल 5 फल संरक्षण केन्द्रा थे। इनमें से मात्र 1 ग्रामीण क्षेत्र में है। इनकी संख्या भी बढ़ाय जाने की आव"यकता है। जो"ाीमठ विकास खण्ड में उद्यानों के अन्तर्गत क्षेत्रफल सबसे अधिक है तथा घाट, देवाल एवं पोखरी विकास खण्ड़ों में यह कम है।

जनपद में विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन हो रहा है तथा जो"ाीमठ एवं नारायणबगड़ विकास खण्ड में आलू का एव अन्य सब्जियों का उत्पादन कम है। गैरसैंण, पोखरी एवं घाट विकास खण्ड में सब्जियों का उत्पादन कम है तथा इन क्षेत्रों में वि"ोष ध्यान देना चाहिए।

जनपद में फल एवं सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाये जाने हेतु निम्नलिखित सिफारि"ों की जा रही हैं:–

1. जनपद में बागवानी के क्षेत्रफल को बढाने की काफी अच्छी सम्भावनायें हैं। फलों की अच्छी मांग हेतु बाजार उपलब्ध है परन्तु इसके लिए उन्नत किस्मों की रोपण सामाग्री उपलब्ध कराना होगा। अधिक मात्रा में अखरोट की कलमी प्रजाति का रोपण किया जा सकता है, जिसकी बढ़ती मांग दुनिया भर में है।

2. स्थानीय उद्यमियों के लिए फलों की नर्सरी स्थापित कर रोपण सामग्री उपलब्ध करवाना एक फायदेमंद आजीविका सिद्ध हो सकती है।

3. जिले के लिए बागवानी विकास योजना तैयार की जानी चाहिए जो कि मौजूदा फल उत्पादन की गुणवत्ता (प्रजातियां सहित); विपणन तथा कमियों को ध्यान मे रखेगी। एकीकृत बागवानी विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए जो सही प्रकार की प्रजातियों के लिए अच्छी रोपण सामग्री से लेकर प्रसंस्करण तथा विपणन सभी प्रकार की सुविधा प्रदान कर सके।

4. बड़ी मात्रा में फलों की सही व उन्नत प्रजातियों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने की आव"यकता है ताकि जिले के फल दिल्ली जैसे शहरों के बड़े बाजारों को निर्यात किए जा सकें। अगर उत्पादन पर्याप्त मात्रा में हो तो नए बाजार उद्योग जैसे बिग बास्केट और फार्म–पिक आदि द्वारा उत्पादों को सीधे खेतों से बाजार तक पहुंचाया जा सकता है, जिससे रोजगार में वृद्धि सम्भव है।

5. MAP प्रजातियों की विविधता आसानी से बढ़ाई जा सकती है क्योंकि वर्तमान में फोकस केवल तेजपत्ता, सर्पगन्धा और बड़ी इलाची पर है। ग्रामीण परिवारों के लिए अतिरिक्त आय उत्पन्न करने के लिए प्रजातियों में विविधता और गांवों/क्लस्टरों की संख्या में पर्याप्त वृद्दि की जरूरत है।

6. MAP को बढ़ावा देने हेतु सभी विकासखण्डों में ध्यान केन्द्रित करना चाहिए क्योंकि वर्तमान में यह गतिविधि कुछ विकासखण्ड़ों में चल रही है। यह गतिविधि आयुर्वेद उद्योग के लिए कच्चे माल का उत्पादन कर समुदाय के कल्याण में भी योगदान करेगी।